सूर्योदय दि. 31-12-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1° न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

वाणी कपूर शमशेरा का हिस्सा...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 272 नई दिल्ली, शुक्रवार 31 दिसंबर-2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

साठ सालों तक विकास परियोजनायें लटकाने की परंपरा रही: नरेन्द्र मोदी

मोदी ने हल्द्वानी के बुनियादी विकास के लिये अलग से 2000 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा भी की

नैनीताल (एजेंसी)

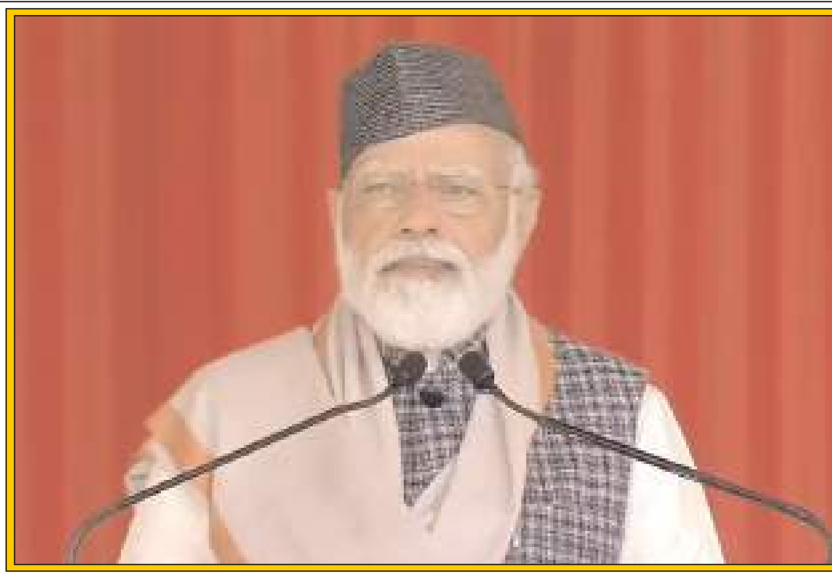

> मोदी आज उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के हल्द्वानी दौरे पर पहुंचे। उन्होंने उत्तराखंड की जनता को लगभग साढ़े 17 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें से 14127 करोड़ रुपये की विकास परियोजना की शिलान्यास किया गया जबकि 3420 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को लोगों को समर्पित की गयी। प्रधानमंत्री ने जहां 300 मेगावाट की लखवाड़ बहुउद्देश्यीय परियोजना का शिलान्यास किया वहीं तराई के उधमसिंह नगर में ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सेटेलाइट केन्द्र और पिथौरागढ़ में बाबू जगजीवन राम मेडिकल कालेज की नींव भी रखी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कांग्रेस पर अपरोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा कि पिछले 60 सालों में देश में विकास परियोजनाओं का लटकाने की परंपरा रही है जिनमें से लख्वाड़ बहुउदेश्यीय परियोजना भी एक रही है जिसे 46 साल बाद उनकी सरकार पूरा करने का निर्णय लिया। श्री मोदी आज उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के हल्द्वानी दौरे पर पहुंचे। उन्होंने उत्तराखंड की जनता को लगभग साढ़े 17 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी।

इनमें से 14127 करोड़ रुपये की विकास परियोजना की शिलान्यास किया गया जबकि 3420 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को लोगों को समर्पित की गयी। प्रधानमंत्री ने जहां 300 मेगावाट की लखवाड़ बहुउद्देश्यीय परियोजना का शिलान्यास किया वहीं तराई के उधमसिंह नगर में ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सेटेलाइट केन्द्र और पिथौरागढ़ में बाबू जगजीवन राम मेडिकल कालेज की नींव भी रखी। दोनों पर लगभग 955 करोड़ रुपये खर्च किया जायेगा। श्री मोदी ने कहा कि आजादी के बाद देश के लोगों ने दो धारायें देखी।

एक धारा पहाड़ को विकास से वंचित रखने की रही है। दूसरी धारा पहाड़ों के विकास के लिये दिन-रात एक करने की रही है। उन्होंने कांग्रेस का नाम लिये बगैर कहा कि ऐसे लोग पहाड़ों पर बिजली और सड़क पहुंचाने के लिये मेहनत से कतराते रहे हैं। इससे कितनी पीढ़ी के लोग अच्छी सड़क व सुविधाओं के अभाव में कहीं और जाकर बस गये। आज देश की जनता ऐसे लोगों को पहचान गयी है और उनका कच्चा चिट्ठा खोल रही है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सबका साथ, सबका विकास के नारे के साथ तेज गति से देश को आगे बढ़ाने में जुटी है। श्री मोदी ने हल्द्वानी के बुनियादी विकास के लिये अलग से 2000 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि इससे हल्द्वानी शहर के पानी, सीवर, सड़क, पार्किंग, स्ट्रीट लाइट आदि सभी क्षेत्र में काफी विकास होगा। श्री मोदी ने कहा कि आने वाला दशक उत्तराखंड का दशक है और वह सोच-समझकर कह रहे हैं। केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन सरकारें इसके लिये तेजी से कार्य कर रही है। उत्तराखंड के लोगों के सामर्थ्य से यह साबित होगा। वह उत्तराखंड के लोगों की ताकत को समझते हैं।

चंडीगढ़ के नतीजे से पूरे पंजाब के अंदर आम आदमी पार्टी की लहर: अरविंद केजरीवाल

देश के अन्य निगमों की तरह ही दिल्ली नगर निगमों को भी फंड दे केंद्र सरकार

विजय कुमार.ओपन सर्च

> चंडीगढ़ में हमें इतना अच्छा काम करना है कि चंडीगढ़ को देख कर बाकी देश की जनता भी आम आदमी पार्टी को वोट दे : अरविंद केजरीवाल
>
> अगर किसी वोटर ने कांग्रेस, भाजपा या अकाली दल को वोट दिया है, तो उसका ज्यादा काम करो, ताकि अगली बार हमें वोट दे : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगर निगम के नतीजे से पूरे पंजाब के अंदर आम आदमी पार्टी की लहर दौड़ गई है और अब पंजाब का चुनाव जीतने के बाद चंडीगढ़ के अंदर शपथ ग्रहण करने के लिए आएंगे। हमें चंडीगढ़ में इतना अच्छा काम करना है कि चंडीगढ़ को देख कर बाकी देश की जनता भी आम आदमी पार्टी को वोट दे। अगर किसी वोटर ने कांग्रेस, भाजपा या अकाली दल को वोट दिया है, तो उसका ज्यादा काम करो, ताकि अगली बार हमें वोट दे।

'आप' संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चंडीगढ़ में आज विजय यात्रा के दौरान यह बातें कहीं। इस दौरान 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने सभी पार्षदों को चंडीगढ़ के लोगों की तन-मन और धन से सेवा करने की शपथ भी दिलाई। 'आप' के सभी पार्षदों ने शपथ ली कि मैं कभी भी अपने चंडीगढ़ परिवार से और आम आदमी पार्टी से गद्दारी नहीं करूंगा। अगर ऐसा करूं, तो चंडीगढ़ के लोग मेरे को दोबारा वोट न देना। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में पहली बार उतरी थी, जिसमें सबसे अधिक 'आप' के 14 पार्षद चुने गए हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज सुबह चंडीगढ़ पहुंचे और 'विजय यात्रा' निकाल कर चंडीगढ़ नगर निगम में आम आदमी पार्टी को सबसे अधिक 14 वार्ड में जीत दिलाने के लिए चंडीगढ़ के निवासियों का धन्यवाद किए।

यह विजय यात्रा चंड़ीगढ़ के अरोमा होटल से सेक्टर-22-23 रेड लाइट तक निकाली गई। विजय यात्रा को संबोधित करते हुए 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चंडीगढ़ वालों ने कमाल कर दिया। आपने चमत्कार कर दिया, आपने पूरे देश का दिल जीत लिया। जब से चंडीगढ़ के नतीजे आए हैं, सारे देश में लोग कह रहे हैं कि हो तो सकता है। इनको हराया तो जा सकता है। इन दोनों पार्टियों को पहले दिल्ली वालों ने हराया और अब चंडीगढ़ वालों ने इन दोनों पार्टियों को हरा दिया। आज मैं पूरे चंडीगढ़ के एक-एक नागरिक का शुक्रिया यदा करने के लिए आया हूं कि आपने जो हमारे उपर भरोसा किया है, इस भरोसे को और मजबूत करेंगे और हम लोग इस भरोसे को कभी भी टूटने नहीं देंगे। आपने जो प्यार और मोहब्बत दिया है, यह हर दिन दोगुना-चौगुना होता जाएगा।

दिव्यांगजनों का अधिक जीवन सुगम, सम्मानजनक बनाने में की नयी पहल की

नई दिल्ली (एजेंसी)

सरकार समाप्त हो रहे इस वर्ष दिव्यांगजनों का जीवन सुगम बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने में जुटी रही और मूक बधिर व्यक्तियों के लिए सांकेतिक भाषा विकसित करने के अलावा समाज में उन्हें सम्मानजनक स्थान दिलाने की मुहिम निरंतर जारी रही।

वर्ष 2021 में दिव्यांग जन कल्याण विभाग ने 10,000 शब्दों के साथ भारतीय सांकेतिक भाषा शब्दकोष का तीसरा संस्करण जारी किया। इसमें दैनिक उपयोग, शैक्षणिक, कानूनी एवं प्रशासनिक, चिकित्सा, तकनीकी, और कृषि से जुड़े शब्द शामिल हैं।

वीडियो में संकेत, संकेत के लिए अंग्रेजी शब्द और चित्र शामिल हैं। इस शब्दकोश में देश के विभिन्न हिस्सों में उपयोग किए जाने वाले क्षेत्रीय संकेत भी शामिल हैं। सरकार के टीवी चैनलों में इस सांकेतिक भाषा का प्रयोग करते हुए समाचार प्रसारित किये गये।

जम्मू-कश्मीर में दो अलग-अलग मुठभेड़ में छह आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर (एजेंसी)

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग और कुलगाम जिलों में एक के बाद एक दो सुरक्षा अभियानों में भारतीय सेना के जवानों ने जैश-ए-मोहम्मद के छह आतंकवादियों को मार गिराया है,

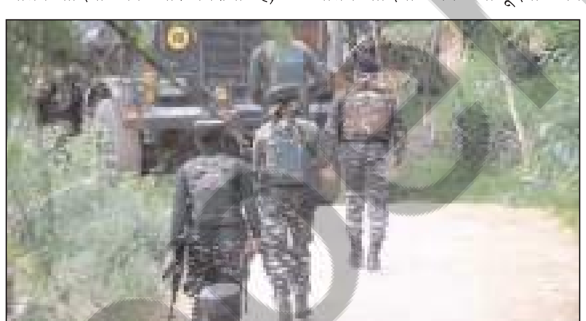

जिनमें से दो पाकिस्तान के बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि अनंतनाग में हुई मुठभेड़ में सेना की काउंटर इंसर्जेसी यूनिट का एक जवान शहीद हो गया है और तीन अन्य सुरक्षाकर्मी भी घायल हुये हैं। अनंतनाग जिले के नौगाम गांव में रात भर जारी मुठभेड़ के दौरान जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए और भारतीय सेना का एक जवान भी शहीद हो। मुठभेड़ उस समय शुर हुई जब इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने तलाश अभियान की शुरुआत की। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा, रात भर हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गये हैं और हमारा एक जवान भी शहीद हुआ है। शुरुआती मुठभेड़ में दो जवान और एक पुलिसकर्मी भी घायल थे, जिन्हें श्रीनगर के 92 बेस आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला बारूद बरामद भी बरामद किए गए हैं। अनंतनाग के पास स्थित कुलगाम जिले में भी कल शाम हुई एक संक्षिप्त मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी सहित जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मार गिराये गये हैं। पुलिस ने कहा कि संयुक्त बलों द्वारा कुलगाम के मिर्हामा इलाके में घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू किये जाने के बाद मुठभेड़ शुरू हुई थी। सुरक्षा बलों ने कुलगाम में मारे गए आतंकवादियों के पास से अमेरिकी में निर्मित एम4 राइफल भी बरामद किया है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने इन दो मुठभेड़ों में जैश -ए-मोहम्मद के छह आतंकवादियों के मारे जाने को एक बड़ी सफलता करार दिया है।

अतिरिक्त कोविड टीके के लिये दिशा निर्देश 10 जनवरी तक

नई दिल्ली (एजेंसी) सरकार ने गुरुवार को कहा कि वरिष्ठ नागरिकों और स्वास्थ्य कर्मियों तथा कोरोना योद्धाओं को दिये जाने अतिरिक्त कोविड टीके- प्रीकॉशन डोज के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश 10 जनवरी से पहले जारी कर दिये जायेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल, नीति आयोग में स्वास्थ्य सदस्य डा. वी के पॉल और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. बलराम भार्गव ने यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोविड टीके की अतिरिक्त खुराक देने के दिशा निर्देश के संबंध में संबंधित विशेषज्ञों और समूहों में गहन विचार विमर्श किया जा रहा है। इसके लिए उपलब्ध सभी सर्वेक्षणों और घटनाओं का अध्ययन किया जा रहा है।

उप्र विधानसभा चुनाव में होगा इस बार एक घंटे अधिक मतदान : चुनाव आयोग

लखनऊ (एजेंसी)

चुनाव आयोग ने कोरोना संकट के फिर से उभरने की वजह से उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में निर्धारित समय से एक घंटा अधिक मतदान कराने सहित अन्य अहम फैसले किये हैं। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने राज्य में चुनावी तैयारियों की तीन दिन तक चली समीक्षा के बाद गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना के खतरे को ध्यान में रखते हुये आयोग ने निर्णय लिया है कि मतदान की अवधि को एक घंटे के लिये बढ़ा दिया जाये। चंद्रा की अगुवाई में आयोग के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने उप्र के तीन दिवसीय समीक्षा दौरे में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न जांच एजेंसियों सहित निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अन्य पक्षकारों के साथ कई दौर की बैठकों के बाद यह जानकारी दी। आयोग के प्रतिनिधि मंडल में देश के दोनों निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और डा अनूप चंद्र पांडेय तथा चुनाव आयोग के महासचिव उमेश सिन्हा के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। चंद्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 14 मई को समाप्त हो रहा है। राज्य में कुल 403 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 317 सामान्य, 84 अनुसूचित जातियों तथा 02 अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन सभी सीटों पर विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव कराये जाने हैं।

उन्होंने बताया कि बैठक में शामिल हुये सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित कराते हुये समय से चुनाव संपन्न कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण के खतरे को ध्यान में रखते हुये आयोग उप्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष, प्रलोभन मुक्त और कोरोना सुरक्षित निर्वाचन कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चंद्रा ने कहा कि आयोग का यह प्रयास है कि आगामी चुनाव में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं और नये मतदाताओं सहित सभी मतदाताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो। इसके लिये विशेष उपाय भी किये गये हैं।

उन्होंने कहा कि इसके तहत सभी मतदान केंद्रों और मतदान कर्मियों के लिये कोविड सुरक्षित प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ कोरोना के खतरे से बचने के लिये इस बार मतदान केन्द्रों की संख्या में 11 हजार से अधिक का इजाफा किया गया है। चंद्रा ने बताया कि कोविड के मद्देनजर सोशल डिस्टेंसिंग मानकों को ध्यान में रखते हुये मतदान केन्द्रों पर भीड़ प्रबंधन के उपाय सुनिश्चित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि इसके तहत उप्र के आगामी चुनाव में 1250 मतदाताओं पर एक मतदान केंद्र बनाने का फैसला किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी की कानपुर रैली में बवाल की साजिश की पोल खुद सपाइयों ने ही खोली

लखनऊ (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कानपुर रैली के दौरान बवाल कराने साजिश रचने के आरोप में बुधवार को समाजवादी पार्टी के पांच कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी की रैली में बवाल कराने की सपाइयों की चाल की पोल खुद सपाइयों के ही खोल दी।

सपा छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव सचिन केसरवानी के विरोधी गुट ने ही पुलिस तक यह बात पहुंचाई कि जिस कार में तोड़फोड़ की गई, वह सचिन के साथी अंकुर पटेल की है। इसके बाद पुलिस ने आनन फानन में साजिश का पर्दाफाश कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कानपुर की रैली में आए समर्थकों को भड़काकर बवाल कराने की साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया। दरअसल, मंगलवार को इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कुछ सपाई प्रधानमंत्री का पुतला फूंकते और भाजपा के बैनर पोस्टर से सजी एक कार में तोड़फोड़ करते दिखे थे। पुलिस तह तक गई तो पता चला कि कार सपा नेता की थी और सपाइयों ने ही पूरा स्वांग रचा था। पुलिस ने कार मालिक समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वीडियो में नौबस्ता-हमीरपुर रोड पर सब्जीमंडी के पास कुछ सपाई प्रधानमंत्री का पुतला फूंक रहे थे।

इस दौरान भाजपा के बैनर-पोस्टर से सजी एक कार रुकी और चालक ने विरोध जताया तो सपाइयों ने कार में तोड़फोड़ की थी। यह देखकर कार सवार भाग गया था। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की तलाश शुरू की। पड़ताल में सामने आया कि जिस कार में तोड़फोड़ की गई वह आवास विकास नौबस्ता निवासी सपा नेता अंकुर पटेल की

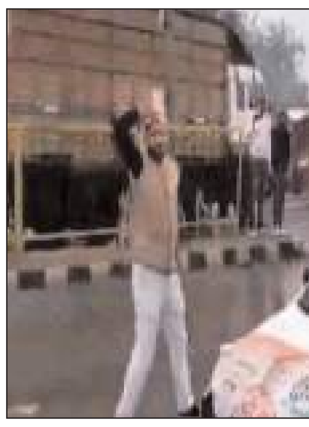

थी। योजनाबद्ध तरीके से कार को भाजपाई बैनर-पोस्टरों से सजाया और वीडियो वायरल किया। पुलिस आयुक्त असीम अरुण के मुताबिक यह रैली में आए समर्थकों को भड़काकर बवाल कराने की साजिश थी। मंगलवार देर रात नौबस्ता थाना प्रभारी अमित भड़ाना की ओर से सपा छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव सचिन केसरवानी को नामजद कर अन्य 8-10 अज्ञात साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने रात में ही कार मालिक अंकुर पटेल को हर्षनगर से पकड़ा था, जबकि निकेश यादव की पहचान हो गई थी। अपर पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि लोकनायक कालोनी निवासी सुकांत शर्मा (पूर्व नगर प्रवक्ता मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड), आवास विकास कालोनी नौबस्ता निवासी सचिन केसरवानी (राष्ट्रीय सचिव सपा छात्र सभा), लेबर कालोनी दादानगर निवासी अभिषेक रावत (नगर सचिव मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड) और निकेश कुमार यादव (सपा युवजन सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपित लखनऊ भाग गए थे। उन्हें पारा थानाक्षेत्र से पकड़ा गया। अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। सपा ने साजिश के आरोपितों समेत पांच पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

कानपुर के महानगर अध्यक्ष डा. इमरान ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को जानकारी दी तो उनके निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सचिन केसरवानी (राष्ट्रीय सचिव सपा छात्र सभा), सुकांत शर्मा (पूर्व नगर प्रवक्ता मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड), अंकुर पटेल (कार मालिक व पूर्व नगर सचिव सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ), अंकेश यादव और सुशील राजपूत को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। हालांकि इस आदेश को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस की लिस्ट में अंकेश यादव व सुशील राजपूत के नाम नहीं हैं। पार्टी ने अपने स्तर पर जांच भी नहीं कराई है।

वहीं, पुलिस द्वारा गिरफ्तार निकेश यादव (सपा युवजन सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष) और अभिषेक रावत (नगर सचिव मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड) पर पार्टी ने अभी कोई कार्रवाई नहीं की है। इधर सीसामऊ से विधायक इरफान सोलंकी ने वीडियो जारी कर कहा कि सपा ने नजीर पेश की। अब भाजपा किसानों पर कार चढ़ाने के प्रकरण में गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा पर कार्रवाई करे।

एक नज़र

गोरखपुर में बोले सीएम योगी, भूमि विवाद के मामलों पर विशेष ध्यान दें अधिकारी

गोरखपुर (एजेंसी) दो दिन के दौरे पर बुधवार की शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार की सुबह अपनी परंपरागत दिनचर्या के क्रम में गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम में जनता दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों से आए हुए 200 से ज्यादा लोगों की समस्या सुनी और समाधान का आश्वान दिया। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में जमीन-जायदाद और इलाज के मामले आए।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को जमीन की समस्या का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। साथ ही इलाज के लिए धन की मांग लेकर आए लोगों पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आगे बढ़कर वह यह सुनिश्चित करें कि किसी भी व्यक्ति का इलाज धन के अभाव में रुकने न पाए। मुख्यमंत्री ने हमेशा की तरह तड़के अपने आवास से निकलने के बाद सबसे पहले बाबा गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई और विधि-विधान के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका दर्शन-पूजन किया।

दर्शन-पूजन के क्रम में ही उन्होंने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के समाधि स्थल पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर के भ्रमण और गोसेवा के बाद वह हिंदू सेवाश्रम गए, जहां सुबह से ही अपनी समस्या कहने के लिए लोग उनका इंतजार कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सभी का मान रखा और हर-एक के पास खुद पहुंचकर उनका समस्या से जुड़ा आवेदन पत्र लिया। प्रशासन से जुड़े मामलों का समस्यात्मक आवेदन पत्र उन्होंने जिलाधिकारी विजय किरन आनंद को सौंपा और उसे समस्या के जल्द से जल्द निस्तारण का निर्देश दिया। इलाज के धन मिलना सुनिश्चित होने की जिम्मेदारी भी उन्होंने जिलाधिकारी को ही दी।

डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में छेड़खानी, कुलसिचव व परीक्षा नियंत्रक समेत चार पर एफआइआर

लखनऊ (एजेंसी) डाक्टर शकुंतला मिश्रा पुर्नवास विश्वविद्यालय के कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक समेत चार लोगों के खिलाफ एक महिला सहकर्मी ने पारा थाने में एफआइआर दर्ज कराई है। आरोप है कुलसचिव अमित कुमार सिंह ने महिला सहकर्मी के साथ न केवल अभद्रता की बल्कि छेड़छाड़ भी किया। यही नहीं, कुलसचिव के कहने पर परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार राय, प्रोफेसर हिमांशू शेखर झा और डा. अरविंद कुमार सिंह ने भी अलग अलग प्रकार से प्रलोभन देकर दबाव बनाया।

पीड़िता का आरोप है कि सितंबर 2018 में उनकी नियुक्ति हुई थी। विवि में नियुक्त होने के बाद से कुलसचिव महिला पर गलत नजर रखते थे। कई बार उन्होंने करीब आने की कोशिश की और करियर खराब करने की धमकी दी। आरोपित जब अपनी मंशा में सफल नहीं हुए तो अपने साथियों का सहारा लिया। अन्य आरोपित महिला पर कुलसचिव की बात मान लेने का दबाव बनाते थे। आरोप है कि दो जनवरी को डायनिंग हाल में पीड़िता को अकेला देखकर कुलसचिव ने उसे पीछे से पकड़ लिया।

किसी तरह पीड़िता आरोपित के चंगुल से छूटकर बाहर निकली। पीड़िता ने कुलपति को पत्र लिखकर पूरे मामले की जानकारी दी और कार्रवाई की मांग की। पीड़िता का कहना है कि आरोपितों के दबाच में विवि प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। यही नहीं, उल्टा पीड़िता को ही गलत बता दिया।

पश्चिम की पिच पर प्रधानमंत्री मोदी लगाएंगे चुनावी मास्टर स्ट्रोक, सूबे में जाएगा संदेश

मेरठ (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनूठे जनसंवाद से नई चुनावी हवा चल पड़ती है। नए साल में मोदी पश्चिमी उप्र की राजनीतिक पिच से मास्टर स्ट्रोक लगाकर चुनावी रणनीति की दिशा बदल सकते हैं। गोरखपुर से नोएडा तक सूबे के हर छोर को नाप चुके मोदी मेरठ-मुजफ्फरनगर की संयुक्त रैली में बड़ा संदेश देंगे। भाजपा को उम्मीद है कि मोदी की रैली से सपा-रालोद गठबंधन की गाठें ढीली पड़ेंगी, वहीं भाजपा की किसानों और ओबीसी वोट बैंक पर पकड़ बढ़ जाएगी।

उत्तर प्रदेश के चुनावी समर में राजनीतिक पारा आसमान पर है। भाजपा एक बार फिर मोदी फैक्टर से सूबे में जीत की पटकथा पर काम कर रही है। सात दिसंबर को गोरखपुर में रैली से अब तक मोदी आठ बार यूपी आ चुके हैं। पूर्वांचल और मध्य यूपी में पार्टी की चुनावी ताकत बढ़ाने के बाद अब पश्चिम उप्र की बारी है।

गत दिनों मोदी ने नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास कर विकासवादी एजेंडे को धार दी, वहीं पूरब में काशी विश्वनाथ कोरीडोर बनाकर देशवासियों से धार्मिक और भावनात्मक तार जोड़ा। दो जनवरी 2022 को मोदी मेरठ के सलावा में खेल विवि का शिलान्यास करेंगे, जहां 25 हजार से ज्यादा खिलाडियों का संगम होगा। राजनीति के जानकारों का कहना है कि खेल और खिलाड़ी के इसी माहौल के बीच से मोदी का सियासी मास्टर स्ट्रोक निकलेगा।

हाल के दिनों में गृहमंत्री अमित शाह, सीएम योगी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी पश्चिमी उप्र को मथा है। पश्चिमी उप्र की राजनीतिक हवा 2013 से बदली, और 2014, 2017 और 2019 में भाजपा को प्रचंड जीत मिली।

मेरठ में बाइक शोरूम और गैराज से हजारों की चोरी, बदमाशों ने कार और नकदी लूटी

मेरठ (एजेंसी) मेरठ के मवाना में दो वारदातों में दो बाइक शोरूम व मारूति के गैराज से हजारों की चोरी हो गई वहीं दूसरी वारदात में बदमाशों ने कार,नकदी और मोबाइल लूट लिया। पुलिस दोनों ही मामलों में जांच कर रही है। मवाना में सर्द रात के साथ पुलिस की निष्क्रियता के चलते नगर में चोरी की वारदात भी बढ़ने लगी है। बुधवार देर रात चोरों ने मेरठ रोड स्थित हाईवे पर दो बाइक शोरूम व एक मारूति गैराज को निशाना बनाते हुए हजारों की नकदी, स्पेयर पार्टस समेत व अन्य सामान साफ कर दिया। सुबह जब व्यापारी प्रतिष्ठान पर पहुंचे तो घटना की जारी हुई।

बुधवार रात चोर पुलिस पर भारी रहे। देर रात चोरों ने नगर निवासी सर्वेद्र चौधरी के मेरठ रोड बड़ा महादेव मंदिर के सामने हीरोहोंडा बाइक शोरूम को निशाना बनाया। यहां पर पीछे दीवार में कुंबल करके 4 हजार रुपये की नकदी साफ कर दी। जबकि शोरूम के पीछे प्रमोद के मारूति के गैराज से हजारों रुपये की कीमत के स्पेयर पार्टस पर हाथ साफ कर दिया। इनके अलावा चोरों ने ओमकार सिंह के टीवीएस बाइक शोरूम में ऊपर के दरवाजे तोड़कर गले में रखें 73 हजार रुपये चोरी कर लिए। गुरुवार को सुबह लगभग दस बजे जब उक्त व्यापारी अपने प्रतिष्ठन पर पहुंचे तो चोरी की वारदात की जानकारी हुई। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली। हीरो बाइक शोरूप के मालिक सर्वेद्र ने बताया कि उनके शोरूम में 13 नवंबर को भी चोरी की वारदात हो चुकी है। जिसमें नकदी समेत लगभग एक लाख रुपये से अधिक का सामान चोरी हो गया था। मवाना के परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र गांव खजूरी के पास गुरुवार सुबह सशस्त्र बदमाशों ने स्विफ्ट डिजायर कार, 3 हजार रुपए की नगदी, मोबाइल लूट लिया। विरोध करने पर चालक को तमंचा मारकर घायल कर दिया। बदमाशों की संख्या चार बताई जा रही। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव समसपुर निवासी अनुज गिरी पुत्र नरेश गिरी गुरुवार सुबह करीब 6 बजे अपनी स्विफ्ट डिजयार कार से मेरठ जा रहा था।

जैसे ही वह गांव खजूरी व जेई मिशन के मध्य पहुंचा तो उसी दौरान आए चार सशस्त्र बदमाशों ने उसे रोक लिया और तमंचे से आतंकित करके कार, तीन हजार रुपये और मोबाइल लूट लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने अनुज को सिर में तमंचे की बट मारकर घायल कर दिया। पीड़ित ने किसी तरह पुलिस को सूचना दी। कार लूट की सूचना पर एसओ राजीव कुमार मौके पर पहुंचे और घायल को प्राथमिक उपचार के बाद घटना की जानकारी ली। अभी तक इस संबंध में तहरीर नहीं दी गई है।

नए मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने संभाला कार्यभार

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश के नए मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने गुरुवार को कार्यभार ग्रहण किया। श्री मिश्र ने मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी से कार्यभार लिया। यह एक साल के लिए मुख्य सचिव बने हैं। दुर्गा प्रसाद मिश्र 1984 बैच के आईएसएस अधिकारी हैं। इसके पूर्व वह केन्द्र सरकार में आवास और शहरी मंत्रालय में सचिव तथा दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष पद पर कार्यरत रहे। वह मायावती सरकार में विभिन्न पदों पर यूपी में कार्यरत रह चुके हैं। केन्द्र सरकार ने यूपी विधानसभा चुनाव के ठीक पहले एक वर्ष का सेवा विस्तार करते हुए दुर्गा शंकर मिश्र को राजेन्द्र कुमार तिवारी की जगह नया चीफ सेक्रेटरी बनाया है। उन्हें इसी महीने 31 दिसम्बर को सेवानिवृत होना था।

लेकिन उनकी कार्यकुशलता और साफ छवि होने के कारण सेवा विस्तार दिया गया है। वह आगरा और सोनभद्र जिले के जिलाधिकारी भी रह चुके हैं। 04 दिसम्बर, 1961 को जन्मे दुर्गा शंकर मिश्र उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद के पहाड़ीपुर गांव के निवासी हैं। बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल रहने वाले दुर्गा शंकर मिश्रा हमेशा आगे बढ़ना ही सीखें, उन्होंने कभी पीछे मुड़कर देखने की कोशिश नहीं की। कक्षा 5 तक गांव के ही प्राथमिक विद्यालय पहाड़ीपुर में शिक्षा लेने के बाद वे कक्षा 6 की पढ़ाई के लिए गांव के समीप गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज मारूफपुर में चले गए। वहां पर वे पढ़ाई करने के साथ, भारत सरकार के आवासीय छात्रवृत्ति कार्यक्रम में आवेदन किया था और उसमें उनका सलेक्शन हो गया। फिर क्या

था श्री मिश्रा कक्षा 7 से हायर सेकेंडरी तक की पढ़ाई करने के लिए विकास विद्यालय रांची में चले गए। वहां पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्होंने बीएचयू के लिए आईआईटी में आवेदन किया था। जहां उनका सलेक्शन हो गया और वह बीएचयू में पढ़ाई शुरू कर दिए। वहां 1 वर्ष पढ़ाई पूरा हुआ था कि उन्हें कुछ लोगों के द्वारा यह जानकारी हुई की बीएचयू से बेहतर कानपुर आईआईटी है और वे कानपुर आईआईटी में एडमिशन के लिए आवेदन कर बैठे।

वहां भी उनका सेलेक्शन हो गया। श्री मिश्रा को कानपुर से बीटेक की पढ़ाई साढ़े 4 साल में पूरी करते ही उसी वर्ष उनका 3 सलेक्शन हो गया। जिसमें इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेज तथा यूपी कैडर का आईएएस मिला और उन्होंने यूपी कैडर के आईएएस को चुना। श्री मिश्र की 1984 में पहली पोस्टिंग चन्दौली जिले के चकिया तहसील के एसडीएम पद पर हुई। इसके बाद अपने कुशल प्रशासनिक अनुभवों से कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर रहें। वर्ष 2010 में मायावती सरकार में तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार में प्रमुख सचिव के पद पर भी रहे हैं।

श्री मिश्रा कई महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन करने में अहम भूमिका निभाएं तथा मेट्रो के संचालन में इनकी कार्य कुशलता के चलते आज कई शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है। गौरतलब है कि पहाडीपुर गांव मधुबन तहसील का वह गांव है जो अब तक लगभग एक दर्जन प्रशासनिक अधिकारी विभिन्न पदों पर देश में सेवा दे रहे हैं। श्री दुर्गा शंकर मिश्र के पिता स्व. पंडित मदन मिश्र बलिया में मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय में बड़े बाबू थे और उनकी माता स्व. कुमारी देवी गृहणी थी। आपके भाई सत्यकाम मिश्र आयकर विभाग दिल्ली में चीफ कमिश्नर हैं। तथा उनसे छोटे भाई विनय कुमार मिश्र को ऑपरेटिव सोसाइटी कानपुर में रजिस्ट्रार हैं। इनके चचेरे भाई अवधेश मिश्र चंडीगढ़ में आयकर कमिश्नर हैं। चचेरे भाई दिनेश मिश्र आगरा में जीएसटी में कमिश्नर, चचेरे भाई अविनाश मिश्र बाल मजदूरों के लिए शिक्षा के लिए भदोही में सामाजिक कार्य करते हैं।

भतीजा सुधांशु मिश्र सेना में कर्नल है, भतीजा डा. अक्षत मिश्र मुम्बई के जेजे अस्पताल में शैल्य चिकित्सक हैं। वे वर्ष में एक बार अपने गांव एक हफ्ते के लिए जरूर आते हैं। दुर्गा शंकर मिश्रा के ही प्रयास से मधुबन बेल्थरा मार्ग जो काफी जर्जर हो चुका था बना था। चचेरे भाई अविनाश मिश्रा बताते हैं कि भईया (दुर्गा शंकर मिश्रा) कहते हैं कि हमेशा विद्वानों के बातों को आत्मसात करना चाहिए सही मार्ग पर चलना चाहिए। कभी किसी का अहित नहीं करना चाहिए। वे सदैव असहयों का मदद करते हैं तथा उन्हें हौसला देते हैं।

यूपी पुलिस ने आवारा पशुओं को स्कूल में बंद करने के आरोप में 10 लोगों को किया गिरफ्तार

शाहजहांपुर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के एक प्राथमिक विद्यालय के अंदर आवारा पशुओं के झुंड को बंद करने के आरोप में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया और बाद में रिहा कर दिया गया। किसानों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस को मवेशियों को छोड़ने से रोकने की कोशिश की। घटना लेहरावर गांव की है, जो जलालाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

मवेशियों की खोज स्कूल के शिक्षकों ने की, जिन्होंने पुलिस को बुलाया। जलालाबाद के थाना प्रभारी कमल सिंह अपनी टीम के साथ स्कूल पहुंचे और स्कूल परिसर के अंदर 30 आवारा मवेशियों को देखा। उनकी टीम ने गेट खोलने का प्रयास किया तो किसानों ने उन्हें रोकने की कोशिश की और एक वरिष्ठ अधिकारी से आश्वासन की मांग

की। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और बाद में चेतावनी देकर छोड़ दिया। एक महिला जो मवेशियों की समस्या का भी विरोध कर रही थी, उसने कहा, हम बस चाहते हैं कि आवारा मवेशियों को हमारे गांव से बाहर रखा जाए क्योंकि वे हमारी फसलों को नष्ट कर रहे हैं, स्थानीय निवासियों पर हमला कर रहे हैं और हमारे जीवन को परेशान कर रहे हैं।

हम उन्हें नहीं खिला सकते हैं, सरकार को उनके लिए एक आश्रय गृह स्थापित करना चाहिए। हम इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाना चाहते हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए, कमल सिंह ने कहा, स्कूल लगभग एक घंटे की देरी के बाद खोला गया और उसके बाद अधिकांश छात्र कक्षाओं में उपस्थित हुए। हमने ग्राम पंचायत अधिकारियों से आवारा मवेशियों को किसी भी नजदीकी गौशाला में स्थानांतरित करने का भी अनुरोध किया है।

एसएसपी आवास के पास सब्जी आढ़ती का अपहरण, स्कूटी में टक्कर मारने के बाद स्कार्पियो से उठा ले गए

मुरादाबाद (एजेंसी) सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के आवास-विकास कालोनी से सुबह आठ बजे एक सब्जी आढ़ती को स्कार्पियों सवार चार लोग उठा ले गए। पहले स्कूटी में टक्कर मारी, इसके बाद स्कार्पियों सवार चारों जबरन आढ़ती को गाड़ी के अंदर डालकर उठा ले गए। वहीं व्यापारी की स्कूटी सड़क पर पड़ी रही। मार्निंग वाक पर निकले लोगों ने इस मामले को देखा तो उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। एएसपी सागर जैन के साथ सिविल लाइंस थाना प्रभारी रवीन्द्र प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि स्कार्पियो सवार लोग कौन थे। फिलहाल परिवार के लोगों ने अपहरण की आशंका व्यक्त की है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के रामगंगा विहार फेज-वन निवासी संदीप थरेजा सब्जी आढ़ती हैं।

उनकी मझोला मंडी समिति में सब्जी का बड़ा काम है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब पौने आठ बजे वह घर से स्कूटी लेकर मंडी समिति के लिए निकले थे। उसी दौरान एसएसपी आवास के पीछे पीएमएस स्कूल के पास उनका पीछा कर रही स्कार्पियो ने पहले उनकी स्कूटी में पीछे से टक्कर मारी। उनके गिरने के बाद स्कार्पियो सवार उन्हें उठाने के बहाने से नीचे उतरे, इसके बाद सीधे गाड़ी के अंदर डालकर दिल्ली रोड की तरफ भाग गए। सुबह हुई इस घटना के बाद पुलिस विभाग में हडकंप मच गया। मौके पर एएसपी सागर जैन के साथ ही सिविल लाइंस थाना प्रभारी रवीन्द्र प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। स्कूटी को थाने ले जाने के साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज देखे तो घटना सही पाई गई। एएसपी सागर जैन ने बताया कि एक आढ़ती को स्कार्पियो सवार उठाकर ले गए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

नोएडा, गाजियाबाद और हापुड़ में 8वीं तक के स्कूल आज से हो रहे बंद

नोएडा, ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)
दिल्ली-एनसीआर में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों के बीच नोएडा, ग्रेटर नोएडा, हापुड़ और गाजियाबाद में 8वीं तक के स्कूल 15 दिन के लिए बंद किए जाने की घोषणा की गई है। इस ऐलान के बाद 31 दिसंबर से अगले साल 14 जनवरी तक 8वीं तक के परिषदीय स्कूल बंद रहेंगे।

मिली जानकारी के मुताबिक, बढ़ती शीतलहर और कड़ाके की ठंड के चलते उत्तर प्रदेश सरकार ने यह फैसला लिया है। वहीं, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने इस बाबत विस्तार से एक गाइडलाइन भी जारी की है। इसके तहत स्कूलों को विकल्प के तौर पर ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था करानी होगी। अगर स्कूल में किसी को भी जुकाम, बुखार के लक्षण दिखते हैं तो उसे तुरंत घर पहुंचाने की व्यवस्था स्कूल को करनी होगी।

वहीं, ठंड को देखते हुए आठवीं तक के परिषदीय विद्यालय 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सक्सेना ने

बताया कि शासन ने शीतकालीन अवकाश के लिए आदेश दिए हैं। इसके तहत सभी सरकारी विद्यालयों को शुक्रवार से विद्यालय बंद करने के आदेश दे दिए गए हैं।

निजी स्कूलों के लिए कोई दिशानिर्देश नहीं है। गौरतलब है कि बेसिक शिक्षा विभाग के टाइम एंड मोशन स्टडी के आदेश के तहत पहली बार शीतकालीन अवकाश दिया जा रहा है। इससे पहले जिलाधिकारी के आदेशों के तहत विभिन्न जिलों में स्कूलों में छुट्टी की जाती रही हैं। दिल्ली एनसीआर में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए आल नोएडा स्कूल पैरेंट्स एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से 12वीं तक के सभी स्कूलों में आफलाइन कक्षाएं बंद करने की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष यतेंद्र कसाना ने कहा कि दिल्ली की तरह नोएडा में भी प्रशासन यह कदम उठाए। टीकाकरण न होने से बच्चों में संक्रमण का खतरा ज्यादा है।

कहा जा रहा है कि कि ओमिक्रोन और कोरोना की तीसरी लहर के चलते भी यह फैसला लिया गया है। वहीं, निजी के साथ सरकारी शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं के लिए मास्क पहनना अनिवार्य है। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के साथ कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के कारण पहले ही स्कूल बंद हैं।

दरअसल, वायु प्रदूषण के चलते सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने दिल्ली सरकार और हरियाणा सरकार को स्कूलों को बंद करने का सुझाव दिया था। इस बीच पिछले दिनों वायु प्रदूषण में कमी आई तो स्कूलों को खोला गया, लेकिन ओमिक्रोन के मामलों ने एक बार फिर स्कूलों को बंद करने की स्थिति पैदा कर दी है।

यूपी कांग्रेस में फिर सामने आई अंतर्कलह,प्रदेश अध्यक्ष ने चुनाव आयोग से मिले प्रतिनिधिमंडल को बताया अनधिकृत

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की अंदरूनी कलह सार्वजनिक हो गई है। उत्तर प्रदेष कांग्रेस पार्टी में नया वितंडा शुरू हो गया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के साथ बैठक करने वाले कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को अनधिकृत बताया है। सीईसी को पत्र लिखकर उन्होंने प्रदेश कांग्रेस के अधिकृत प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के लिए गुरुवार को समय मांगा है। इस घटनाक्रम पर क्षोभ और आपत्ति जताते हुए मंगलवार को सीईसी से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्य ओंकारनाथ सिंह ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा को पत्र लिखकर उन्हें पूरे घटनाक्रम की जानकारी भी दी है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लिखे पत्र में बताया है कि

उनसे मंगलवार को मुलाकात करने वाला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल अधिकृत नहीं था। पार्टी के अधिकृत प्रतिनिधिमंडल में पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी, कांग्रेस विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा और पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी शामिल हैं जिनसे मिलने के लिए सीईसी से गुरुवार को समय देने का अनुरोध किया गया है। लल्लू की ओर से इस पत्र को अपने ट्विटर हैंडल के जरिये ट्वीट करने से नाराज ओंकारनाथ ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। प्रियंका गांधी वाड्रा को लिखे गए पत्र में ओंकारनाथ ने बताया है कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष सतीश अजमानी ने सीईसी के साथ बैठक में शामिल होने के लिए अधिकृत किया था। पत्र में उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि सीईसी को सौंपे जाने वाले पत्र का ड्राफ्ट उन्होंने अजमानी को दिखाया भी था। अजमानी की ओर से इसमें कुछ संशोधन किये गए थे। संशोधित पत्र को ही उन्होंने निर्वाचन आयोग को सौंपा था। गौरतलब यह भी है जिस प्रतिनिधिमंडल को लल्लू की ओर से अनधिकृत बताया गया है, उसके सदस्यों के नाम प्रदेश कांग्रेस कार्यालय की ओर से ही भारत निर्वाचन आयोग को भेजे गए थे। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव संगठन दिनेश सिंह ने इसकी पुष्टि तो की, साथ में यह भी जोड़ा कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्य सीईसी के साथ बैठक में पार्टी की ओर से कोई अधिकृत बयान देंगे। इसे नितांत सामान्य बैठक समझ कर इन लोगों को उसमें भेजा गया था। पार्टी के अंदर यह चर्चा है कि कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह और महिला मैराथन की तैयारियों में वरिष्ठ नेताओं के व्यस्त रहने की वजह से बैठक के महत्व को नहीं समझा गया जिसकी परिणति इस घटनाक्रम के रूप में सामने आई है।

सम्भल में बोरे में मिला महिला का शव, क्षेत्र में सनसनी, शव की शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी पुलिस

मुरादाबाद (एजेंसी) सम्भल के केला देवी थाना क्षेत्र में सड़क किनारे बोरे में नग्न महिला का शव मिलने से क्षेत्र खलबली मच गई। महिला के हाथ पैर बांधकर शव को बोरे में भरा गया था। काफी प्रयास के बाद भी शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के गांव मूसापुर के जंगल में सड़क किनारे गुरुवार को सुबह कुछ लोगों ने एक बोरा पड़ा देखा। इसकी सूचना थाना पुलिस को दी तो कुछ ही देर में मौके पर पुलिस और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने बोरा खोल कर देखा तो उसके अंदर एक महिला का शव था। जो नग्न था और हाथ पैर बांधकर बोरे में भरा गया था।

शव की शिनाख्त कराने की कोशिश की लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई। प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार ने बताया कि शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है। सम्भल के बहजोई में तीन दिन पूर्व रेलवे फाटक के निकट एक लिंक मार्ग पर पड़े मिले ई-रिक्शा चालक के शव के पोस्टमार्टम के बाद अंदरूनी चोटों की बात सामने आई है। पुलिस ने स्वीकार किया है कि यह हादसा नहीं बल्कि उसकी हत्या की गई थी। इस संबंध में मृतक के बेटे की तहरीर पर अज्ञात हत्यारोपित के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है।

विदित रहे कि कोतवाली क्षेत्र के बमनेटा रोड पर एक शव पड़ा मिला था। जिसकी शिनाख्त तेजपाल (55) पुत्र हेमराज के रूप में हुई थी, शरीर पर चोट के निशान नहीं थे। मृतक के बेटे ताराचंद ने आरोप लगाया था कि उसके पिता ई रिक्शा चलाकर मेहनत मजदूरी करते थे। रविवार को वह घर से निकले थे और देर रात तक नहीं लौटे। उनका शव पड़ा मिलने के बाद उसने हत्या की आशंका जताई थी और पोस्टमार्टम करने के लिए पुलिस को तहरीर दी थी।

एक नज़र

सीमापुरी के बाजार में दिन दहाड़े युवक की चाकुओं से गोद कर हत्या, वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी) पुरानी सीमापुरी के एक बाजार में तीन हमलावरों ने दिन दहाड़े एक युवक की चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमलावर बेरहमी से ताबड़तोड़ वार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें लोगों की संवेदनहीनता भी साफ नजर आ रही है। बाजार में लोग खड़े तमाशा देखते रहे, किसी ने हमलावरों को रोकने का प्रयास नहीं किया। मृतक की पहचान पुरानी सीमापुरी के रहने वाले शाहरुख के रूप में हुई है।

वीडियो के आधार पर पुलिस ने पहचान कर आरोपित जुबैर और आदित्य को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि इनका साथी जफर फरार है। सीमापुरी थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि मृतक आपराधिक छवि का था, उसका आरोपितों में से एक की शादीशुदा बहन से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसके चलते हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक पुरानी सीमापुरी के बाजार में राशन वाली गली में बुधवार करीब शाम पांच बजे तीन हमलावरों ने शाहरुख को घेर लिया। पहले लात व घूसों से पिटाई की।

तीनों हमलावरों ने चाकू निकाल कर उस पर वार करना शुरू कर दिया। शाहरुख ने बचने का काफी प्रयास किया, लेकिन हमलावरों ने उसे नहीं छोड़ा। एक हमलावर ने तो लोहे ही कुर्सी उसके सिर पर दे मारी। वारदात के दौरान बाजार में काफी संख्या में लोग मौजूद थे। दुकानदारों ने अपनी दुकानों के शटर बंद करना शुरू कर दिया। कुछ लोग तमाशा देखते रहे। शाहरुख की मदद के लिए कोई आगे नहीं आया। थोड़ी ही देर में शाहरुख अचेत होकर नीचे गिर गया। हमलावरों के फरार होने के बाद लोगों ने पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस को मौके पर पहुंचने के बाद मालूम हुआ कि लोग शाहरुख को घायल अवस्था में जीटीबी अस्पताल ले गए।

पुलिस वहां पहुंची तो अस्पताल के डाक्टरों ने शाहरुख को मृत घोषित कर दिया। इस मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और वीडियो से तीनों आरोपितों की पहचान की। सभी पुरानी सीमापुरी के रहने वाले हैं। दो आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं।

कोरोना प्रतिबंध : बस में चढ़ने नहीं दिया तो नाराज यात्रियों ने एमबी रोड को किया जाम, जमकर की तोड़फोड़

नई दिल्ली (एजेंसी) 50 प्रतिशत क्षमता से अधिक को बस में चढ़ने से मना करने से नाराज लोगों ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में एक सड़क को जाम कर दिया और एक बस में तोड़फोड़ की। अतिरिक्त जिला पुलिस आयुक्त (दक्षिण जिला) हर्षवर्धन ने कहा कि कुछ लोगों ने शहर में एमबी रोड को जाम कर दिया और सुबह करीब साढ़े दस बजे डीटीसी बस का शीशा तोड़ दिया। अधिकारी ने कहा, मुद्दा कोविड से संबंधित प्रतिबंधों के कारण बसों में सीटों की अनुपलब्धता से संबंधित था।

मामला बढ़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित राहगीरों को समझाने का प्रयास किया। अराजकता की स्थिति के बीच लोगों और पुलिस के बीच मामूली हाथापाई भी हुई। गुस्साई भीड़ ने पथराव भी किया, जिससे बस के शीशे टूट गए। बस के कंडक्टर ने कहा, कल भी लोग गुस्से में थे और जबरन बस के अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन आज चीजें हिंसक हो गईं। पुलिस ने कहा कि एहतियात के तौर पर मौके से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है।

लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर कर दिया है और संगम विहार पुलिस स्टेशन में महामारी संबंधी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने और सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने का मामला दर्ज किया गया है। कोविड मामलों की संख्या में बढ़ोतरी और कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट के फैलने की आशंका के मद्देनजर शहर में यलो अलर्ट जारी है। नए प्रतिबंध लागू होने के बाद से, दिल्ली में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि मेट्रो स्टेशनों के बाहर और बस स्टॉप पर हर रोज लंबी कतारें देखी जा सकती हैं।

कोकीन के 91 कैप्सूल निगलकर एयरपोर्ट पहुंची थी महिला, मामूली चूक से पहुंची सलाखों के पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी) इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट पर कोकीन के 91 कैप्सूल को निगलकर पहुंची युगांडा मूल की एक महिला को कस्टम के अधिकारियों ने पकड़ा है। पकड़े जाने के बाद महिला को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां पर महिला के पेट से कैप्सूल निकाले गए। इन कैप्सूल में कुल 992 ग्राम कोकीन भरे हुए थे। महिला के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। कस्टम के अधिकारियों ने बताया कि आरोपित महिला नाइजीरिया के लागोस शहर से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची थी।

टर्मिनल-3 पर इमिग्रेशन क्लीयरेंस के बाद जब महिला बाहर निकली तो उसके चाल ढाल पर कस्टम के अधिकारियों को संदेह हुआ। अधिकारियों ने जब पूछताछ की तो वह सहयोग नहीं कर रही थी। इसके बाद महिला पर कस्टम अधिकारियों ने नजर रखनी शुरू कर दी। महिला को चलने में दिक्कत हो रही थी। इस पर सुरक्षाकर्मियों ने उसकी मदद करने की बात कही तो महिला ने किसी भी प्रकार की मदद लेने से इन्कार कर दिया। इससे कस्टम अधिकारियों का संदेह और बढ़ गया। एयरपोर्ट पर निकास गेट पर जब महिला पहुंची तो उसे रोककर कस्टम अधिकारियों ने फिर से पूछताछ शुरू की।

सख्ती से पूछताछ करने पर उसने कोकीन का कैप्सूल निगलने की बात स्वीकार की। इसके बाद इसे अस्पताल ले जाया गया। बता दें, नौ दिसंबर को इसी रूट से भारत पहुंची 2838 ग्राम कोकीन के साथ कस्टम अधिकारियों ने नाइजीरिया की महिला को पकड़ा था। इस वर्ष विभाग ने नशीला पदार्थ तस्करी के 24 मामलों का पर्दाफाश किया है।

दिल्ली में अपहरण व रंगदारी के मामले में फरार चल रहा आरोपित चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली (एजेंसी) बाहरी उत्तरी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम की ओर से अपहरण और रंगदारी के मामले में फरार आरोपित को रोहिणी इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान द्वारका मोड़ के पास के अतुल चौक के भगवती गार्डन के तरुण शेट्टी उर्फ माया के रूप में हुई है। आरोपित के तीन साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त बृजेंद्र सिंह ने बताया कि स्पेशल स्टाफ को पता लगा था कि बुधवार को माया रोहिणी के जी3एस माल के पास आने वाला है।

इसके बाद जिला स्पेशल स्टाफ के एसीपी रिछपाल सिंह के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। टीम ने जाल बिछाकर आरोपित को माल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार जुलाई में द्वारका के नवादा इलाके में डेविड उर्फ जतिन मलिक, माया, अजरुन, और सौरव ने एक व्यक्ति का अपहरण कर लिया था। उसकी पिटाई की थी व उसको छोड़ने के लिए एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। इसके बाद शिकायतकर्ता के भाई ने पांच लाख रुपये देकर उसे छुड़वाया था। आरोपितों ने कहा था कि इस बारे में अगर किसी को बताया तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

कुछ दिन बाद डेविड ने फोन कर और पैसों की मांग की। 17 जुलाई को आरोपितों ने फिर से फोन कर सात लाख रुपये की मांग की, लेकिन इस बार पीड़ित ने पुलिस थाने में मामला दर्ज करवा दिया था। इसके बाद पुलिस ने डेविड, सौरव व अजरुन को गिरफ्तार कर लिया था। तब से माया फरार चल रहा था व पुलिस के चंगुल से बचकर निकल रहा था। जो बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, हरि नगर इलाके में महिला को लिफ्ट देकर सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान बबलू व सागर के रूप में हुई। बता दें, महिला सागरपुर इलाके में पति से झगड़ा होने के बाद उत्तम नगर में रहने वाले अपने रिश्तेदार के घर जाने के लिए निकली थी। रास्ते में आरोपितों ने महिला को लिफ्ट दिया और निहाल विहार इलाके में सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

केजरीवाल सरकार ने केंद्र से की मांग, देश के अन्य निगमों की तरह ही दिल्ली नगर निगमों को भी फंड दे केंद्र सरकार

कोरोना के कारण हुए लॉकडाउन से दिल्ली सहित सभी राज्यों की आर्थिक व्यवस्था पर पड़ा असर, जीएसटी कंपनसेशन को आगे बढ़ाए केंद्र सरकार : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

पिछले 21 साल से केंद्रीय टैक्स में से दिल्ली को मिलता रहा है सिर्फ 325 करोड़ रुपए, केंद्र करे इसमें बढ़ोतरी : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने केंद्र से मांग की है कि देश के अन्य निगमों के लिए आवंटित फंड में से केंद्र सरकार दिल्ली के नगर निगमों को भी फंड मुहैया करे। दिल्ली नगर निगमों पर यह जिम्मेदारी है कि वो देश के राजधानी दिल्ली को साफ सुथरा रखें, चमका कर रखें। राजधानी किसी देश के चेहरे की तरह होती है लेकिन आज दिल्ली के नगर निगम फंड की कमी से जूझ रहे हैं। इसलिए केंद्र सरकार जिस तरह से देश के अन्य नगर निगमों को फंड मुहैया कराती है वैसे ही दिल्ली नगर निगमों को भी फंड मुहैया करे। ये बातें दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय बजट पहले देश भर के वित्त मंत्रियों की बुधवार को आयोजित बैठक में कही।उन्होंने इस बैठक में दिल्ली की 6 महत्वपूर्ण मांगें रखी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के कारण हुए लॉकडाउन से दिल्ली सहित सभी राज्यों की आर्थिक व्यवस्था पर भारी असर पड़ा है इसलिए केंद्र सरकार जीएसटी कंपनसेशन को आगे बढ़ाए. साथ ही पिछले 21 साल से केंद्रीय टैक्स में से दिल्ली को सिर्फ 325 करोड़ रुपए मिलता रहा है अब जरुरत है कि केंद्र सरकार इसमें बढ़ोतरी करे। उन्होंने कहा कि आज से 21 साल पहले सेंट्रल असिस्टेंस दिल्ली के बजट का 5.14 हुआ करता था जो अब घटकर 0.9 फीसदी हो गया है। उन्होंने कहा कि हमने गृह मंत्री को अलग से पत्र लिखकर दिल्ली को 1925 करोड़ की केंद्रीय सहायता मुहैया करने का अनुरोध किया है। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली को फंड आवंटन में व्यापक विसंगतियां हैं उसे केंद्र सरकार दूर करे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण को दूर करने के लिए केजरावाल सरकार की ई- वेहिकल पॉलिसी लेकर आई है। लेकिन ये तभी सफल होगी जब हम ज्यादा से ज्यादा चार्जिंग प्वाइंट बनाएंगे। लेकिन दिल्ली सरकार के पास जमीन नहीं है। जमीन डीडीए के पास है। तो इसमें केंद्र सरकार मदद करे और डीडीए चार्जिंग प्वाइंट बनाए। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था में अच्छा योगदान दे रही है। 2020-21 में करंट प्राइसेस पर दिल्ली की जीएसडीपी नेशनल जीडीपी का 4.04 परसेंट रहा है। जबकि दिल्ली की आबादी देश की आबादी का 1.49 फीसदी है। राज्य सरकार की मार्केट फ्रेंडली नीति, हेल्थ और एजुकेशन जैसे सोशल सेक्टर में इन्वेस्टमेंट की वजह से दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय में भी काफी सुधार हुआ है। इस वक्त दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 3 लाख 54 हजार रुपए है। जो कि राष्ट्रीय औसत का 3 गुना है। इसमें सरकार की बहुत सारी नीतियों का स्टार्टअप पॉलिसी और इन सब का योगदान रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की तीनों एमसीडी देश की राजधानी दिल्ली में साफ सफाई सहित लोकल हैल्थ और प्राइमरी एजुकेशन का काम देखती है। 15वें फाइनेंस कमिशन में केंद्र सरकार ने लोकल बॉडीज को देने के लिए 2021 से 2026 के बीच में 4 लाख 36 हजार करोड रुपए रखा है। उन्होंने कहा कि अब तक इसमें दिल्ली नगर निगमों को शामिल नहीं किया गया है।

इस फंड वितरण में दिल्ली के नगर निगमों को भी शामिल किया जाए क्योंकि दिल्ली नगर निगमों की आर्थिक हालत ठीक नहीं है। दिल्ली को लेकर एक बड़ी नीतिगत विसंगति है उसे दूर करने की जरुरत है। जब केंद्र सरकार से पैसे लेने की बारी आती है तो केंद्र सरकार दिल्ली को फाइनेंस कमिशन में पैसा नहीं देती है. ये तर्क दिया जाता है कि दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है इसलिए फाइनेंस कमिशन से पैसा नहीं दिया जा सकता। लेकिन जब राज्य सरकार से फाइनेंस कमीशन के तहत नगर निगमों को पैसा देने की बारी आती है तो कहा जाता है कि आप राज्य हो, आपको पैसा देना ही होगा। इस विसंगति को ठीक किया जाए और केंद्र दिल्ली के नगर निगमों को भी अन्य निगमों की तरह ही पैसा दे। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि जब जीएसटी लागू हुआ था तो प्री जीएसटी स्कीम में हर राज्य अपनी-अपनी चुनौतियों के अनुसार टैक्स को लेकर, बजट को लेकर या रिवेन्यू को लेकर कड़े या नरम फैसले लेता था। अब ये फैसले सामूहिक रुप से लिए जाते हैं।

इसमें कई बार बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कोविड-19 वजह से, लाकडाउन की वजह से व्यापार ठप्प रहा। दिल्ली में तो पोलूशन की वजह से भी लाकडाउन का सामना करना पड़ जाता है। तो इन सबको देखते हुए अगर जीएसटी कंपनसेशन आगे नहीं बढ़ाया गया तो निश्चित रूप से सभी राज्यों के लिए सरकारें चलाना मुश्किल होगा । जब जीएसटी लागू हो रही थी तो उस वक्त की परिस्थिति में यह तय कर लिया गया था कि 5 साल में सब कुछ ठीक हो जाना चाहिए लेकिन इसके बाद के हालात अच्छे नहीं रहे। पर क्योंकि वे सामूहिक सोच थी, सामूहिक चिंतन था कि 5 साल में अच्छा हो जाएगा।

दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों के बाहर लगातार दूसरे दिन भी दिखीं लंबी कतारें

नई दिल्ली (एजेंसी) कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिये प्राधिकारियों द्वारा नयी पाबंदियां लगाए जाने के बाद दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों के बाहर बृहस्पतिवार सुबह लगातार दूसरे दिन यात्रियों की लंबी-

लंबी कतारें देखी गई। इस बीच, नववर्ष की पूर्व संध्या पर यात्रियों के जमावड़े की आशंका के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों ने उस दिन, रात नौ बजे के बाद राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से यात्रियों की निकासी बंद करने का निर्णय लिया है।

प्रत्येक वर्ष लोग नववर्ष मनाने के लिये दिल्ली का दिल कहे जाने वाले कनॉट प्लेस में बड़ी संख्या में जमा होते हैं और राजीव चौक मेट्रो स्टेशन कनॉट प्लेस से सटा है। हालांकि दिल्ली में कोविड पाबंदियों और रात 11 बजे से रात्रि कर्फ्यू प्रभावी होने के चलते इस बार जमावड़ा कम लगने की उम्मीद है। डीएमआरसी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, ÷नए साल की पूर्व संध्या पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए, राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर रात 9 बजे से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, स्टेशन पर अंतिम ट्रेन के प्रस्थान तक यात्रियों के प्रवेश की अनुमति होगी। यात्रियों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपनी यात्रा की योजना इसी हिसाब से बनाएं।÷ बुधवार को लक्ष्मी नगर, अक्षरधाम सहित अन्य स्टेशनों के बाहर यात्रियों की लंबी कतारें देखी गई थीं। कई लोगों ने स्टेशनों के बाहर की ऐसी कतारों की तस्वीरें फेसबुक और ट्विटर पर साझा कीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के मामलों में एक दिन में सबसे अधिक 180 मामलों की वृद्धि देखी गई, जिससे देश में इस स्वरूप के मामलों की कुल संख्या 961 हो गई। दिल्ली में ओमीक्रोन के सबसे अधिक 263 मामले सामने आए हैं।

ओमिक्रोन से घबराने की नहीं, बल्कि सावधानी बरतने की जरूरत है, सभी लोग मास्क लगाएं : सत्येंद्र जैन

रणवीर गहलोत. ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि ओमिक्रोन से घबराने की नहीं, बल्कि सावधानी बरतने की जरूरत है। सभी लोग मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले ओमिक्रोन वेरिएंट कम घातक प्रतीत हो रहा है। इसमें मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने की ज़रूरत नहीं पड़ रही है।

अभी तक ओमिक्रोन के किसी भी मरीज़ को ऑक्सिजन सपोर्ट की आवश्यकता नहीं पड़ी है। उन्होंने कहा कि जिनोम सीक्वेंसिंग से पता लगा है कि दिल्ली में कोरोना पॉजिटिव आ रहे 54 फीसदी मामले ओमिक्रोन वेरिएंट से सम्बंधित है। दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती 200 मरीजों में से केवल 102 दिल्ली के रहने वाले लोग हैं, बाकी 98 दिल्ली से बाहर के हैं। फ़िलहाल सभी ओमिक्रोन के मरीजों को दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती किया गया है। दिल्ली सरकार ने 4 जगहों पर (टेरपंथ भवन, सरदार पटेल कोविड केयर सेन्टर, कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज और आईबीआईएस होटल) स्टेप-डाउन कोविड केयर सेंटर खोलने का फैसला लिया है। दिल्ली सरकार लगातार बढ़ रहे मामलों पर पैनी नज़र बनाए हुए है। विशेषज्ञों की टीम लगातार हालात की जानकारी दिल्ली सरकार के साथ साझा कर रही है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को प्रेस को संबोधित कर कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रोन पर दिल्ली की स्थिति पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कोरोना के मामले तेज़ी से बढ़े हैं। जीनोम सिक्वेन्सिंग की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में जो लोगो कोरोना पॉज़िटिव आ रहे हैं उनमें से 54 फीसदी मामले ओमिक्रोन के हैं।

इस 54 फीसदी मामलों में दोनों शामिल हैं, जिनकी ट्रैवल हिस्ट्री है और जिनकी ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है वे भी। इसका मतलब दिल्ली में अब कम्यूनिटी स्प्रेड होने की संभावना बढ़ती हुई नज़र आ रही है। उन्होने बताया कि डीडीएमए की मीटिंग में शामिल एक्स्पर्ट्स के मुताबिक डेल्टा वेरिएंट के मुक़ाबले ओमिक्रोन वेरिएंट कम घातक प्रतीत हो रहा है। इसमें मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने कि ज़रूरत नहीं पड़ रही है। अस्पताल में भर्ती मरीजों में से किसी भी मरीज को फिलहाल ऑक्सीजन लगाने की जरूरत नहीं पड़ी है और ज्यादातर मरीजों में मामूली लक्षण ही मिले हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं लग रही है।

इसलिए दिल्ली सरकार ने 4 जगहों (तेरापथ भवन, सरदार पटेल कोविड केयर सेन्टर, कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज अक्षरधाम और आईबीआईएस होटल) पर स्टेप-डाउन कोविड केयर सेंटर खोलने का फैसला लिया है। स्टेप डाउन कोविड केयर सेंटर का इस्तेमाल तब किया जाता है, जब मरीज को कुछ दिन अस्पताल में रखने के बाद मरीज का स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। तब उसे अस्पताल की जरूरत नहीं होती। इसके बाद उसे स्टेप-डाउन कोविड केयर सेंटर में भेजा जाता है। जहां स्वास्थ्य कर्मी उसकी देख-रेख करते हैं।

घर से बाहर नहीं मनेगा नये साल का जश्न, कोविड के चलते रहेगी सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी) नव वर्ष के मौके पर देर रात तक जश्न मनाने वाले लोग इस बार घर से बाहर नहीं निकल पाएंगे। नाईट कर्फ्यू के चलते रात 10 बजे के बाद दिल्ली की सड़कों पर निकलना मना है। उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस द्वारा सख्त एक्शन लिया जाएगा।

दिल्ली सरकार और पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नव वर्ष के मौके पर वह घरों से बाहर न निकलें। घर में ही रहकर परिवार के साथ जश्न मनाएं। जानकारी के अनुसार, नव वर्ष की पूर्व संध्या के मौके पर दिल्ली में अलग-अलग जगह पर बड़े आयोजन होते हैं। विभिन्न होटलों के अंदर नए साल की पार्टी आयोजित की जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग हिस्सा लेते हैं। दिल्ली के अधिकांश होटल, बार, रेस्टोरेंट आदि नये साल के

मौके पर फूल होते हैं। खासतौर से कनॉट प्लेस के आसपास नये साल पर जश्न मनाया जाता है। यहां पर हजारों की संख्या में लोग जश्न के लिए इक्ट्ठा होते हैं। सेंट्रल पार्क में भी बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं। दिल्ली में कोविड संक्रमण के बढ़ने की वजह से इस वर्ष इस तरह के आयोजन देर रात तक नही चल सकेंगे। नाईट कर्फ्यू के चलते रात 11 बजे से पहले लोगों को घर लौटना होगा। दिल्ली पुलिस के संयुक्त आयुक्त विवेक किशोर ने बताया कि ट्रैफिक नियमों का पालन करवाने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। किसी भी प्रकार का हुड़दंग करने वाले और ट्रैफिक नियमों का पालन न करने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि कोविड को ध्यान में रखते हुए परिवार के साथ घर पर ही जश्न मनाएं। उधर सुरक्षा और नाईट कर्फ्यू को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस सड़कों पर तैनात रहेगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नव वर्ष को लेकर आयोजित होने वाले उन कार्यक्रमों को जाने की अनुमति होगी, जिसे सरकार से अनुमति है।

बिना अनुमति वाले सभी कार्यक्रम और जश्न को रात 11 बजे से पहले ही खत्म किया जाएगा। सभी होटल, रेस्तरां और बार को भी डीडीएमए की गाइडलाइंस से अवगत करवा दिया गया है। इसके बावजूद अगर कोई इसका उल्लंघन करेगा, तो उसके खिलाफ दिल्ली पुलिस द्वारा एक्शन लिया जाएगा।

दिल्ली पुलिस ने ओमिक्रॉन के खिलाफ लड़ाई के लिए कमर कसी

नई दिल्ली (एजेंसी) राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस ने नोवेल कोरोनावायरस के नए स्वरूप ओमिक्रॉन से संभावित लड़ाई लड़ने के लिए कमर कस ली है। विशेष सीपी (कल्याण) शालिनी सिंह ने बुधवार को सभी जिला और इकाई प्रमुखों और अन्य हितधारकों के साथ बैठक की, ताकि ओमिक्रॉन के संभावित सामुदायिक फैलाव के मद्देनजर समग्र तैयारियों की जांच की जा सके।

अधिकारी ने पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य कल्याण पर दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश आशाना द्वारा हाल ही में जारी संशोधित एसओपी का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया। संशोधित एसओपी के तहत, डीसीपी और यूनिट प्रमुखों को नोडल स्वास्थ्य अधिकारी (एनएचओ) के रूप में नामित किया गया है। एनएचओ को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि निरीक्षक या उससे ऊपर के रैंक का कोई अधिकारी व्यक्तिगत रूप से अस्पताल में भर्ती कर्मियों या उनके परिजनों से तब तक मिले जब तक वह फिट नहीं हो जाता।

बाहरी मामले के मामले में,

बीमार व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुनिश्चित की जानी चाहिए। दिल्ली पुलिस के पीआरओ चिन्मय बिस्वाल ने नवीनतम निर्देशों के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा कि रोहिणी और शाहदरा में सभी आठ वेलनेस सेंटर और दो कोविड देखभाल केंद्र किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति के लिए सक्रिय किए जाएंगे।

मरीजों की जान के साथ खिलवाड़, खुद एमसीडी द्वारा अस्पताल की इमारत को खतरनाक घोषित करने के बावजूद जारी है मरीजों का इलाज

किसी भी समय गिर सकती है भाजपा शासित नॉर्थ एमसीडी के राजन बाबू अस्पताल की इमारत : आतिशी

भाजपा शासित नॉर्थ एमसीडी को पैसे की ऐसी भूख है कि उन्होंने मरीजों को मरने के लिए छोड़ दिया है : आतिशी

आदेश गुप्ता बताएं कि आपको दिल्ली के लोगों से इतनी नफरत क्यों है कि आज उन्हें यूँ मरने के लिए छोड़ दिया है : आतिशी

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। 'आप' विधायक आतिशी ने गुरूवार को भाजपा शासित नॉर्थ एमसीडी के राजन बाबू अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि एमसीडी में शासित भाजपा ने दिल्ली के लोगों को मरने के लिए छोड़ दिया है। अस्पताल की हालत जर्जर होने के बावजूद उसमें मरीजों का इलाज चल रहा है। अस्पताल की इमारत पर साफ लिखा है कि यह इमारत खतरनाक है। इमारत की हालत को देखकर साफ अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि वह किसी भी समय गिर सकती है।

आतिशी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता से सवाल किया कि आपको दिल्ली के लोगों से इतनी नफरत क्यों है कि आज आपने उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए पैसे नहीं होते हैं, वही लोग सरकारी अस्पताल में आते हैं।

उनके पास पैसे नहीं हैं तो क्या एमसीडी उन्हें मरने के लिए छोड़ देगी। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने कहा कि आज हम नॉर्थ एमसीडी, जहां पर भाजपा की सरकार है, हम उसके राजन बाबू अस्पताल में आए हैं। अभी हम उसकी इमारत के सामने खड़े हैं, जहां पर स्पष्टतौर पर एमसीडी के स्कूल द्वारा ही लिखा गया है कि यह इमारत खतरनाक है, आगे जाना मना है। आप खुद इमारत की हालत को देख सकते हैं। इमारत जर्जर हालत में है इसलिए उसे खतरनाक घोषित कर दिया गया है। इमारत के यह हालात हैं कि वह किसी भी समय गिर सकती है। और भाजपा शासित एमसीजी के अस्पताल की इसी इमारत में मरीजों को रखा जा रहा है। हम खुद एक वॉर्ड में गए, वहां पर मरीजों का इलाज चल रहा है। आजतक हम सुनते आ रहे थे कि भाजपा शासित एमसीडी में भ्रष्टाचार होता है। वहां पर उगाही होती है।

दिल्ली में गंदगी होती है। पार्किंग की समस्या है, पार्किंग को कोड़ियों के दाम बेच रहे हैं। इन सभी भ्रष्टाचारों के आरोप सुनते आए थे। लेकिन आज इस अस्पताल को देखकर पता चलता है कि भाजपा को पैसे की ऐसी हवस है कि भ्रष्टाचार तो वह पहले ही कर रहे हैं लेकिन उसके अलावा उन्हें कोई सुधबुध नहीं है।

उन्होंने दिल्ली की जनता को मरने के लिए छोड़ दिया है। आज यहां जो मरीज इलाज करा रहे हैं, यदि उन्हें कुछ हो जाए तो? यह इमारत गिर जाए तो? उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में कौन इलाज कराने आता है? आम लोग आते हैं, गरीब लोग आते हैं, जिनके पास प्राइवेट अस्पताल में भर्ती होने के लिए पैसे नहीं हैं। तो क्या हम उनका यह हाल करेंगे कि उनको एक ऐसी इमारत में रख देंगे जो किसी भी समय गिर सकती है, जो इतनी जर्जर हालत में है।

आज न सिर्फ भाजपा शासित एमसीडी में इतना भ्रष्टाचार है बल्कि दिल्ली के लोगों के प्रति उनमें जो नफरत का भाव है, ऐसा लगता है कि वह उनको मरने के लिए छोड़ने के लिए भी तैयार हैं।

मैं भाजपा के नेताओं से, पार्षदों से, प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता जी से आज पूछना चाहूंगी कि आपको दिल्ली के लोगों से ऐसी क्यों नफरत है कि आज आप उन्हें मरने के लिए छोड़ रहे हैं।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

क्या तीसरी लहर लाकर ही मानेंगे हम?

लखनऊ में मंगलवार को केंद्रीय चुनाव आयोग के साथ सभी राजनीतिक दलों की बैठक हुई। एक सुर में इन पार्टियों ने तय वक्त पर चुनाव कराने की बात कही। उनका कहना था कि कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक निर्वाचन कराए जाने चाहिए। यदि चुनाव आयोग को सलाह जंच गई तो पांच प्रदेशों में कोरोना की भयावह सुनामी के दौर का सामना करने को तैयार हो जाइए। दूसरी लहर के दरम्यान कीड़े मकोड़ों की तरह मरे नागरिकों की याद अभी भूली नहीं है, जब उत्तरप्रदेश में कुम्भ से लाखों श्रद्धालू कोरोना का शिकार होकर लौटे थे और अनेक राज्यों में अचानक आंकड़ा बढ़ गया था।

इस धार्मिक जलसे के पहले सप्ताह में ही जांच के बाद पांच हजार से ज्यादा लोग संक्रमित निकले थे। इनमें करीब सौ संत महंत ही थे। एक महामंडलेश्वर भी जान गंवा बैठे थे। भोपाल के एक बड़े महंत की जान भी इसी वजह से गई थी। उनके कई शिष्य संक्रमित हो गए थे। लाखों लोगों के बिना सतर्कता बरते समागम में हिस्सा लेने का खामियाजा हम देख चुके हैं। इसके बाद बंगाल चुनाव में भी गंभीर खतरा था। तृणमूल सरकार ने चुनाव आयोग से रैलियां, रोड शो और भीड़ भाड़ वाले चुनावी आयोजनों पर बंदिश लगाने की मांग की थी। लेकिन तीन चरणों तक उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया गया। अंततः ममता बनर्जी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एकतरफा अपनी रैलियां और सार्वजनिक कार्यक्रम रोक दिए। इसके बाद हम देख रहे हैं कि उत्तर प्रदेश जैसे घनी आबादी वाले राज्य में लाखों लोग सावधानी बरते बिना चुनाव प्रचार में हिस्सा ले रहे हैं। वे न मास्क का इस्तेमाल कर रहे हैं और न सामाजिक दूरी बना कर रख रहे हैं।

> दूसरी लहर के दरम्यान कीड़े मकोड़ों की तरह मरे नागरिकों की याद अभी भूली नहीं है, जब उत्तरप्रदेश में कुम्भ से लाखों श्रद्धालू कोरोना का शिकार होकर लौटे थे और अनेक राज्यों में अचानक आंकड़ा बढ़ गया था। इस धार्मिक जलसे के पहले सप्ताह में ही जांच के बाद पांच हजार से ज्यादा लोग संक्रमित निकले थे। इनमें करीब सौ संत महंत ही थे। एक महामंडलेश्वर भी जान गंवा बैठे थे। भोपाल के एक बड़े महंत की जान भी इसी वजह से गई थी।

कब बदलेगा हमारा रवैया?

विडंबना है कि अभी सारे संसार के वैज्ञानिक, डॉक्टर और शोधकर्ता इस पर माथापच्ची कर रहे हैं कि कोरोना का यह काल चीन की प्रयोगशाला में पैदा हुआ था या नहीं। इस पर निष्कर्ष आना बाकी है, मगर यह तो तय है कि विश्व में इस संक्रमण का विस्तार चीन से ही हुआ था और हिन्दुस्तान के जिन प्रदेशों में चुनाव सिर पर हैं, वे सभी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर हैं।

तीन राज्यों के करोड़ों नागरिक तो एक तरह से चीन की सीमा से सटे हुए ही हैं। हम रैलियों को दोष देते रहें और किसी भयानक साजिश के शिकार हो जाएं तो कोई क्या करेगा? फिर भी जानबूझकर मौत के मुंह में धकेलने की राय सियासी पार्टियां और चुनाव आयोग क्यों बना रहे हैं? हालांकि आयोग ने अब तक कोई निर्णय नहीं सुनाया है, मगर सारे दल और प्रशासन पक्ष में हों तो कोई भी आयोग क्या करेगा? अब टीएन शेषन जैसा अवतारी मुख्य चुनाव आयुक्त दोबारा नहीं आएगा।

चुनाव आयोग का फैसला और संकट?

यह आशंका भी जताई जा रही है कि चुनाव आयोग संवैधानिक प्रावधानों की दुहाई देकर निर्धारित तारीखों में चुनाव कराने का फैसला ले सकता है। तो विनम्रतापूर्वक निवेदन है कि भारतीय संविधान असाधारण परिस्थितियों में चुनाव टालने की अनुमति भी देता है। जंग की स्थिति में, आंतरिक अशांति या संकट के दरम्यान भी चुनाव टालने का प्रावधान है। इसी बरस कोरोना के चलते आयोग ने कुछ उप चुनाव तथा राज्यसभा चुनाव टाले भी हैं। भोपाल गैस त्रासदी के समय भी निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव टाला गया था। इसके बाद अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने के बाद अशांति के चलते विधानसभा चुनाव टाले गए थे। मध्यप्रदेश में तो सब कुछ शांत और सामान्य हो गया था। फिर भी कई बार किश्तों में राष्ट्रपति शासन राज्य में लगाया जाता रहा। यानी संविधान की दुहाई देकर जबरन चुनाव थोपना अवाम के साथ नाइंसाफी है।

लोकतंत्र करोड़ों हिन्दुस्तानियों ने रचा है। संविधान भारतीयों ने बनाया है। केंद्रीय चुनाव आयोग की रिपोर्टिंग उन भारतीयों के प्रति है, किसी सियासी दल या सरकार के प्रति नहीं। वैसे सियासी पार्टियों के चुनाव समय पर कराने की राय के पीछे की कहानी छिपी नहीं है। वे अब तक करोड़ों रूपए प्रचार अभियान पर फूंक चुकी हैं। चुनाव टालने पर वे मिटटी में मिल जाएंगे। इसके अलावा पक्ष और प्रतिपक्ष के अपने अपने सोच हैं। विपक्ष का ख्याल है कि यह समय बीजेपी को सत्ता से बाहर करने का श्रेष्ठतम अवसर है और पक्ष यानी भारतीय जनता पार्टी का विचार है कि बीते महीनों से प्रधानमंत्री अपनी धुआंधार रैलियों से उसके पक्ष में मानस बना चुके हैं।

हिन्दुतत्व बनाम विपक्ष के राजनीति का पिच

जावेद अनीस

किसी भी चुनाव के दौरान विपक्षी पार्टियाँ सत्ताधारी दल को हटाकर सत्ता हासिल करने के इरादे से चुनाव लड़ती हैं लेकिन ऐसा लगता है कि मौजूदा दौर में भाजपा के खिलाफ खड़े नजर आ रहे प्रमुख सियासी दल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रमुख विपक्ष दल के मुकाबले के लिए कमर कस रहे हैं. दरअसल साल 2014 में भाजपा के भारतीय राजनीति की केंद्रीय ताकत के रूप में स्थापित हो जाने के बाद से इस बात का फैसला तो हो चुका है कि आने वाले कुछ दशकों के लिए भारतीय राजनीति में सत्तधारी दल का चरित्र कैसा होगा लेकिन अभी यह फैसला होना बाकी है कि इस दौरान विपक्षी पार्टियों का मूल चरित्र और उनके राजनीति का पिच कैसा रहने वाला है। साल 2014 से पहले यह मामला सेटेल था. कांग्रेस आजादी के बाद से भारतीय राजनीति के केंद्र में थी और भारत में पक्ष और विपक्ष की चुनावी राजनीति कमोबेश नेहरु-गांधीवादी आदर्शों और कांग्रेस के मध्यमार्गी तौर-तरीकों से संचालित होती थी।

लेकिन अब मामला पलट गया है, वर्तमान में भारत की राजनीति उस हिंदुत्व के पथ पर अग्रसर है जिसकी प्रस्तावना सावरकर द्वारा दी गयी थी. 2014 के बाद बने इस नये सेटेलमेंट में सबसे बड़ी रूकावट कांग्रेस पार्टी है, जो पुराने भारत (1947 से 2014 तक) के राजनीतिक विरासत की स्वभाविक और अनिच्छुक दावेदार है। इसी स्वभाविक दावेदारी की वजह से भाजपा और संघ परिवार कांग्रेस को अपने लिए एक वैचारिक चुनौती के तौर पर देखते हैं जबकि अपने इस विरासत के प्रति कांग्रेस का अनिच्छुकपन दूसरी विपक्षी पार्टियों को उसकी जगह भरने के लिए प्रोत्साहन का काम कर रहा है लेकिन समस्या यह है कि दूसरी विपक्षी पार्टियों के पास यह विरासत नहीं है और लेफ्ट को छोड़ अधिकतर के पास अपनी कोई ठोस विचारधारा भी नहीं है ऐसे में उनके पास भाजपा के राजनीतिक पिच पर अपनी राजनीति सजाने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं है. संख्याबल के हिसाब से देखा जाये तो भारत के राजनीति में विपक्ष अधिकतर समय कमजोर रहा है लेकिन इसके बावजूद इतना निष्प्रभावी कभी नहीं रहा. मौजूदा दौर में विपक्ष, विचारधारा के मामले में आत्मसमर्पण कर चुका है. अब वे या तो सत्ताधारी पार्टी के पिच हिंदुत्व पर खेलने को मजबूर है या विचाराधारहीन है. इसी वजह से कई विपक्षी दलों की राजनीति भी प्रशांत किशोर

जैसे लोगों के आउटसोर्सिंग पर निर्भर होती जा रही है. वर्तमान में भाजपा विरोधी विपक्ष को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं जिसमें एक साईलेंट है और दूसरा मुखर है।

सायलेंट विपक्ष में नवीन पटनायक, जगन मोहन रेड्डी, के. चंद्रशेखर राव, मायावती की बहुजन समाज पार्टी और स्वर्गीय जयललिता की एआईएडीएमके जैसी पार्टियाँ शामिल हैं जो जरूरत पड़ने पर कभी भी भगवा खेमे को मदद कर सकती हैं. मुखर विपक्ष में कांग्रेस पार्टी, वामपंथी दल, आम आदमी पार्टी,ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस,डीएमके, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियाँ शामिल हैं, इधर कुछ समय से शिवसेना जैसी हिन्दुत्ववादी पार्टी भी भाजपा के खिलाफ काफी मुखरता से सामने खड़ी दिखाई पड़ रही है. भाजपा के खिलाफ इस मुखर विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि पिछ्ले सात सालों के दौरान इनकी विश्वसनीयता पर लगातार हमला किया गया है और इस काम में सत्ताधारी खेमे और उसके समर्थक समूहों जिसमें मीडिया का एक बड़ा वर्ग भी शामिल है की भूमिका साफ़-तौर पर देखी जा सकती है जिनके द्वारा हर बात के लिए विपक्ष खासकर कांग्रेस को घेरने और इसका सारा ठीकरा उसके सत्तर सालों के कामकाज पर फोड़ने का काम बहुत सधे हुए तरीके से किया गया है।

इसी प्रकार से प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार द्वारा किये गये कामों को किसी भी सवाल और जवाबदेही से परे स्थापित करने की कवायद भी की गयी है और इसपर विपक्ष के हर विरोध को गन्दी राजनीति, राष्ट्रहित में बाधक और कभी-कभी तो देशद्रोही कदम के तौर पर पेश किया जाता है. लेकिन विपक्षी पार्टियों की सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक और सावर्जनिक विमर्श में हिंदुत्व और बहुसंख्यकवादी विचारधारा के निर्णायक बढ़त और वर्चस्व से है जिसकी वजह से आज कांग्रेस से लेकर तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी जैसे मुखर विपक्षी दलों की राजनीति हिन्दू बनाम हिंदुत्व के बहस में उलझी नजर आती है. इन पार्टियों के सामने भाजपा के आक्रमक हिंदुत्व के मुकाबले नरम हिंदुत्व के अलावा कोई और हथियार नजर नहीं आ रहा है। अपने विरासत के चलते कांग्रेस पार्टी का आज भी भारतीय राजनीति में एक खास मुकाम है और इसी वजह से अपनी तमाम कमजोरियों के बावजूद कांग्रेस आज भी विपक्ष की राजनीति का केंद्र बनी हुयी है. 2014 में सत्ता से हटने के बाद कांग्रेस लगातार कमजोर होती गयी है, लेकिन 2019 में राहुल गाँधी के के पार्टी अध्यक्ष पद से हटने के बाद से तो कांग्रेस आत्मविनाशी मुद्रा में नजर आ रही है. ऐसे में भाजपा के खिलाफ प्रमुख विपक्षी दल के तौर पर उसकी जगह लगातार कमजोर होती गयी है. आज की तारीख में कोई ठेठ कांग्रेसी भी यह दावा करने के स्थिति में नहीं है कि आने वाले लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस भाजपा को चुनौती देने में सक्षम है. इसलिये पिछ्ले सात वर्षों के दौरान कुछ मजबूत सूबाई क्षत्रप विपक्ष के तौर पर कांग्रेस के इस स्पेस को भरने की कोशिश कर चुके हैं जिसमें नितीश कुमार और अरविन्द केजरीवाल प्रमुख हैं. अब पश्चिम बंगाल में तीसरी बार चुनाव जीतने के बाद ममता बनर्जी इस दिशा में बहुत गंभीरता से प्रयास करती हुयी नजर आ रही हैं और इस काम में उनकी मदद कर रहे हैं चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर. ममता बनर्जी स्वाभाविक रूप से लगातार कमजोर होती जा रही कांग्रेस को अपने लिए एक सम्भावना के तौर पर देख रही हैं और खुद को राष्ट्रीय स्तर पर नरेंद्र मोदी के विकल्प के रूप में पेश करने की तैयारी कर रही हैं।

इसके लिए वे अपनी पार्टी को अखिल भारतीय स्वरूप देने की कोशिश कर रही हैं जिसके लिए वे देशभर में नये, पुराने नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर रही हैं जिनमें अधिकतर कांग्रेसी हैं. ममता बनर्जी का लक्ष्य आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी से अधिक सीटें जीतना हैं जिसमें कम से कम पन्द्रह से बीस सीटें पश्चिम बंगाल से बाहर की हों. अगर वे ऐसा करने में कामयाब हो जाती हैं तो कांग्रेस के मुकाबले प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उनकी दावेदारी बहुत मजबूत हो जायेगी. इसलिये 2024 के लोकसभा चुनाव तक उनकी कुल जमा रणनीति कांग्रेस पार्टी को और अधिक कमजोर बनाने की होगी. इसलिये पिछ्ले कुछ समय से ममता बनर्जी और उनके चुनावी मैनेजर प्रशांत किशोर लगातार कांग्रेस पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं. इसकी शुरुआत तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुखेंदु शेखर रॉय के उस बयान से हुई थी जिसमें उन्होंने कहा था कि इस बात का अनंतकाल तक इंतजार नहीं किया जा सकता है कि कांग्रेस पार्टी आगे आए और भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन बनाए।

निःस्वार्थ जनसेवा के महानायक बने शिक्षाविद् प्रोफेसर अच्युत सामंत

ओपन सर्च. संवाददाता

2021वर्ष को प्रेमवर्ष के रुप में मनाने वाले प्रोफेसर अच्युत सामंत आज निःस्वार्थ जनसेवा के महानायक बन चुके हैं। कोरोना संक्रमणकालः 2020 और 2021 में जनसेवा और लोकसेवाकर वे ओडिशा की धरती के सच्चे देवदूत बन चुके हैं। यह बात उनके गत वर्षः 2021 के समस्त कीट-कीस-कीम्स समेत उनके समस्त निःस्वार्थ जनसेवा तथा लोकसेवा के कार्यों की समीक्षा करने से स्पष्ट होती है।

सच्चे मानवतावादी, गांधीवादी और उदारवादी प्रोफेसर अच्युत सामंत ओडिशा प्रदेश की स्मार्ट सिटी राजधानी भुवनेश्वर स्थित कीट-कीस दो विश्वविख्यात शैक्षिक संस्थानों के प्राणप्रतिष्ठाता तथा कंधमाल लोकसभा के सांसद हैं। प्रोफेसर अच्युत सामंत का कीट डीम्ड विश्वविद्यालय अगर एक कारपोरेट है तो उनका कीस डीम्ड विश्व विद्यालय(विश्व का प्रथम आदिवासी आवासीय डीम्ड विश्वविद्यालय) वास्तविक कारपोरेट सामाजिक दायित्व है। वैश्विक महामारी कोरोना के दोनों चरणों(2020-2021) में उनके निःस्वार्थ की भूमिका न केवल उल्लेखनीय बल्कि सराहनीय, प्रशंसनीय तथा अनुकरणीय भी रही। कोरोना संक्रमण के पहले चरण में ओडिशावासियों को बचाने में प्रोफेसर अच्युत सामंत ने मार्च, 2020 से लेकर दिसंबर, 2020 तक तथा जनवरी, 2021 से लेकर दिसंबर, 2021 तक ओडिशा की धरती के एक देवदूत बनकर जिस प्रकार सेवा का कार्य किया वह वास्तव में न भूतो न भविष्यत-वाली बात सिद्ध हुई। ओडिशा सरकार की अनुमति से उन्होंने सभी अत्याधुनिक मेडिकल संसाधनों से युक्त भारत में प्रथम निजी अस्पताल कीम्स कोविड-19 अस्पताल खोला। ओडिशा में तीन-तीन जिला कोविड-19 अस्पताल खोले।

उन कोविड-19 अस्पतालों में कीम्स की ओर से दक्ष डाक्टर,नर्स तथापारामेडिकल स्टाफ तैनात किया। अपने द्वारा स्थापित विश्व के प्रथम आदिवासी आवासीय विद्यालय कीस के कुल लगभग तीस हजार आदिवासी बच्चों को उनके पैतृकगृह गांव में प्रतिमाह सूखा राशन, ड्राईफ्रुट, पाठ्य-पुस्तकं तथा समस्त शैक्षिक संसाधन आदि अपनी ओर से उपलब्ध कराया। अपने द्वारा स्थापित कलिंग ओडिया क्षेत्रीय चैनेल के माध्यम से उन बच्चों के लिए नियमित आनलाइन कक्षाएं आयोजित कराई।

2021 के कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में भी कीस के आदिवासी बच्चों के साथ-साथ कोरोना योद्धाओं, कोरोना मरीजों,जरुरतमंदों को ओडिशा के कंधमाल समेत अलग-अलग जिलों में पका भोजन,सूखा राशन तथा अन्य राहत सामग्रियां अपनी ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई। मंदिर के पूजकों, साधु-संन्यासियों, अनाथालयों, नेत्रहीनों तथा विधवाओं आदि को भी राहत सामग्रियां उपलब्ध कराई। कोरोना

संक्रमणकाल में आवारा पशुओं, कुत्तों, बन्दरों को भी नियमित भोजन उपलब्ध कराया।अपने संसदीय क्षेत्र कंधमाल को आदर्श संसदीय क्षेत्र विकसित करने में जुटे सांसद प्रोफेसर अच्युत सामंत ओडिशा के अविभाजित कटक जिले के कलराबंक गांव में जनवरी,1965 में जन्मे प्रोफेसर अच्युत सामंत घोर आर्थिक संकट रुपी कीचड से उत्पन्न ऐसे कमल हैं जिनके यशस्वी तथा तेजस्वी व्यक्तित्व की खुशबू को पूरी दुनिया अपना रही है।

उनके वास्तविक जीवन-दर्शनःआर्ट आफ गिविंग को सारा विश्व स्वेच्छापूर्वक प्रतिवर्ष 17मई को मना रहा है। वैश्विक महामारी कोरोना काल में भी पूरे विश्व ने प्रोफेसर अच्युत सामंत को अपना-अपना रोल मॉडल मानकर यह दिवस मनाया।सरल, सहज, आत्मीय, मृदुल तथा मिलनसार स्वभाव के धनी प्रोफेसर अच्युत सामंत सदा दूसरों की मदद करने में विश्वास करते हैं। वे पूरी तरह से आध्यात्मिक जीवन जीते हैं। वे संतों के संत हैं।

आदिवासी समुदाय और उनके बच्चों के लिए जीवित मसीहा बन चुके हैं। इसीलिए प्रोफेसर सामंत तथा उनके द्वारा स्थापित कीट-कीस-कीम्स को देखने के लिए पूरे विश्व से सैकडों नामी शिक्षाविद्, आध्यात्मिक धर्मगुरु, वैज्ञानिक, नोबेल पुरस्कार विजेता, राजनेता, राजनयिक, समाजसेवी, कारपोरेट जगत के भामाशाह, होनहार युवा, शोधकर्ता, खिलाडी, फिल्मी हस्तीगण तथा फिल्मनिर्मातागण भुवनेश्वर आते हैं। 1987 में उत्कल विश्वविद्यालय से रसायनविज्ञान में एम.एस.सी. करने वाले तथा सामाजिक विज्ञान में डाक्टरेट करने वाले प्रोफेसर अच्युत सामंत ने मात्र 22साल की उम्र से ही अध्यापन का कार्य आरंभ किया जिनके पास आज कुल 33 वर्षों का लंबा शिक्षण का अनुभव है। वे कीट डीम्ड विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के सबसे कम उम्र के संस्थापक कुलाधिपति हैं। विश्व के प्रथम आदिवासी आवासीय कीस डीम्ड विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के संस्थापक कुलाधिपति हैं।

वे 2018-19 में राज्यसभा के बीजू जनतादल सांसद मनोनीत हुए। उसके उपरांत कंधमाल लोकसभा बीजू जनतादल सांसद निर्वाचित हुए।अपने बाल्यकाल में अनाथ, गरीब, बेसहारा बालक अच्युत सूखे पत्ते बटोरने में अपनी मां की मदद करके तथा अपनी विधवा मां को अपना पहला गुरु मानकर लीफ टेकर से भारतीय संसद में नीति-निर्धारक असाधारण व्यक्तित्व बन चुके हैं। टोकियो ओलंपिक में कीट की ओर से तीन ओलंपियन भेजने वाले प्रोफेसर अच्युत सामंत ने कीट-कीस परिसर में समस्त अत्याधुनिक खेल संसाधनों से युक्त अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनेक खेल स्टेडियम बना रखा है जहां पर प्रतिदिन कोई न कोई गेम अवश्य ओयोजित होता है।

10 अक्तूबर, 2021 प्रोफेसर अच्युत सामंत के जीवन का एक यादगार दिन सिद्ध हुआ जब भारतीय संस्कृति सम्वर्द्धक ट्रस्ट, संदीपनि विद्यानिकेतन, पोरबन्दर, गुजरात ने अपने अनोखे कार्यक्रम- सर्विस टू सोसायटी कार्यक्रम में -विश्व विख्यात रामायणी परम संत परमपाद भाईश्री रमेशभाईजी ओझा के कर-कमलों द्वारा उन्हें पुरस्कृत किया गया।

अपनी प्रतिक्रिया में प्रोफेसर अच्युत प्रोफेसर अच्युत सामंत ने बताया कि उनके विदेह जीवनयापन का मूलमंत्र- मानव-सेवा ही माधव सेवा है। उनकी निःस्वार्थ संवाओं के लिए 2015 में उन्हें बहरीन का सर्वोच्च शांति नागरिक सम्मान गुस्सी सम्मान प्रदान किया गया। 1970 से सच्चे मानवतावादी हैं प्रोफेसर अच्युत सामंत। 2018 के बाद से उन्होंने कीट-कीस-कीम्स के माध्यम से असाधारण तरक्की की है।

कश्मीर, कश्मीरियत और जनसमस्याएं

कमलेश पांडेय

कश्मीर की बात तो सब करते हैं लेकिन क्या कश्मीर और कश्मीरियों की समस्याओं को जानते भी हैं? बता रहे हैं प्रभासाक्षी डॉट कॉम के संपादक नीरज कुमार दुबे... कश्मीर की बात तो सब करते हैं लेकिन क्या कश्मीर और कश्मीरियों की समस्याओं को जानते भी हैं? कश्मीर पर बोलना तो हर कोई चाहता है लेकिन कश्मीर को समझना है तो पहले कश्मीरियों को समझना होगा, उनके मन के भीतर झांकना होगा। हालिया कश्मीर यात्रा के दौरान अनेक कश्मीरियों से सीधे संवाद के दौरान मैंने जाना कि कश्मीरी चाहते क्या हैं, कश्मीरी सोचते क्या हैं। जम्मू-कश्मीर की शांति भंग करने के लिए पाकिस्तान लगातार प्रयास करता रहता है लेकिन इन प्रयासों को विफल करने के लिए हमारे सुरक्षा बल पूरी तरह मुस्तैद रहते हैं। भारत के इस खूबसूरत राज्य पर कुदरत ने भले अपना पूरा प्यार उड़ेल रखा हो, लेकिन कुछ स्वार्थी तत्व इसकी छवि नकारात्मक बनाये रखना चाहते हैं। यही कारण है कि इस राज्य की छवि के साथ आतंकवाद और हिंसा का ठप्पा ऐसे लगाया गया है कि वह सबके दिलो दिमाग पर छप-सा गया है। देखा जाये तो कश्मीर में लगभग सभी चीजें सकारात्मक ही सकारात्मक हैं, नकारात्मक अगर हैं तो सिर्फ मीडिया की खबरें। कश्मीर में अगर एक मुठभेड़ हो जाये तो वह मीडिया की सुर्खियां बन जाती है, ऐसे दर्शाया जाता है कि कश्मीर में बस मुठभेड़ ही मुठभेड़ हो रही है या चारों ओर सिर्फ आतंकवाद ही आतंकवाद फैला है। लेकिन कश्मीर में अगर डल झील इतिहास में पहली बार सबसे ज्यादा साफ नजर आ रही है तो वह कभी खबर नहीं बनती। कश्मीर में अगर सड़कों का तेजी से चौड़ीकरण हो रहा है या गांवों में सड़कों का जाल बिछ रहा है तो यह खबर कहीं पढ़ने को नहीं मिलेगी।

कश्मीर में अगर प्रशासन में इस समय सर्वाधिक पारदर्शिता नजर आ रही है तो यह खबर कहीं पढ़ने को नहीं मिलेगी। कश्मीर में किसी विकास परियोजना से उस क्षेत्र की आबादी को बड़ा लाभ हो रहा है या होने वाला है तो वह खबर आपको कहीं नहीं मिलेगी। प्रतिशत के हिसाब से देखें तो इस समय आतंकवाद कश्मीर की मुख्य समस्या है ही नहीं, वहां की मुख्य समस्या है बेरोजगारी। कश्मीर की असल पहचान आतंकवाद नहीं वहां की प्राकृतिक खूबसूरती है, कश्मीर की असल पहचान आतंकवाद नहीं वहां के लोगों की बेहतरीन मेहमाननवाजी है। कश्मीर की पहचान आतंकवाद नहीं वहां के लोगों की भारत भक्ति है।

योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियां

कश्मीर पर बोलना तो हर कोई चाहता है लेकिन कश्मीर को समझना है तो पहले कश्मीरियों को समझना होगा, उनके मन के भीतर झांकना

होगा। हालिया कश्मीर यात्रा के दौरान अनेक कश्मीरियों से सीधे संवाद के दौरान मैंने जाना कि कश्मीरी चाहते क्या हैं, कश्मीरी सोचते क्या हैं। अनुच्छेद 370 हटने के बाद भले केंद्र सरकार की ओर से यहां केंद्रीय योजनाओं की बाढ़ ला दी गयी हो, भले यहां केंद्रीय मंत्रियों के लगातार दौरे हो रहे हों, भले स्वयं केंद्रीय गृहमंत्री कश्मीर का दौरे करके आये हों, भले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ग्राउण्ड पर उतर कर समस्याओं का हल करने में जुटे हों लेकिन फिर भी यहां बहुत कुछ करना बाकी है। दिल्ली की सरकार और उपराज्यपाल को चाहिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन को पूरी तरह प्रशासन पर नहीं छोड़ें और कार्यों की लगातार समीक्षा हो। मैंने पाया कि बड़ी संख्या में ऐसे कश्मीरी हैं जिन्हें यह पता ही नहीं है कि केंद्र सरकार या राज्य प्रशासन उनके लिए क्या-क्या योजनाएं चला रहा है और वह उनका लाभ कैसे उठा सकते हैं। इसके अलावा प्रशासन की ढिलाई या टालने वाली आदत के चलते भी लोग सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से कतराते हैं इसलिए सरकार को योजनाओं का लाभ आसानी से ऑनलाइन तरीके से मिल सके इसके प्रयास करने चाहिए।

क्या चाहता है कश्मीरी युवा?

कश्मीर के युवाओं को भटकाने के प्रयास भले सीमापार से होते हों लेकिन अधिकांश कश्मीरी युवा मुख्यधारा में रह कर अपनी रोजी-रोटी कमाने में यकीन रखते हैं। कश्मीरी युवाओं के मन की बात को समझने के दौरान यह बात उभर कर आयी कि वह अपने क्षेत्र में ही रह कर काम करना चाहते हैं, वह चाहते हैं कि वह अपने परिवार के साथ ही रहें, वह चाहते हैं कि सरकारी नौकरी मिले, अगर नहीं मिले तो स्वरोजगार में सरकार मदद करे।

वह बाहरी कंपनियों के कश्मीर में प्रवेश के विरोधी नहीं हैं मगर यह जरूर चाहते हैं कि उन्हें नौकरी पर रखा जाये और उनके साथ असम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाये। कश्मीरी युवा चाहते हैं कि उनके लिए पढ़ाई-लिखाई का अच्छा प्रबंध हो, व्यवसायिक पाठ्यक्रम आसानी से उपलब्ध हों और वह अगर अन्य राज्यों में रह कर पढ़ाई कर रहे हैं तो उन्हें संदेह की दृष्टि से नहीं देखा जाये। श्रीनगर में वैसे तो अनेक युवाओं से मैंने बातचीत की लेकिन आज विशेष रूप से मुराद कादरी का जिक्र करना चाहूँगा जिन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की लेकिन नौकरी नहीं मिली, सरकारी योजना का लाभ भी नहीं मिला तो अपना एक छोटा-सा कैफे ही खोल दिया और आज यह अच्छा चल रहा है। मुराद कादरी का अपने परिवार और राष्ट्र के प्रति स्नेह भी काफी प्रेरणादायी लगा। एक और युवा जोकि एमए कर चुका है जब उनसे यह पूछा कि आपने ड्राइवर पेशा ही क्यों चुना तो उनका कहना था कि यहां नौकरी है नहीं और मैं अपने परिवार को छोड़ कर बाहर जाना नहीं चाहता। साथ ही उनका कहना था कि मुझे पर्यटकों को अपने राज्य की खूबसूरती दिखाने में बहुत आनंद आता है इसलिए मैं इसी पेशे में बना रहूँगा। कश्मीर में खासतौर पर जिन परिवारों में एक ही लड़का है वह अपने परिवार के साथ ही रहना चाहता है जहां दो या तीन भाई हैं उनमें से जरूर कोई नौकरी के लिए बाहर चला जाता है।

सरकारी नीतियों पर उठ रहे सवाल!

कश्मीरी लोग यह भी चाहते हैं कि सरकार की नीतियां अटपटी-सी नहीं हों। जैसे कि एक कश्मीरी ने बातचीत में कहा कि एक ओर सरकार आतंकवाद की राह पर चलने वाले लोगों से आत्मसमर्पण करने को कहती है और उन्हें सामान्य जीवन जीने में मदद करने के लिए रोजगार का प्रबंध करने की बात कहती है लेकिन दूसरी ओर ऐसे लोगों को नौकरी से निकाला जा रहा है जिनका दस साल पहले आतंकवाद से संबंध रहा हो। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि जो आतंकवाद की राह पर चले गये हैं उन्हें लौटने में परेशानी यह है कि उन्हें सामान्य जीवन जीने का मौका नहीं मिलता। उनका कहना था कि नौकरी से लेकर किसी भी काम के लिए पुलिस से एनओसी नहीं मिलती।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

रोहतक में फर्नीचर व्यापारी के कपड़े उतारकर बनाई अश्लील वीडियो, मांगे चार लाख रुपये

रोहतक (एजेंसी) पानीपत जिले के फर्नीचर व्यापारी को रोहतक के काम के बहाने से बुलाकर दो महिला व दो युवकों ने उसकी अश्लील वीडियो बना ली। आरोपितों ने धमकी दी कि चार लाख रुपये नहीं मिलने पर वीडियो वायरल कर देंगे और दुष्कर्म के झुठे केस में फंसा देंगे। पानीपत जिले के आटा गांव के रहने वाले फर्नीचर व्यापारी ने पुरानी सब्जी मंडी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें बताया कि वह फर्नीचर की दुकान करता है। 19 नवंबर को गर्दन में चोट लगने के कारण वह अस्पताल में भर्ती था।

तभी उसके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से काल आई। जिसे फर्नीचर व्यापारी के भाई ने रिसीव किया। महिला ने कहा कि उसे फर्नीचर व्यापारी से बात करनी है। इस बीच महिला के कई बार फोन आए। कई दिन पहले भी महिला से व्यापारी की फोन पर बात हुई। महिला ने बताया कि वह रोहतक की रहने वाली और उसे अपने घर के दरवाजे बनवाने हैं। व्यापारी ने इतनी दूर काम कराने से मना कर दिया। जिस पर महिला ने व्यापारी के परिचित बिटाना निवासी एक व्यक्ति का नाम लिया।

बार-बार फोन करने पर 28 दिसंबर को वह व्यापारी अपने मिस्त्री राहुल को लेकर स्कूटी पर रोहतक आ गया। माता दरवाजा चौक पर पहुंचने के बाद उन्होंने महिला को फोन किया। कुछ देर बाद एक अन्य महिला वहां पर पहुंची, जो दोनों को अपने साथ फतेहपुरी कालोनी स्थित एक मकान में ले गई। वहां पर वह महिला भी बैठी थी और व्यापारी के परिचित समेत दो अन्य भी वहां पर भी। फोन करके बुलाने वाली महिला ने सभी के लिए चाय बनाई।

मैं चीफ जस्टिस बोल रहा हूं, बर्खास्त कर्मचारी को बहाल करो

चंडीगढ़ (एजेंसी) यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पाक्सो एक्ट) के तहत सजायाफ्ता दक्षिण हरियाणा बिजली निगम के एक सहायक लाइनमैन बलवान सिंह को निगम के एमडी ने सेवा से बर्खास्त कर दिया। कर्मचारी ने बहाली के लिए अपने एक दोस्त रविंद्र जांगड़ा से सहायता करने को कहा। जांगड़ा ने अपने दोस्त अवतार सिंह से इस मामले में मदद मांगी। अवतार सिंह ने बलवान सिंह को उसके सजा व अन्य दस्तावेज मोबाइल पर भेजने को कहा।

इसके बाद अवतार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के विशेष सचिव रविंद्र शर्मा बनकर बिजली निगम के एमडी बलकार सिंह को फोन कर कहा कि चीफ जस्टिस आपसे बात करना चाहते हैं। तभी किसी अन्य व्यक्ति ने चीफ जस्टिस बनकर बात की और एमडी से कहा कि वह सहायक लाइनमैन बलवान सिंह को बहाल करें। इसके बाद अवतार ने बलवान सिंह को कहा कि उसकी एमडी से बात हो गई है और वह एमडी से मिल ले तो बहाल हो जाएगा। यह मामला सामने आने के बाद एडवोकेट जनरल बलदेव राज महाजन ने चीफ जस्टिस को इस घटना की जानकारी दी। इसके बाद निगम के एमडी बलकार सिंह ने अर्बन एस्टेट पुलिस स्टेशन हिसार में मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच कर अवतार, बलवान, रविंद्र व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया। जांच में पाया गया कि जिस मोबाइल नंबर से एमडी को फोन किया गया था, वह अवतार सिंह का था और उसकी लोकेशन पंजाब में थी। इसके बाद अवतार व रविंद्र ने हाई कोर्ट में नियमित जमानत की मांग को लेकर याचिका दायर कर कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान जब बेंच को सरकार की तरफ से बताया गया कि आरोपितों ने चीफ जस्टिस बनकर आइएएस अफसर के निजी मोबाइल नंबर पर सजायाफ्ता बर्खास्त कर्मचारी को बहाल करने का आदेश दिया तो बेंच ने हैरानी जताते हुए मामले की जांच पर रिपोर्ट मांगी।

अमृतसर में गायब स्वरूपों को लेकर निलंबित कर्मचारी पर पांच लाख का जुर्माना, एसजीपीसी ने की कार्रवाई

अमृतसर (एजेंसी) शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से श्री गुरु ग्रंथ साहिब के गायब हुए 328 स्वरूपों के मामले में एसजीपीसी के निलंबित हुए कर्मचारी गुरमुख सिंह पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गुरमुख सिंह एसजीपीसी में सुपरवाईजर थे।

एसजीपीसी ने शहीद ऊधम सिंह नगर के रहने वाले गुरमुख सिंह को जुर्माना के सबंध में एक पत्र भी भेजा है। जांच कमेटी की ओर से दी गई रिपोर्ट को मुख्य रखते हुए एसजीपीसी ने यह जुर्माना किया है। एसजीपीसी की कार्यकारिणी की हुई 10 दिसंबर की बैठक में इस मामले पर विचार किया गया था, जिसमें फैसला लेकर गुरमुख सिंह को जुर्माना लगाया गया।

पत्र में आदेश दिए गए हैं कि जुर्माना राशि एसजीपीसी के पास 10 जनवरी, 2022 से पहले जमा करवाई जाए। अगर गुरमुख यह जुर्माना राशि जमा नहीं करवाता है तो यह राशि उसकी रिटायरमेंट के मिलने वाले लाभ में से काट कर कार्यालय में जमा करवाई जाए। एसजीपीसी एक स्वरूप की भेटा 1500 रुपये लेती है। 328 स्वरूपों के हिसाब से जुर्माना राशि पांच लाख रुपये बनती है, जो गुरमुख सिंह पर लगाई गई है।

श्रीनगर में तैनात मेजर ने शादी का झांसा देकर आर्मी मैन की बेटी से किया दुष्कर्म, 5 साल में 2 बार करवाया गर्भपात

पटियाला (एजेंसी) पड़ोस में रहने वाली सूबेदार मेजर की बेटी को प्रेम जाल में फंसाने के बाद शादी का झांसा देकर एक मेजर ने दुष्कर्म कर दिया। यही नहीं मुलाकात के बहाने अलग-अलग जगह बुलाने के बाद 24 वर्षीय युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए और गर्भवती होने पर गोलियां खिला दी। पांच सालों से अधिक समय तक यह सिलसिला चलता रहा, लेकिन मेजर ने शादी नहीं की, जिस वजह से लड़की ने अंबाला पुलिस को कंप्लेंट कर दी। हरियाणा के अंबाला वुमेन थाना पुलिस ने इन दिनों श्रीनगर में तैनात मेजर अमनदीप सिंह निवासी प्रोफेसर कालोनी सामने पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद पटियाला पुलिस को फाइल भेज दी। यहां थाना सिविल लाइन पुलिस ने मुकद्दमा नंबर 407 दर्ज करने के बाद लड़की का मैडिकल करवाया। थाना इंचार्ज इंस्पेक्टर गुरबीर सिंह ने कहा कि एसआइ गुरप्रीत कौर को जांच का जिम्मा सौंपा है, उन्होंने बुधवार को मेडिकल की प्रक्रिया शुरू करवा दी है। इसके बाद आरोपित को गिरफ्तार करेंगे। शिकायतकर्ता के अनुसार उसके पिता आर्मी में सूबेदार मेजर थे, जिनकी साल 2013 में फतेहगढ़ यूपी में पोस्टिंग थी।

एक साल में फतेहाबाद जिले के 10 थानों में दर्ज हुए 3210 मामले, बाइक चोर बने मुसीबत

फतेहाबाद (एजेंसी) दो दिनों के बाद नए साल में हम प्रवेश कर जाएंगे। ऐस में पिछले साल क्या हुआ इसका लेखा-जोखा भी तैयार करना शुरू कर दिया है। पुलिस विभाग की बात करें तो इस साल अब तक 3210 मामले दर्ज हुए है। सबसे अधिक फतेहाबाद शहर में 667 मामले दर्ज हुए है। इस साल सबसे अधिक वाहन चोरी के मामले दर्ज हुए है।

उसके बाद मारपीट के मामले दर्ज हुए है। इस साल हत्या व लूट के मामले महज 10 ही दर्ज हुए है। पुलिस ने हत्या के मामलों को ट्रेस भी कर दिया है। इसके अलावा गांव अरहवां के पास सुनार के कारिंदे से हुई लूटपाट के मामले का अभी तक खुलासा नहीं कर पाई है। इसके अलावा बड़े जो मामले थे वो लगभग ट्रेस हो चुके है। जिससे पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली है। इसके अलावा पूरे साल 90 मामले महिला उत्पीड़न के दर्ज हुए है। ऐसे में औसतन से कम ही दर्ज मामले हुए है।

वहीं ट्रैफिक थाना ने चालान तो अनेक वाहनों के किए लेकिन मामला एक भी दर्ज नहीं हुआ है। जिले में इस साल अब तक 3210 मामले दर्ज हुए है। लेकिन सबसे अधिक मामले बाइक चोरी, मारपीट आदि के दर्ज है।

पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी का आरोप, कोरोना का भय फैला विधानसभा चुनाव टालना चाहती हैं भाजपा व आप

भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी लोगों में भय पैदा कर रही हैं। ऐसा चुनाव टालने के लिए किया जा रहा है। चंडीगढ़ में मीडिया से बात कर रहे थे।

चन्नी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने कई तरह की पाबंदियां लगा दी हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार ने नाइट कर्फ्यू लगा दिया है।

चंडीगढ़ (एजेंसी)
पंजाब में 15 जनवरी से सार्वजनिक स्थलों पर कोरोना वैक्सीन न लगवाने वालों की एंट्री पर पाबंदी लगाने के निर्देश देने के अगले ही दिन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आरोप लगाया है कि कोरोना को लेकर बिना वजह डराया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी लोगों में भय पैदा कर रही हैं। ऐसा चुनाव टालने के लिए किया जा रहा है। चंडीगढ़ में मीडिया से बात कर रहे थे। चन्नी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने कई तरह की पाबंदियां लगा दी हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार ने नाइट कर्फ्यू लगा दिया है। उल्लेखनीय है कि चन्नी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पंजाब में ओमिक्रोन का पहला केस नवांशहर में सामने आया है। हालांकि, पीड़ित व्यक्ति स्वस्थ हो चुका है।

यह व्यक्ति 12 दिसंबर को स्पेन से पंजाब आया था। इसकी जीनोम सीक्वेसिंग की रिपोर्ट 28 दिसंबर को आई। पंजाब में जीनोम सीक्वेसिंग में देरी हो रही है। इस व्यक्ति के संपर्क में आए अन्य 13 लोग भी स्वस्थ हो चुके हैं, लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि पंजाब में आने वाले समय में ओमिक्रोन के मामलों की संख्या बढ़ सकती है। एक तरफ देश में कोरोना के वेरिएंट ओमिक्रोन के मामले लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए देश के कई राज्यों ने ओमिक्रोन की रोकथाम के लिए कई प्रतिबंध भी लगाए हैं। वहीं, दूसरी तरफ अगले साल पंजाब समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। निर्वाचन आयोग अगले साल के पहले महीने जनवरी में चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। वहीं, इससे पहले भी देश में बंगाल चुनाव के दौरान कोरोना की दूसरी लहर चरम सीमा पर थी, लेकिन चुनाव स्थगित नहीं किए गए थे। ऐसे में अब इन राज्यों में भी चुनाव स्थगित होने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। 27 दिसंबर को पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग ने एक बैठक का आयोजन किया था। स्वास्थ्य मंत्रालय और चुनाव आयोग की इस बैठक में चुनाव टालने को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया था। साथ ही आयोग ने केंद्र सरकार से ओमिक्रोन को लेकर रिपोर्ट भी मांगी थी। अगले साल के पहले हफ्ते जनवरी में चुनाव आयोग और स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच एक और बैठक आयोजित की जाएगी।

वहीं इस बीच केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कहा कि आने वाले समय में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव को लेकर होने वाली चुनाव रैलियों पर भारतीय चुनाव आयोग फैसला लेगा। ओमिक्रोन के खतरे को देखते हुए हम दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे। भारतीय जनता पार्टी वर्चुअल चुनावी रैलियों के लिए पूरी तरह से तैयार है। कोरोना की दूसरी लहर में बंगाल चुनाव के दौरान भी हमने और हमारी पार्टी ने काफी वर्चुअल चुनावी रैलियां की थीं। आम आदमी पार्टी के विधायक अमन अरोड़ा ने कहा कि दिल्ली सरकार ने लोगों को कोरोना से बचाने के लिए ही यह पाबंदियां लगाई हैं। उनका चुनाव से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि हम तो चुनाव के लिए तैयार हैं। मोगा में तीन जनवरी को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की प्रस्तावित रैली सुरक्षा कारणों के चलते रद कर दी गई है। कांग्रेस विधायक डा. हरजोत कमल ने कहा कि कांग्रेस के स्थानीय नेताओं की मांग थी कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद रैली की जाए, तो इसका ज्यादा फायदा होगा, इसीलिए रैली रद की गई है। वहीं, प्रशासनिक सूत्रों का दावा है कि सुरक्षा कारणों से रैली रद की गई है। पांच जनवरी को फिरोजपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली को देखते हुए दोनों बड़े नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था दो दिन के अंदर कर पाना संभव नहीं था। इन्हीं कारणों के चलते राहुल गांधी की रैली तीन जनवरी के बजाय आने वाले दिनों में हो सकती है।

पंजाब सरकार की बड़ी घोषणा, विद्यार्थियों के लिए बस सेवा मुफ्त, सीएम चन्नी खुद रोडवेज चलाकर पहुंचे

चंडीगढ़ (एजेंसी)
पंजाब की चरणजीत सिंह चन्नी सरकार ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एक और लोकलुभावन घोषणा की है। सीएम ने राज्य के सभी विद्यार्थियों को मुफ्त बस सेवा देने का एलान किया है। पंजाब में महिलाओं के लिए पहले से ही बस सेवा मुफ्त है। सीएम ने आज पंजाब रोडवेज व पीआरटीसी के बेड़े में 58 नई बसें शामिल की।

सीएम चन्नी ने खुद बस चलाकर नई बसों को रवाना किया। उनके साथ ट्रांसपोर्ट मंत्री अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग भी शामिल रहे। पंजाब सरकार ने आज पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी के बेड़े में 58 नई बसें शामिल कर दी हैं। इन तीनों सरकारी और अर्ध सरकारी कंपनियों में 842 बसों को शामिल किया जाना है, जिसकी शुरुआत आज मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और ट्रांसपोर्ट मंत्री अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने खुद बसें चलाकर नई बसों को रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले केवल महिलाओं को निशुल्क बस सफर की सुविधा हासिल थी, लेकिन आज से सभी कॉलेजों के विद्यार्थियों को यह सुविधा प्रदान कर दी गई है, ताकि उन्हें अपनी पढ़ाई कालेज दूर होने के कारण बीच में न छोड़नी पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले पंजाब में ट्रांसपोर्ट माफिया चलने के कारण सरकार की बसें घाटे में चल रही थीं। हमारे ट्रांसपोर्ट मंत्री अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने माफिया को तोड़ दिया है। एक करोड़ रुपये रोजाना की आमदनी बढ़ी है, जिससे हम नई बसें खरीदने में सक्षम हुए हैं। खुद बस चलाकर नई बसों को रवाना करने से पूर्व एक पुराने गाने को नए रूप में पेश करते हुए चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा,आ गई रोडवेज दी लारी, सोहणा बुहा, सोहणी बारी, कर ली लंबे सफर दी तैयारी। सीएम चन्नी ने कहा कि पंजाब तरक्की कर रहा है। जो लोग ट्रांसपोर्ट माफिया चला रहे थे।

उन्हें बंद करके सरकारी रोडवेज में नई बसें डाल रहे हैं। सरकार का दावा है कि बादल परिवार समेत जिन प्राइवेट कंपनियों की बसें अपनी गैरकानूनी बसें चला रही थीं उसे बंद कर दिया गया, जिससे पंजाब रोडवेज और पीआरटीसी की आमदनी में खासी वृद्धि हुई है। हालांकि, यह मामला हाई कोर्ट तक भी गया है, जिसमें प्राइवेट ट्रांसपोर्टरों को राहत मिली है, लेकिन ट्रांसपोर्ट महकमे की सख्ती का एक लाभ सरकारी कंपनियों को यह जरूर हुआ है कि अब उनकी आमदनी बढ़ रही है। इसके अलावा महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा देने का भी असर यह हुआ है कि अब यात्री सरकारी बसों को प्राथमिकता दे रहे हैं। तीन माह पहले पंजाब की सत्ता संभालने वाले चन्नी अब तक कई बड़ी घोषणाएं कर चुके हैं।

सीएम चन्नी ने राज्य की कमान ऐसे समय में संभाली है, जब राज्य में चुनाव के कुछ ही महीने शेष हैं। चरणजीत सिंह चन्नी बिजली के दाम कम करने की पहले ही घोषणा कर चुके हैं। इसके अलावा रेत के दाम भी सरकार ने तय किए हैं। बिजली व पानी के बकाया बिलों को पहले ही माफ कर दिया गया है। हालांकि सरकार यह बताने में असफल साबित हुई है कि इन घोषणाओं के लिए बजट कहां से आएगा। खुद पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू इस मुद्दे पर चन्नी सरकार को घेरते रहे हैं।

बीपीएल और जरूरतमंद बच्चों का मारा हक तो होगी कार्रवाई, अभिभावकों की भी जांच

करनाल (एजेंसी) नियम 134ए के तहत निजी स्कूलों में बच्चों को दाखिला दिलाने वाले अभिभावकों को शक के दायरे में लिया गया है। मुख्यालय की ओर से जारी पत्र के आधार पर तीन सदस्यीय कमेटी इस तरह के अभिभावकों की वार्षिक आय की जांच करेगी जिन्होंने गलत आमदनी वाला एफिडेविट दिया है। निजी स्कूल संचालकों का आरोप था कि नियम 134ए के तहत कुछ अभिभावक ऐसे हैं जिनकी वार्षिक आय अधिक है लेकिन कम आमदनी वाला एफिडेविट देकर योजना का लाभ ले रहे हैं। अब ऐसे अभिभावकों की वार्षिक आय की जांच हो सकती है।

प्रदेश सरकार की ओर से बीपीएल और जरूरतमंद बच्चों के लिए नियम 134ए के तहत निजी स्कूलों में पढ़ाई के लिए दरवाजा खोला गया था। ऐसे में लगातार शिकायतें मिल रही थी कि कुछ लोगों ने अपनी आमदनी कम दिखाकर योजना का लाभ लेते हुए बच्चों का दाखिला करवाया हुआ है। बच्चों के दाखिले को लेकर निजी स्कूल संचालकों से विवाद भी सामने आते रहे हैं। इस बार जब शिक्षा विभाग ने नियम 134ए के तहत ड्रा निकाला तो निजी स्कूल संचालकों ने शिक्षा मुख्यालय के अधिकारियों के सामने सवाल खड़ा किया। संज्ञान लेते हुए शक के दायरे में आने वाले अभिभावक की आमदनी की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा ने बताया कि नियम 134ए के तहत कोई भी गरीब परिवार का छात्र किसी भी निजी स्कूल में मुफ्त पढ़ाई कर सकता है। वह छात्र जो कि गरीब परिवार से है और उसके पास बीपीएल या ईडब्ल्यूएस कार्ड होना चाहिए। इसके अलावा, जिस परिवार की वार्षिय आय दो लाख रुपये से कम है वह बच्चे निजी स्कूल में नियम 134ए के तहत दाखिला ले सकते हैं।

ड्राप आउट विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए हरियाणा शिक्षा विभाग ने शुरू की पहल, सिरसा में बनाए 42 परामर्श केंद्र

सिरसा (एजेंसी)
हरियाणा में शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों से ड्रापआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कार्य शुरू किया है। स्कूलों से ड्राप आउट बच्चों को पुन- शिक्षा से जोड़ने के लिए जिला में 42 परामर्श केंद्र बनाए गए हैं, जो ईंट- भट्टों व स्कूलों में संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा समय-समय पर संबंधित बीईओ द्वारा स्कूलों का निरीक्षण भी किया जाएगा। सिरसा जिले में करीब 1864 ड्राप आउट विद्यार्थी हैं। इन्?हें अब दोबारा से शिक्षा से जोड़ने का प्रयास शुरू किया जाएगा। 6 से 14 साल तक के बच्चों को पढ़ाने का किया जाएगा। बच्चों को पढ़ाने का कार्य ग्रुप बनाकर किया जा रहा है। बच्चों को पुस्तकों से लेकर मिड डे मील, बैग व स्टेशनरी निशुल्क दी जाएगी। इसी के साथ बच्चों का सप्ताह में एक दिन स्वास्थ्य जांचा जाएगा। इसके बाद विद्यार्थियों को स्कूलों से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। इसके लिए अभिभावकों का भी सहयोग लिया जाएगा। जिससे विद्यार्थी बीच में स्कूल न छोड़। वहीं स्कूलों की प्रति माह जिला शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट दी जाएगी। जिससे स्कूलों से जुड़ने वाले विद्यार्थियों के बारे में जानकारी मिलती रहे। जिला शिक्षा अधिकारी संतकुमार बिश्नोई ने बताया कि स्कूलों से ड्राप आउट बच्चों को पुन- शिक्षा से जोड़ने के लिए जिला में 42 परामर्श केंद्र बनाए गए हैं, जो ईंट- भट्टों व स्कूलों में संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा समय-समय पर संबंधित बीईओ द्वारा स्कूलों का निरीक्षण भी किया जाएगा। स्कूलों में अध्यापक प्रत्येक विद्यार्थियों की परफॉर्मेंस पर ध्यान देंगे। इसके लिए प्रतिदिन उनका होमवर्क चेक करना जरूरी होगा। सक्षम योजना के तहत विभिन्न पैरामीटर निर्धारित किए गए हैं। इन पैरामीटर के हिसाब से बच्चों की तैयारी करवाए जाएगी।सभी स्कूलों व ब्लाक स्तर पर जब मेहनत की जाएगी तो इसके परिणाम भी बेहतर आएंगे और जिला की रैंकिंग भी अच्छी आएगी।

चंडीगढ़ के इन स्कूलों में 15 से 18 साल के बच्चों को लगेगी वैक्सीन, लड़कियों के लिए अलग वैक्सीनेशन सेंटर

चंडीगढ़ (एजेंसी)
चंडीगढ़ में 15 से 18 साल तक के बच्चों को कोविड वैक्सीनेशन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने स्कूलों में स्पेशल वैक्सीनेशन सेंटर बनाए हैं। इन सेंटर पर लड़कों और लड़कियों दोनों का टीकाकरण होगा। हेल्थ डिपार्टमेंट ने शहर में कुल छह टीकाकरण केंद्र बनाए हैं। धनास के गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मलोया आरसी-2 के गवर्नमेंट मॉडल हाई स्कूल, मनीमाजरा मार्डन हाउसिंग कांप्लेक्स के गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्कूली बच्चों का टीकाकरण होगा।

15 से 18 साल तक के शहर में 72 हजार किशोरों का टीकाकरण किया जाएगा। यूटी स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुधवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। स्वास्थ्य सचिव यशपाल गर्ग ने बताया कि एक जनवरी 2022 से किशोरों के टीकाकरण के लिए कोविन पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होगी। इस बैठक में स्वास्थ्य निदेशक सुमन सिंह, जीएमसीएच-32 के मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रोफेसर सुधीर गर्ग, जीएमएसएच-16 के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. वीके नागपाल और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य निदेशक डॉ. सुमन सिंह ने बताया कि 15 से 18 साल तक के किशोरों को तीन जनवरी 2022 से कोवैक्सीन की डोज लगाई जाएगी। 15 से 18 साल तक की लड़कियों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सेक्टर-20बी स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वैक्सीनेशन सेंटर बनाया है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग ने शिक्षा विभाग को यह जिम्मेदारी दी गई है कि 10 जनवरी 2022 के बाद विंटर वैकेशन खत्म होने के बाद शहर के सभी प्राइवेट और गवर्नमेंट स्कूल में वैक्सीनेशन कैंप लगाकर 15 से 18 साल तक के बच्चों का टीकाकरण किया जाए। यूटी स्वास्थ्य विभाग की ओर से 10 जनवरी 2022 से हेल्थ केयर, फ्रंटलाइन वर्कर्स और बुजुर्गों को बूस्टर डोज दिया जाएगा। 60 साल से अधिक उम्र के शहर में ऐसे 15,600 लोग हैं, जिन्हें प्रीकॉशन डोज लगाया जाएगा। जिन बुजुर्गों को वैक्सीन लगवाए हुए 39 हफ्ते या फिर नौ महीने का समय बीत चुका है, उन बुजुर्गों को बूस्टर डोज लगाई जाएगी। यह नियम हेल्थ केयर और फ्रंटलाइन वर्करों पर भी लागू होगा। स्वास्थ्य विभाग के पास कोविड वैक्सीन का पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है।

डिस्ट्रिक्ट इम्यूनाइजेशन आफिसर डीआइओ ने बताया कि कोविशील्ड वैक्सीन की विभाग के पास 1.32 लाख डोज पड़ी है।93 हजार कोविशील्ड वैक्सीन की डोज कल शाम तक आ जाएगी। इसके अलावा 15 से 18 साल तक के किशोरों के टीकाकरण के लिए केंद्र से कोवैक्सीन की 93 हजार डोज शाम तक पहुंच चुकी है। इसके अलावा 17 हजार कोविशील्ड वैक्सीन की डोज प्राइवेट हेल्थ सेक्टर के पास उपलब्ध है।

हरियाणा के नए मंत्रियों देवेंद्र बबली व कमल गुप्ता को मिले विभाग, अनूप धानक को भी स्वतंत्र प्रभार

चंडीगढ़ (एजेंसी)
हरियाणा सरकार ने मंगलवार को बने दो नए कैबिनेट मंत्रियों डा. कमल गुप्ता और देवेंद्र बबली को मंत्रालयों का आवंटन कर दिया है। भाजपा कोटे से मंत्री बने डा. कमल गुप्ता को शहरी निकाय मंत्री और हाउसिंग फार आल मंत्रालय दिए गए हैं। अभी तक शहरी निकाय मंत्रालय अनिल विज के पास था, जबकि हाउसिंग फार आल मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने पास रखा हुआ था। मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्रालय अपने पास ही रखा। चर्चा थी कि कमल गुप्ता को वित्त मंत्रालय दिया जा सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गृह मंत्री अनिल विज का गृह मंत्रालय भी बरकरार रहा। जननायक जनता पार्टी के कोटे से मंत्री बने देवेंद्र बबली को विकास एवं पंचायत तथा पुरातत्व एवं संग्रहालय मंत्रालय सौंपे गए हैं। विकास एवं पंचायत मंत्रालय डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के पास था, जबकि पुरातत्व एवं संग्रहालय मंत्रालय राज्य मंत्री अनूप धानक के पास था। मनोहर कैबिनेट में जजपा कोटे के राज्य मंत्री अनूप धानक का कद बढ़ाया गया है। उनके पास पहले मात्र दो मंत्रालय थे, लेकिन अब उन्हें डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के साथ तीन महत्वपूर्ण मंत्रालयों में अटैच किया गया है।अनूप धानक से पुरातत्व एवं संग्रहालय मंत्रालय लेने के बाद उन्हें श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (स्वतंत्र

प्रभार) दिया गया है। पहले वह इस मंत्रालय में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के साथ अटैच थे। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, उद्योग एवं वाणिज्य तथा खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालयों में अनूप धानक को डिप्टी सीएम के साथ अटैच किया गया है। यह तीनों मंत्रालय दुष्यंत चौटाला के पास हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दिल्ली रवाना होने से पहले बुधवार शाम तक मंत्रालयों का आवंटन कर दिया। मंगलवार रात को सीएम निवास पर हुई एक बैठक में मंत्रालयों के आवंटन पर चर्चा हुई। तब शहरी निकाय मंत्रालय अनिल विज अपनी मर्जी से छोड़ने को तैयार हो गए। गृह विभाग छोड़ने के लिए उन पर दबाव नहीं बनाया गया। अनिल विज मंगलवार को दोनों नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में नहीं पहुंचे थे। बुधवार को अंबाला में रहे और जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनीं। कमल गुप्ता चाहते थे कि उन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय मिले, लेकिन विज ने इस मंत्रालय को भी नहीं छोड़ा। बाक्सअनिल विज की बात मानी सरकार ने गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज को सरकार ने नाराज नहीं किया है। लंबे समय से इस बात की चर्चा चल रही थी कि अनिल विज से गृह विभाग लेकर मुख्यमंत्री अपने पास रख सकते हैं, लेकिन अनिल विज से गृह मंत्रालय नहीं लिया गया, जिससे टकराव के हालात खत्म हो गए। अनिल विज यदि नाराज होते तो किसान संगठनों के आंदोलन से हाल ही में उबरी सरकार के लिए परेशानी खड़ी हो सकती थी। बाक्सकिसी सहयोगी मंत्री के मंत्रालयों से छेड़छाड़ नहींमुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सूझबूझ के साथ मंत्रालयों का आवंटन किया है। उन्होंने अनिल विज के एक मंत्रालय को छोड़कर बाकी किसी भी सहयोगी मंत्री से कोई मंत्रालय वापस नहीं लिया। खुद अपने पास से एक मंत्रालय देने की पहल की है।

एक नज़र

जीतन राम मांझी के मानसिक संतुलन पर कांग्रेस विधायक ने उठाए सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हम के अध्यक्ष जीतन राम मांझी प्रकरण अभी शांत होता नहीं दिख रहा। बिहार में इसको लेकर बवाल मचा। भाजपा के नेताओं ने भी मांझी पर खूब बयान दिया। तब वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। अब मामला बिहार से निकलकर पड़ोसी राज्य झारखंड पहुंच गया है। वहां पहुंचे बिहार के बक्सर जिले के कांग्रेस विधायक ने मुन्ना तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कह दिया है कि जीतन राम मांझी अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें किसी मानसिक रोग अस्पताल में भर्ती कराना चाहिए। विधायक बुधवार को जमशेदपुर में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने प्रेस से बात करते हुए झारखंड सरकार की सराहना की। बक्सर सदर विधायक ने ब्राह्मणों पर की गई मांझी की टिप्पणी को अमर्यादित बताया। कहा कि यह ओछी मानसिकता का प्रतीक है। इस दौरान उन्होंने बिहार सरकार पर भी निशाना साधा। कहा कि बिहार में सरकार ठीक से नहीं चल रही। वोटों की गिनती में हेरफेर कर तीसरे नंबर की पार्टी एक नंबर बनकर सरकार चला रही है। जनता उन्हें दरकिनार करने में लगी है। उनके हर कार्यक्रम में जनता का विरोध दिखता है। मालूम हो कि पूर्व सीएम ने ब्राह्मणों को लेकर विवादित बयान दिया था। उसके बाद से कई संगठनों व राजनीतिक दलों ने उनके खिलाफ बिगुल फूंक दिया था। डैमेज कंट्रोल के मांझी ने अपने आवास पर ब्राह्मणों के लिए भोज का आयोजन किया था। इधर बिहार सरकार के मंत्री नीरज बबलू ने कहा कि मांझी जी पर अब उम्र का असर हो चला है उन्हें राजनीति से संन्यास लेकर घर बैठना चाहिए। इसके बाद मामला यहां तक पहुंच गया कि सरकार गिराने तक की बात कही जाने लगी। मांझी की पार्टी ने कहा कि यदि हमारे चार विधायक हट जाएं तो ये मंत्री जी सड़क पर आ जाएंगे। मामला बिगड़ते देख पूर्व डिप्टी सीएम व राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि मांझी जी एनडीए के वरिष्ठ नेता हैं। उनपर कोई टिप्पणी नहीं होनी चाहिए।

बिहार में तेजी से पांव पसारने लगा कोरोना, इन शहरों में मिले संक्रमितों ने बढ़ा दी है सरकार की चिंता

पटना (एजेंसी) बिहार में कोरोना संक्रमितों की संख्या फिर डराने वाले रफ्तार से बढने लगी है। बुधवार को प्रदेश में 77 नए संक्रमित मिले हैं। इसके साथ ही सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 215 हो गई है। चिंता की बात यह है कि रिकवरी रेट में भी दूसरी बार गिरावट दर्ज की गई है। राज्य में कोरोना की रिकवरी रेट अब घटकर 98.31 प्रतिशत रह गया है। बुधवार को संक्रमण के कुल एक लाख 69 हजार 661 सैंपल की जांच की गई। टीकाकरण अभियान के दौरान बुधवार को प्रदेश में तीन लाख 57 हजार से अधिक लोगों को टीका दिया गया। इस बीच के जिन जिलों में कोरोना के नए संक्रमित पाए गए हैं उनमें औरंगाबाद में एक, दरभंगा में एक, गया में 29, जहानाबाद में चार, किशनगंज में एक, मुजफ्फरपुर में दो, नालंदा में तीन, पटना में 26, समस्तीपुर में तीन, सीतामढ़ी में एक, सिवान में एक, सुपौल में दो, वैशाली में एक, पश्चिम चंपारण में एक और अन्य राज्य का एक व्यक्ति संक्रमित शामिल हैं। राज्य में पिछले छह दिन पहले यानी 23 दिसंबर को सिर्फ नौ नए संक्रमित पाए गए थे। 24 दिसंबर को 13 नए संक्रमित, 25 दिसंबर को 10, 26 दिसंबर को 28, 27 दिसंबर को 26 और 28 दिसंबर को 47 नए संक्रमित मिले थे। स्वास्थ्य विभाग ने 77 संक्रमितों की पुष्टि की है, लेकिन जिलों से आई रिपोर्ट के अनुसार यह संख्या और अधिक हो सकती है। बुधवार को गया जिले में छह महिलाओं समेत 50 लोगों की पाजिटिव आरटीपीसीआर रिपोर्ट की खबर आई। मंगलवार को 19 संक्रमित मिले थे। जिले भर से इस दिसंबर में अब तक 102 पाजिटिव की पहचान हो चुकी है। इसकी मुख्यालय स्तर पर पुष्टि होना बाकी है। स्वास्थ्य विभाग ने गया में 29 संक्रमण की पुष्टि की।

बिहार पुलिस में सिपाही से लेकर इंस्पेक्टर तक की संविदा पर होगी बहाली, केवल इन्हें मिलेगा मौका

पटना (एजेंसी)। पुलिस मुख्यालय ने हाल ही में सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को एक साल के लिए संविदा पर बहाल करने का निर्णय लिया है। एक अप्रैल, 2020 से 31 जुलाई 2021 तक सेवानिवृत्त होने वाले सिपाही से लेकर पुलिस निरीक्षक तक के कर्मियों व पदाधिकारियों को नियोजन का मौका मिलेगा। बिहार पुलिस मुख्यालय के कार्मिक एवं कल्याण प्रभाग ने इस बाबत आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, यह संविदा नियोजन आदेश निर्गत होने की तारीख से मात्र एक वर्ष के लिए प्रभावी होगा। एक वर्ष के अंदर संबंधित पद पर नियमित प्रोन्नति या नियुक्ति से सुयोग्य कर्मी उपलब्ध होने पर संविदा नियोजन स्वतः समाप्त हो जाएगा। संविदा नियोजन उसी पद के विरुद्ध किया जाएगा, जिस पद से संबंधित कर्मी सेवानिवृत्त हुए हैं। इसके साथ ही आवेदन के विरुद्ध कोई आपराधिक या अनुशासनिक कार्रवाई लंबित नहीं है तथा सेवाकाल के अंतिम 10 वर्षों में कोई दंड नहीं दिया गया है। यह नियोजन सिर्फ एक बार के लिए होगा। संविदा पर नियोजन के लिए अहर्ता प्राप्त पुलिसकर्मियों व पदाधिकारियों को 31 दिसंबर तक आवेदन समर्पित करने को कहा गया है।

आवेदक जिस कार्यालय या इकाई से सेवानिवृत्त हुए हैं, वहीं आवेदन पत्र समर्पित करेंगे। संबंधित कार्यालय प्रधान सत्यापन के बाद पांच जनवरी तक आवेदनों को पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध कराएंगे। बिहार कैडर के सभी आइपीएस पदाधिकारियों को 15 फरवरी 2022 तक चल एवं अचल संपत्ति तथा दायित्वों की विवरणी गृह विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इस बाबत गृह विभाग के सचिव के सेंथिल कुमार ने डीजीपी समेत सभी डीजी, एडीजी, आइजी, डीआइजी, एसपी, समादेष्टा आदि को पत्र लिखा है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकार के अधीन सभी उपक्रमों के समूह क, ख एवं ग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों की चल-अचल संपत्ति एवं दायित्वों की विवरणी भी उपलब्ध कराने को पत्र जारी किया गया है। सभी अफसरों की वर्ष 2021 की चल-अचल संपत्ति की विवरणी को 31 मार्च, 2022 को वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक किया जाएगा।

विधायकों की पिटाई से जीतनराम मांझी की धमकी तक, साल 2021 में बिहार की प्रमुख राजनीतिक घटनाएं

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत ने वर्ष 2021 में कई रंग देखे। कभी नीम-नीम कभी शहद-शहद का सिलसिला चलता रहा। सत्ता पक्ष और विपक्ष में तकरार के साथ नेताओं की कहासुनी में मर्यादाएं भी टूटजी दिखीं। वर्ष की शुरुआत राजनीतिक इतिहास में काला पन्ना जोड़ गया। विधानसभा में हंगामा के बाद विधायकों की पिटाई की घटना राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा में रही। कोरोना से विधायकों व विधान पार्षदों की मौत हुई। लंबे समय बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव जेल से बाहर आए। बेटे लालू के बेटे तेजस्वी यादव की चर्चित शादी हुई। यह साल रामविलास पासवान की पार्टी और परिवार में बिखराव का साक्षी बना। विधानसभा में वंदे मातरम गाने से एआइएमआइएम के विधायकों के इंकार, पूर्व सीएम मांझी की बयानबाजी, सरकार गिराने की धमकी समेत कई ऐसी घटनाएं हुईं जो सियासत को हर दिन नया रंग देती रही। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, जातिगत जनगणना, शराबबंदी जैसे मुद्दे भी उछलते रहे। हम आपको बिहार की प्रमुख सियासी घटनाओं से रूबरू करवाते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समाज सुधार यात्रा भी चर्चा का विषय बनी रही। विधानसभा की कार्रवाही चल रही थी। दिन था 23 मार्च 2021। यह विधानसभा के इतिहास में काले दिन के रूप में दर्ज हो गया। दरअसल बिहार सशस्त्र पुलिस विधेयक को सदन में पेश होने से रोकने को लेकर राजद समेत सभी विपक्षी दल आमादा थे। राजद ने भ्रष्टाचार, विधि व्यवस्था, बेरोजगारी के मुद्दे पर विधानसभा घेराव किया। तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव समेत कई कार्यकर्ता डाकबंगाला चौराहे पर पहुंच गए। वहां पुलिस ने रोका तो हंगामा हो गया। इसके बाद तेजस्वी व तेजप्रताप को हिरासत में ले लिया गया। गांधी मैदान थाने लाने के बाद उन्हें छोड़ा गया। इधर सदन में भी हंगामा चल रहा था। इस कारण सदन की कार्रवाही तीन बार स्थगित की गई। चौथे बार जब कार्रवाही शुरू हुई तो स्पीकर को उनके चैंबर में ही बंधक बना लिया गया। इसके बाद पटना के डीएम-एसएसपी भारी संख्या में पुलिस बल के साथ पहुंचे। इसके बाद धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसके बाद पुलिस ने विधायकों को खींच-खींचकर बाहर निकाला। महिला विधायकों को भी जबरन हटाया गया।

इस दौरान कई विधायकों की पिटाई भी की गई। इसके बाद विधेयक को पारित किया गया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि उनपर जानलेवा हमला किया गया। चारा घोटाला के मामले में जेल में सजा काट रहे राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव तीन वर्षों बाद 29 अप्रैल को जेल से बाहर आए। वे पुलिस अभिरक्षा में दिल्ली एम्स में इलाजरत थे। इसके बाद वे अपनी पुत्री और राज्यसभा सांसद डा. मीसा भारती के आवास पर शिफ्ट हो गए। लालू प्रसाद को 17 अप्रैल को ही जमानत मिल गई थी लेकिन वे रिहा हुए 12 दिनों बाद। तबियत में सुधार होने के बाद वे 24 अक्टूबर को पटना लौटे। उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद वे विधानसभा उपचुनाव के प्रचार में भी गए। समर्थक उन्हें देखकर उत्साहित थे। हालांकि, सेहत का असर उनपर साफ दिख रहा था। चुनाव परिणाम भी उनके पक्ष में नहीं रहा। इसके बाद वे फिर दिल्ली लौट गए। लालू प्रसाद के पटना आने से लेकर लौटने तक बयानबाजी, परिवार में विवाद भी हुआ। लालू प्रसाद ने अलग हो चुके कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्तचरण दास को भकचोन्हर दास कह दिया था। इसपर खूब बवाल मचा। इधर तेजप्रताप यादव अलग मूड में थे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ बिगुल फूंक चुके तेजप्रताप ने खूब हंगामा किया। हालांकि समय के साथ मामला शांत हो गया।

बिहार में शराब पकड़ने के लिए इतने पदों पर होगी पुलिस की बहाली, सीएसबीसी ने जारी की प्रक्रिया

पटना। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग में मद्य निषेध सिपाही पद पर नियुक्ति के लिए होने वाली लिखित परीक्षा की तिथि जारी कर दी है। इस बाबत केंद्रीय चयन पर्षद सिपाही भर्ती के विशेष कार्य पदाधिकारी ने अधिसूचना की है। विभाग में 365 पदों पर सिपाही की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया की जा रही है। इसकी लिखित परीक्षा 27 फरवरी 2022 को आयोजित की जाएगी। आयोग की ओर से मद्य निषेध सिपाही की नियुक्ति के लिए वर्ष 2021 के 18 जनवरी तक आनलाइन आवेदन लिए गए थे। इंटर पास अभ्यर्थी इसके लिए योग्य है। लिखित परीक्षा के आधार पर पांच गुना अधिक अभ्यर्थियों का शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए चयन किया जाएगा। लिखित परीक्षा में 30 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए नहीं बुलाया जाएगा। लिखित परीक्षा दो घंटे की होगी। इसमें 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। इसमें हिंदी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक मामले से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। सिपाही की नियुक्ति वेतनमान लेवल तीन में होगी। इसमें 21,700 से 53,000 हजार रुपये मासिक के लिए नियुक्ति की जानी है। इसमें 18 से 25 वर्ष के सामान्य वर्ग के पुरुष व महिलाओं की नियुक्ति की जानी है। पिछड़ा व अत्यंत पिछड़ा वर्ग के पुरुषों के लिए 27 वर्ष, इन कैटगरी के महिलाओं के लिए 28 वर्ष, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति कोटि के पुरुष एवं महिलाओं तथा थर्ड जेंडर के अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम 30 वर्ष उम्र सीमा होनी चाहिए।

बिहार नए मुख्य सचिव हो सकते हैं आमिर सुबहानी, कई महकमों में बदले जाएंगे सचिव व प्रधान सचिव

पटना (एजेंसी)। नए साल के आरंभ में होने वाली मुख्यमंत्री की पहली समीक्षा बैठक नए मुख्य सचिव की मौजूदगी में होगी। मुख्य सचिव त्रिपुरारी शरण दो बार के अवधि विस्तार के बाद शुक्रवार को रिटायर कर रहे हैं। उसी दिन नए मुख्य सचिव के प्रभार लिए जाने की चर्चा है। मुख्य सचिव के साथ-साथ कई महकमों के सचिव व प्रधान सचिव भी बदल जाएंगे। चर्चा है कि आमिर सुबहानी का नाम नए मुख्य सचिव के लिए तय है। काम को तीव्रता से निपटाने के लिए आमिर जाने जाते हैं। नीतीश कुमार के कार्यकाल में लंबी अवधि तक सुबहानी गृह सचिव के साथ-साथ अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के प्रधान सचिव के रूप में काम किया है। वर्तमान में विकास आयुक्त हैं। सुबहानी के मुख्य सचिव बनने के बाद विकास आयुक्त का पद खाली होगा।

ऐसे में चर्चा है कि उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा को विकास आयुक्त बनाया जा सकता है। वैसे समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अतुल प्रसाद को भी यह जिम्मेवारी मिल सकती है पर उनकी सेवा अब मात्र दो माह बची है। ऐसे में केवल दो महीने के लिए सरकार विकास आयुक्त बनाने पर विचार नहीं भी कर सकती है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात राजेश भूषण और डीएस गंगवार का नाम भी मुख्य सचिव पद के लिए लिया जाता है पर यह कहा जा रहा कि इस चर्चा में दम नहीं है। नए वर्ष में कई महकमों की कमान नए अधिकारी को मिलेगी। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाना है। अभी तय नहीं है कि केंद्र में उन्हें किस पद पर योगदान करना है। तय होते हुए विरमित हो जाएंगे। इसके बाद शिक्षा विभाग में किसी प्रधान सचिव स्तर के अधिकारी की तैनाती हो जाएगी। इसी तरह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव चंचल कुमार के बारे में भी कहा जा रहा कि वह भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे।

समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अगर विकास आयुक्त बने तो समाज कल्याण विभाग में नए अधिकारी की तैनाती होगी। इसी तरह समाज कल्याण विभाग के विशेष सचिव दयानिधान पांडेय सचिव स्तर में प्रोन्नत होने वाले हैं। उन्हें भी नयी जिम्मेवारी मिल सकती है। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के विशेष सचिव धर्मेंद्र सिंह भी सचिव स्तर में प्रोन्नत होने वाले हैं। इन्हें भी नई जगह मिलेगी। जनवरी में ही बिहार लोक सेवा आयोग में भी नए सचिव की तैनाती होनी है।

गुजर रहे साल में मुजफ्फरपुर, पश्चिम चंपारण और समस्तीपुर में तमाम लोगों को पी गई जहरीली शराब

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। गुजर साल में उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और पश्चिम चंपारण जिले में जहरीली शराब पीने से मौत की कई बड़ी घटनाएं हुई। फरवरी में मुज़फ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र के माधोपुर सुस्ता विशुनपुर गिद्धा इलाके में जहरीली शराब से चार लोगों की मौत हो गई थी। जहरीली शराब से मौत की घटना के बाद 27 फरवरी को माधोपुर विशुनपुर गिद्धा इलाके में मिलावटी शराब बनाने व स्टाक की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की थी। मुजफ्फरपुर में कुछ ही अंतराल में तीन जगह घटनाएं हुई। सरैया प्रखंड के रुपौली, सिउरीयेमा व विश्वंबरपुर में 28 से 30 अक्टूबर के बीच कथित रूप से जहरीली शराब से सात लोगों की मौत हो गई थी। चार नवंबर दीपावली के दिन नौतन प्रखंड के दक्षिणी तेल्हुआ गांव में जहरीली शराब पीने से 17 लोगों की मौत हुई थी। मामले में डीआईजी की अनुसंशा पर पुलिस कप्तान उपेंद्रनाथ वर्मा ने नौतन थानाध्यक्ष मनीष कुमार शर्मा सहित कई चौकीदार को सस्पेंड भी किया था।

नारी सशक्तिकरण की मिसाल बनी सुमित्रा, सीएम से कहा-आब कोनो तकलीफ नय छय

मधुबनी (एजेंसी)। पति की मौत के बाद कोई सहारा नहीं था। मिट्टी का पुराना घर भी बारिश में धराशाई हो गया। पति का सहारा भी गया और सिर से छत भी चली गई। परिवार में कोई बुजुर्ग नहीं, ना कोई बच्चे। एक अकेली बेसहारा महिला के लिए जीवन की डगर कितनी मुश्किल हो सकती है, सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे हालात में भी जिले के पंडौल प्रखंड के सरिसव पाही पश्चिमी पंचायत के सरिसव पाही गांव की महिला सुमित्रा ने हिम्मत नहीं हारी। जीवन की गाड़ी खिंचनी थी। पेट भरने के लिए सुमित्रा के पास कोई चारा ना बचा तो दूसरे के घरों व खेतों में काम करने लगी। किसी तरह जिंदगी तकलीफों के साथ गुजर रही थी। अचानक एक दिन सुमित्रा की मुलाकात पंचायत स्तर पर काम कर रही जीविका के मास्टर रिसोर्स पर्सन रेणु देवी से हुई। रेणु ने सुमित्रा की हालत देखी तो उसे जीविका के सतत जीविकोपार्जन योजना के बारे में बताया। सुमित्रा को मानो उम्मीद की एक किरण नजर आ गई। वह इस योजना से जुड़ गई। योजना के तहत सुमित्रा को करीब 37 हजार की आर्थिक मदद मिली। इसमें से 20 हजार रुपये का सामान खरीदा और गांव में ही एक छोटी सी दुकान खोल ली। दुकान से सुमित्रा के जीवन की गाड़ी चल निकली। आज सुमित्रा आत्मनिर्भर है। सुकून से अपनी जिंदगी जी रही है। औसतन तीन से साढ़े तीन हजार की प्रतिमाह आमदनी से अपना भरण-पोषण खुद कर रही है। सरकारी योजना से इंदिरा आवास मिला तो छत की कमी भी दूर हो गई। आज सुमित्रा खुश है और सरकार के प्रति इन योजनाओं के लिए आभार जता रही है। सुमित्रा के पति जिले के एक स्कूल में चालक की नौकरी करते थे। उनकी कमाई से उसका गुजारा किसी तरह हो रहा था। अचानक चार साल पहले पति उसे दुनिया में अकेला छोड़ कर चले गए। सुमित्रा की पूरी दुनिया ही उजड़ गई। सुमित्रा बताती है कि अब उसकी दुकान ही उसका सहारा है। सितंबर में 3812 रुपये, अक्टूबर में 1348 रुपये और नवंबर में 5842 रुपये की आमदनी हुई। हर माह औसतन तीन से साढ़े तीन हजार रुपये वह कमा लेती है जिससे जीवन की गाड़ी आराम से चल रही है। सीएम के समाज सुधार अभियान के क्रम में गुरुवार को समस्तीपुर में आयोजित कार्यक्रम में सुमित्रा ने आत्मविश्वास से लबरेज होकर सीएम नीतीश कुमार को अपनी कहानी बताई। बताया कि कैसे चार साल पहले पति की मौत के बाद जीविका का सहारा मिला और अब किस तरह वह जीविका के सहयोग से अपने पैरों पर खड़ी है। सुमित्रा ने कहा कि जीविका से कर्ज मिलल त दुकान चलाबय लगली। आब दुकान चलय लागल। इंदिरा आवास स मकान बनेलउ। दुकान केला स हमरा बड़ लाभ भेटल। आब कोनो चीज के तकलीफ नय छय।

तेजप्रताप यादव पर समस्तीपुर में एफआइआर, जदयू की शिकायत पर बुरे फंसे

समस्तीपुर (एजेंसी)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े पुत्र और हसनपुर से विधायक तेजप्रताप यादव के खिलाफ समस्तीपुर जिले के रोसड़ा थाने में एफआइआर कराई गई है। उनपर 2020 के विधानसभा चुनाव में गलत शपथ पत्र दाखिल करने का आरोप लगाया गया है। हसनपुर विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी व डीसीएलआर सह एसडीओ ब्रजेश कुमार के आवेदन पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 125 क के तहत मामला दर्ज कराया गया है। उनपर संपत्ति छिपाने का आरोप है। प्राथमिकी (419/21) के अनुसार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की अधिसूचना के तहत 140 हसनपुर विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी के रूप में 13 अक्टूबर 2020 को तेजप्रताप यादव ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया था। इस दौरान उन्होंने शपथ पत्र में अचल संपत्ति की गलत जानकारी दी थी, यह इसकी शिकायत बिहार प्रदेश जदयू ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस शिकायत की प्रति चार नवंबर 2020 को भारतीय निर्वाचन आयोग को भेजी थी। वहां से इसकी जांच के लिए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोड को लिखा गया। सीबीडीटी ने जांच कर तीन पत्रों के माध्यम से बताया कि वर्ष 2015 और 2020 के चुनाव में दाखिल शपथ पत्रों के मुताबिक संपत्तियों में 82 लाख 40 हजार 867 रुपये की वृद्धि हुई, जबकि 2015-16 एवं 2016-20 तक इनकम टैक्स विवरणियों के हिसाब से यह 22 लाख 76 हजार 220 रुपये बनती है। बताया जाता है कि जदयू की शिकायत में जिन परिसंपत्तियों की चर्चा है, जांच में उसका गोपालगंज जिले में होना बताया गया है। यह संपत्ति तेजप्रताप यादव के नाम से रजिस्टर्ड है।

भागी हुई लड़कियों को बिहार के डीजीपी का संदेश, यूं जो छोड़ कर तुम जाओगे, बड़ा पछताओगे

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार समाज सुधार अभियान के क्रम में राज्य के विभिन्न भागों में जा रहे हैं। वे आज समस्तीपुर में हैं। यहां समाज सुधार अभियान के पांचवें चरण का उन्होंने शुभारंभ किया। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए डीजीपी एसके सिंघल ने समाज में बढ़ रहे अपराध के नए रूप के बारे में लोगों को जानकारी दी। उन्होंने युवाओं के क्राइम की दुनिया में आने पर चिंता प्रकट की। माता-पिता की इच्छा के खिलाफ घर से भागकर शादी करने की प्रवृति के बढ़ने पर भी अफसोस का इजहार किया। साथ में माता-पिता को भी उन्होंने इस स्थिति से बचने के बारे में सलाह दी। परिवार के डोर को मजबूत करने के उपायों के बारे में बताया। देह व्यापार के धंधे में उतार दिया जाता डीजीपी एसके सिंघल ने कहा कि अपराध के नए रूप सामने आने लगे हैं। इससे पुलिस तो निपट रही ही है, लेकिन अभिभावकों को भी इसके प्रति सजग होना होगा। कहा, अभी बेटियों में घर से भागकर शादी करने की प्रवृति तेजी से बढ़ी है। वे माता-पिता को बिना बताए भागकर शादी कर ले रही हैं। बाद में इसके बहुत ही बुरे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। एक ओर जहां उनका अपने परिवार से दुराव हो जा रहा है वहीं दूसरी ओर बहुत ही खराब स्थिति से गुजरनी पड़ती है। कई लड़कियों को तो देह व्यापार के धंधे में उतार दिया जाता है। कई मामलों में लड़कियों का साथी अकेले छोड़कर भाग जाता है। जिसके उनकी भावी जिंदगी कष्टकारी हो जाती है। यह न केवल उनके लिए वरन पूरे परिवार के लिए बहुत ही पीड़ा देने वाला होता है। डीजीपी ने अपराध की दुनिया में कम उम्र के लड़कों के आने पर भी अफसोस प्रकट किया। कहा, यदि माता-पिता थोड़े सजग हों तो इस तरह की परेशानी कम हो सकती है। जब कभी कोई बच्चा या बच्ची स्कूल या कालेज से लौटकर आए तो उससे रोज बात करें। वह किससे मिल रही है? कौन उसकी दोस्त बनी? उसके दिमाग में क्या कुछ चल रहा है? कोई उसे परेशान तो नहीं कर रहा? इस तरह के सवाल करने से वह सबकुछ बता देगी और परिवार असहज हालत में जाने से बच जाएगा। इसी तरह की चीज लड़कों के लिए भी होनी चाहिए। मुख्य सचिव त्रिपुरारी शरण ने सुंदर लाल बहुगुणा के चिपको आंदोलन के संस्मरणों को सुनाते हुए कहा कि यदि आपके समाज में यदि कोई शराब से चिपके मिले तो आप भी उस आंदोलन की शुरुआत करें। उसके बाद यह प्रभावी होगा। हमारे समाज का विकास तबतक नहीं होगा जबतक समग्र विकास नहीं हो। जबतक महिला का विकास नहीं होगा तबतक परिवार और समाज का विकास कैसे होगा। उत्तर बिहार में आज भी दहेज प्रथा का बोलबाला है। यही कारण है कि आज समाज विकसित तो हो रहा है लेकिन आज हम वहां नहीं पहुंच पा रहे हैं जहां हमें पहुंचना चाहिए था।

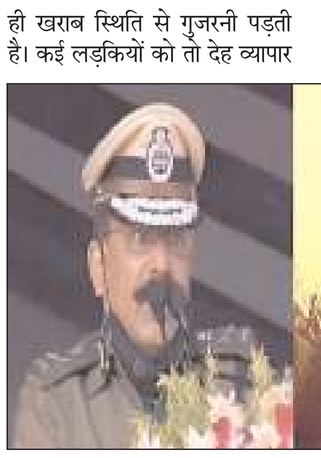
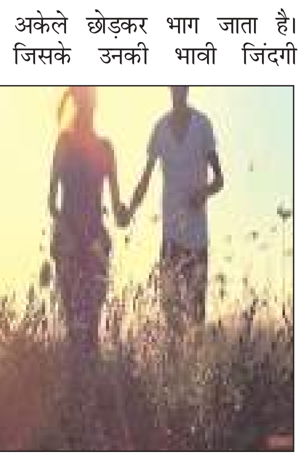

मेरठ के 4 खिलाड़ियों का रणजी ट्रॉफी में चयन

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार अपनी चमक दिखा रहे मेरठ के क्रिकेटरों ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित करते हुए उत्तर प्रदेश की रणजी टीम में जगह बनाई है। उत्तर प्रदेश की टीम में जहां मेरठ के स्टार बल्लेबाज प्रियम गर्ग को दोबारा से चुना गया है, वहीं हरदीप सिंह, समीर चौधरी और ऋषभ बंसल ने नए चेहरों के रूप में एंट्री की है। उत्तर प्रदेश टीम की कप्तानी भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव करेंगे। रणजी ट्रॉफी का पहला मैच 13 जनवरी से खेला जाएगा। उत्तर प्रदेश की टीम इस मैच में ओड़िशा से भिड़ेगी। उत्तर प्रदेश की रणजी ट्रॉफी टीम में आधे से अधिक खिलाड़ी मेरठ के प्रतिभाग करेंगे। इन चारों खिलाड़ियों के अलावा मेरठ के स्टार गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और ऑफ स्पिनर सौरभ कुमार भी प्रतियोगिता के बीच से टीम में जुड़ जाएंगे। वहीं टीम के उप कप्तान करण शर्मा भी टीम का हिस्सा होंगे।

टेलर के संन्यास पर बोले साउदी, ड्रेसिंग रूम में हमेशा उनकी कमी खलेगी

न्यूजीलैंड (एजेंसी) । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने टीम के अपने साथी रोस टेलर के संन्यास लेने पर शुभकामनाएं दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि टेलर की ड्रेसिंग रूम में कमी खलेगी। गुरुवार को टेलर ने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए कहा कि वह न्यूजीलैंड के मौजूदा घरेलू सत्र के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के खिलाफ अपना अंतिम वनडे मैच खेलने से पहले बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैच की सीरीज भी शामिल है। साउदी ने कहा, वह लंबे समय से ड्रेसिंग रूम के एक नियमित खिलाड़ी रहे हैं। वह एक शांत और आनंद लेने वाला खिलाड़ी हैं। उन्हें हमेशा ड्रेसिंग रूम में याद किया जाएगा और उनकी कमी हमेशा खलेगी। साउदी ने टेलर की इस बात की भी प्रशंसा की है कि पिछले 17 वर्षों से न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी में किस तरह से एक मजबूती दी है। उन्होंने कहा, जब भी कोई खिलाड़ी सेवानिवृत्त होता है, तो यह एक भावुक क्षण होता है। खासकर जब कोई ऐसा व्यक्ति जो खेल चुका हो और इतने लंबे समय तक टीम में नियमित रहा हो। टेलर की कमी हमेशा टीम में खलेगी। उन्होंने टीम के लिए लंबे समय तक जो काम किया है वह अद्भुत है। टेलर, जो वनडे और टेस्ट में न्यूजीलैंड के प्रमुख रन-स्कोरर रहे हैं। 1 जनवरी, 2022 से आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश के खिलाफ अपना 111वां और 112वां मैच खेलेंगे।

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय शिविर के लिये 60 खिलाड़ियों को चुना

नई दिल्ली (एजेंसी) । हॉकी इंडिया ने गुरूवार को तीन जनवरी से बेंगलुरू में शुरू हो रहे सीनियर पुरूष राष्ट्रीय शिविर के लिये 60 खिलाड़ियों की सूची जारी की। खिलाड़ियों का चयन सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप, जूनियर पुरूष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और हॉकी इंडिया से मान्यता प्राप्त अन्य टूर्नामेंटों में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। इस सूची से 33 खिलाड़ियों का चयन एफआईएच प्रो लीग 2022 के मैचों के लिये किया जायेगा। भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, ''नया ओलंपिक चक्र शुरू हो चुका है।सब कुछ नये सिरे से आरंभ होगा और हमें अच्छी शुरूआत करनी है।'' उन्होंने कहा, ''एफआईएच प्रो लीग, एशियाई खेल और शीर्ष स्तर के अन्य कई टूर्नामेंट अगले साल होने हैं। ऐसे में हमें अच्छे 33 खिलाड़ियों के पूल की जरूरत है।'' चयनित खिलाड़ी : गोलकीपर : पी आर श्रीजेश, के बी पाठक, सूरज करकेरा, प्रशांत कुमार चौहान, पवन, कमलबीर सिंह, पंकज कुमार रजक, आयुष द्विवेदी। डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुरेंदर कुमार, वरूण कुमार, गुरिंदर सिंह, जरमनप्रीत सिंह, नीलम संजीप सेस, दिप्सन टिर्की, मनदीप मोर, संजय, यशदीप सिवाच, दीनाचंद्र सिंह एम, अभिषेक लाकड़ा, मनजीत, मोहम्मद फराज, परमप्रीत सिंह।मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, नीलाकांता शर्मा, सुमित, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह एम, मारीस्वरन एस, बीजू इक्का, शेषे गौड़ा बीएम, आशीष कुमार टोप्नो, जुगराज सिंह, भरत केआर, लिखित बी एम, केशव त्यागी, सुशील धनवर। फॉरवर्ड : सिमरनजीत सिंह, गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, गुरसाहिबजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह, मनिंदर सिंह, एस कार्ती, प्रभजोत सिंह, परदीप सिंह, अभिषेक, अभारन सुदेव, मोहम्मद राहिल, सुखजीत सिंह, पवन राजभर, मोहम्मद उमर।

विश्च ब्लिट्ज टूर्नामेंट : वैशाली दूसरे, हम्पी संयुक्त तीसरे स्थान पर

वारसॉ (पोलैंड) (एजेंसी) । बीस वर्ष की भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली विश्व ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के महिला वर्ग में नौ दौर के बाद दूसरे स्थान पर हैं जबकि कोनेरू हम्पी संयुक्त तीसरे स्थान पर है। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा की बहन वैशाली ने उक्रेन की मारिया एम और रूस की वालेंटिना गुनिना को ब्लिट्ज चैम्पियनशिप के पहले दिन हराया। नौ दौर के बाद कजाखस्तान की बीबीसारा असायुबायेवा आठ अंक लेकर शीर्ष पर है। अब वैशाली का सामना उसी से होगा। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी हम्पी और रूस की अलेक्जेंद्रा कोस्तेनियुक तीसरे स्थान पर है। हम्पी ने नौवें दौर में अलेक्जेंद्रा गोरियाश्किना को हराया और अब उसका सामना कोस्तेनियुक से होगा। रैपिड वर्ग में हम्पी 7.5 अंक लेकर छठे स्थान पर थी। भारत की वंतिका अग्रवाल 32वें और पद्मिनी राउत 57वें स्थान पर हैं। ओपन वर्ग में गत चैम्पियन मैग्नस कालर्सन को पहले दिन पराजय झेलनी पड़ी। वह शीर्ष पर काबिज लेवोन आरोनियन से डेढ अंक पीछे हैं। भारत के ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगायसी ने उन्हें 12वें दौर में ड्रॉ पर रोका। अर्जुन 12वें स्थान पर है जबकि डी गुकेश 81वें स्थान पर हैं। विदित गुजराती 27वें स्थान पर हैं जिन्होंने निहाल सरीन से ड्रॉ खेला। पी हरिकृष्णा 48वें स्थान पर हैं।

कोरोना मामलों के कारण पृथकवास पर इंग्लैंड के कोच सिल्वरवुड, चौथे एशेज टेस्ट से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी) । इंग्लैंड के खेमे में कोरोना संक्रमण के सात मामले आने के बाद कोच क्रिस सिल्वरवुड पृथकवास में रहेंगे और आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे एशेज टेस्ट के दौरान टीम के साथ नहीं होंगे। इंग्लैंड टीम के किसी सदस्य के परिजन के संक्रमित पाये जाने के बाद सिल्वरवुड को पृथकवास में रहना होगा हालांकि उन्हें कोरोना संक्रमण होने के कोई संकेत नहीं हैं। वह अपने परिवार के साथ दस दिन मेलबर्न में ही पृथकवास में रहेंगे जहां तीसरा टेस्ट खेला गया था।

चौथा टेस्ट पांच जनवरी से सिडनी में खेला जायेगा। इंग्लैंड तीनों टेस्ट हार चुका है और आस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की श्रृंखला में 3.0 की विजयी बढत बना ली है। इंग्लैंड ने बताया कि परिवार के एक सदस्य की जांच रिपोर्ट बुधवार को आई। आज भी कई दौर में पीसीआर टेस्ट होंगे। सोमवार से अब तक हुई जांच में इंग्लैंड के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्य और परिवार के चार सदस्य संक्रमित पाये गए हैं। टीम को शुक्रवार को सिडनी रवाना होना है। दोनों टीमें चार्टर्ड उड़ान से सिडनी जायेंगे और समूचे होटल को उनके लिये आरक्षित किया गया है।

कोहली साउथ अफ्रीका में भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने वाले कप्तान बने

नई दिल्ली । विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया ने सेंचुरियन में खेले गए बाक्सिंग डे टेस्ट मैच को 113 रन से जीत लिया। ये बतौर टेस्ट कप्तान विराट कोहली की साउथ अफ्रीका की धरती पर दूसरी जीत थी। इस जीत के साथ ही वो भारत के लिए साउथ अफ्रीका की धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाले कप्तान भी बन गए। विराट कोहली ने महेंद्र सिंह धौनी और राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ दिया। साउथ अफ्रीका की धरती पर भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच राहुल द्रविड़ की कप्तानी साल 2006-07 दौरे पर जीता था। इस दौरे पर टीम इंडिया ने जोहानसबर्ग टेस्ट मैच में 123 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। ये साउथ अफ्रीका की धरती पर भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत रन के मामले में भी है।

रोस टेलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

वेलिंगटन (एजेंसी) । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रोस टेलर ने मौजूदा घरेलू सत्र के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया है। बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने होने वाला दूसरा टेस्ट उनका आखिरी टेस्ट होगा। वह इसमें डेनियल विटोरी के 112 टेस्ट की बराबरी कर लेंगे।

वह फरवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला नहीं खेलेंगे लेकिन आस्ट्रेलिया में वनडे श्रृंखला और मार्च अप्रैल में नीदरलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला खेलेंगे। नीदरलैंड के खिलाफ अपने गृहनगर हैमिल्टन में चार अप्रैल को होने वाला चौथा वनडे टेलर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा।

उन्होंने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, ''यह शानदार सफर रहा और मुझे खुशी है कि इतने लंबे समय तक देश का प्रतिनिधित्व कर सका।'' उन्होंने कहा, ''दुनिया के कुछ महान खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना सौभाग्य रहा। इतनी सारी यादें और दोस्ती की सौगात मिली है। लेकिन सभी अच्छी चीजें कभी खत्म होती ही है और मेरे लिये यह सही समय है।'' टेलर ने न्यूजीलैंड के लिये टेस्ट और वनडे में मिलकर सर्वाधिक रन बनाये हैं। उन्होंने टेस्ट में 19 शतक समेत 7584 रन बनाये जो मौजूदा कप्तान केन विलियमसन के बाद सर्वाधिक हैं। वहीं वनडे में उन्होंने 8581 रन बनाये जिसमें 21 शतक शामिल हैं।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2008 में पहला टेस्ट खेला और 233 वनडे में से पहला वेस्टइंडीज के खिलाफ 2006 में खेला। उन्होंने 102 टी20 मैच भी खेले हैं और न्यूजीलैंड के लिये तीनों प्रारूपों में सौ से अधिक मैच खेलने वाले पहले क्रिकेटर हैं।

न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने उन्हें देश के महानतम क्रिकेटरों में से एक बताते हुए कहा, ''खिलाड़ियों के मन में उनके लिये अपार सम्मान रहेगा। हम न्यूजीलैंड क्रिकेट में उनके योगदान के लिये धन्यवाद देते हैं।''

विलियमसन ने कहा, ''रोस लंबे समय से टीम का सदस्य है और क्रिकेट में अपने योगदान पर उसे गर्व होगा। वह शानदार खिलाड़ी है और उसके साथ विभिन्न प्रारूपों में इतनी साझेदारियों में शामिल रहना सुखद रहा। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल उसमें से एक है।'' न्यूजीलैंड ने जून में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भारत को हराया था।

भारत की तरफ से इंटरनेशनल क्रिकेट में साल 2021 में रोहित शर्मा ने बनाए सबसे ज्यादा रन

नई दिल्ली (एजेंसी) । साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम की तरफ से क्रिकेट के तीनों फार्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भारतीय ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने बाजी मारी और पहले नंबर पर रहे। इस साल क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में रोहित शर्मा ने कुल 1420 रन बनाए। इनमें से उनका प्रदर्शन टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा अच्छा रहा तो वहीं इस साल उन्होंने सिर्फ 3 वनडे मैच ही खेले। वहीं टी20 मैचों में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। रोहित शर्मा की बात करें तो साल 2021 में उन्होंने भारत के लिए 11 टी20 मुकाबले खेले और इसमें उन्होंने 38.54 की औसत से 424 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 5 अर्धशतकीय पारी खेली और उनका बेस्ट स्कोर 74 रन रहा। वहीं वनडे क्रिकेट की बात करें तो रोहित शर्मा को साल 2021 में सिर्फ 3 वनडे मुकाबलों में शिरकत करने का मौका मिला। इन तीन मैचों में 30 की औसत से उन्होंने 90 रन बनाए थे और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 37 रन रहा था। इस साल टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा रन इसी प्रारूप में बनाए। वो इस साल टेस्ट क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे। हिटमैन ने साल 2021 में भारत के लिए खेले 11 टेस्ट मैचों की 61 पारियों में 906 रन बनाए। इस साल टेस्ट मैचों में उनका औसत 47.68 का रहा था जबकि 161 रन उनकी सबसे बड़ी पारी रही थी। टेस्ट क्रिकेट में इस साल रोहित शर्मा ने 2 शतकीय जबकि 4 अर्धशतकीय पारी खेली। साल 2010 के बाद से ये पहला मौका है जब रोहित शर्मा एक साल में क्रिकेट की तीनों प्रारूपों को मिलाकर भारत के लिए रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर रहे। इस दौरान सबसे ज्यादा विराट कोहली ने ये कमाल 8 बार किया।

टीम चयन में कप्तान और कोच का होना बेहद जरूरी : शास्त्री

मुंबई (एजेंसी) । भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भविष्य में टीम चयन में कप्तान और कोच की भूमिका होनी चाहिए। भारतीय क्रिकेट में कप्तान द्विपक्षीय सीरीज या आईसीसी टूर्नामेंट से पहले इनपुट देने के लिए चयन समिति हिस्सा होता है, लेकिन अंतिम टीम चुनने का निर्णय पांच सदस्यीय चयन पैनल के पास है। दूसरी ओर, मुख्य कोच का चयन के मामलों में कोई दायित्व नहीं होता। यह ऑस्ट्रेलिया में चयन प्रणाली के बिल्कुल विपरीत है, जहां मुख्य कोचों को टीम का चयन करने के लिए कहा जाता है। वहीं, इंग्लैंड में भी मुख्य कोच चयनकर्ता होता है। शास्त्री ने स्टार स्पोर्ट्स के शो बोल्ड एंड ब्रेव पर कहा, मुझे लगता है कि यह बेहद महत्वपूर्ण है कि टीम चयन में कप्तान और कोच की बात होनी चाहिए।

दोनों को आधिकारिक तौर पर अपनी बात रखनी चाहिए। खासकर अगर कोच मेरे जैसा अनुभवी हो या फिर राहुल द्रविड़ जैसा हो। भारत के लिए एक ऑलराउंडर के रूप में खेलने और घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी करने वाले शास्त्री का मानना है कि कप्तान को व्यक्तिगत रूप से चयन बैठक में होना चाहिए, फोन पर या बाहर नहीं। ताकि उन्हें चयनकर्ताओं की मानसिकता देखने को मिले। शास्त्री ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2017 की सफेद गेंद की श्रृंखला से भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्य भार संभाला था। उनके नेतृत्व में, भारत ने इंग्लैंड में 2-1 से आगे बढ़ने के अलावा ऑस्ट्रेलिया में दो बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती। सफेद गेंद के मैचों में भारत ने कई द्विपक्षीय सीरीज में जीत दर्ज की, लेकिन आईसीसी ट्रॉफी को जीतने में असफल रहे। यूएई में टी20 विश्व कप 2021 के सुपर 12 के पहले राउंड में भारत के बाहर होने के बाद, शास्त्री का कार्यकाल समाप्त हो गया। शास्त्री ने 2014 से 2016 तक टीम निदेशक के रूप में भी काम किया था। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ वर्तमान में टीम के मुख्य कोच हैं।

मालविका और मिथुन सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट के चैम्पियन बने

हैदराबाद (एजेंसी) । दूसरी वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ और आठवीं वरीयता प्राप्त मिथुन मंजूनाथ ने गुरुवार को यहां अखिल भारतीय सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में सीधे गेमों में जीत के साथ क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब अपने नाम किये। रोहन कपूर और संजना संतोष की मिश्रित युगल जोड़ी ने लगातार दूसरे साल इस खिताब को अपने नाम किया। महिला एकल के फाइनल में मालविका ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और पिछले सप्ताह सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट की विजेता रही आकर्षि कश्यप को 42 मिनट में 21-15, 21-9 से हराया। मिथुन ने विश्व जूनियर के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी आदित्य जोशी को 21-15, 21-4 से मात देकर पुरुष एकल का खिताब जीता। आदित्य ने क्वालीफाइंग से फाइनल तक पहुंच कर अपने खेल से सबको को प्रभावित किया। पिछले सप्ताह चेन्नई चरण की विजेता कपूर और संजना की वाइल्ड कार्डधारी जोड़ी ने ध्रुव रावत और शिखा गौतम की जोड़ी को 33 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 21-13 से हराया। महिला युगल के फाइनल में सिमरन सिंह और खुशी गुप्ता की जोड़ी ने तेलंगाना की वेन्नाला के और श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 21-13 ने हराकर अपना पहला सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीता। पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में कृष्ण प्रसाद गागरा और विष्णुवर्धन गौड़ पी. की जोड़ी ने केरल के रविकृष्ण पीएस और शंकरप्रसाद उदयकुमार की जोड़ी को 21-9, 21-12 से शिकस्त दी। लंदन ओलंपिक (2012) की पदक विजेता साइना नेहवाल पुरस्कार वितरण में यहां उपस्थित थीं। इस दौरान चैम्पियन खिलाड़ियों के बीच कुल 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गयी।

90 मीटर का आंकड़ा पार करने से सर्वश्रेष्ठ में नाम शामिल होगा : नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी) । ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके भारत के भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की नजरें 90 मीटर की बाधा पार करने पर लगी है और उनका मानना है कि ऐसा करने से उनका नाम इस खेल में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हो जायेगा। तोक्यो ओलंपिक में अपने दूसरे प्रयास में 87.58 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 88.07 मीटर है। उन्होंने मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा, ''पदक एक बात है और दूरी अलग। 90 मीटर का थ्रो फेंकने से मेरा नाम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भालाफेंक खिलाड़ियों में शामिल होगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं इसके करीब हूं और जल्दी ही यह बाधा पार करूंगा लेकिन मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मुझ पर कोई दबाव नहीं है कि वहां तक नहीं पहुंचा तो गड़बड़ हो जायेगा।'' चोपड़ा ने कहा, ''अभी मैं दो मीटर दूर हूं। यह कम भी नहीं है लेकिन असंभव भी नहीं क्योंकि मेरा अभ्यास अच्छा है।मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता लेकिन यह ऐसी बाधा है तो मुझे इस साल पार करनी है।'' उन्होंने कहा,'' तकनीक में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं है। मैं जो कर रहा हूं, उसी में सुधार करूंगा। दमखम और रफ्तार पर काम करना होगा तो दूरी अपने आप तय हो जायेगी।'' ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड पदक का भारत का सौ साल पुराना इंतजार खत्म करने वाले चोपड़ा ने कहा कि ओलंपिक के बाद उनका दस किलो वजन बढ गया। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक से आने के बाद मैने वह सब कुछ खाया तो मैं खाना चाहता था। मैं बहुत समय से नियंत्रण कर रहा था। मेरा करीब 12.13 किलो वजन बढ गया।'' चोपड़ा अब अमेरिका के चुला विस्टा में आफ सीजन अभ्यास कर रहे हैं और उनका वजन आफ सीजन वजन के करीब पहुंच गया है। उन्होंने कहा, ''मैं 22 दिन से अभ्यास कर रहा हूं और अब तक 5.5 किलो वजन कम कर लिया है। अब मेरा वजन आफ सीजन वजन के करीब है। शुरूआती कुछ दिन कठिन थे। शरीर में दर्द होता था और काफी मेहनत करनी पड़ती थी। मैं थक जाता था लेकिन शरीर के लिये कड़ा अभ्यास कर रहा हूं ताकि जल्दी ही भालाफेंक पर केंद्रित अभ्यास कर सकूं।'' भारतीय खेलों में बेहतरी के लिये क्या बदलाव लाने होंगे, यह पूछने पर उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा खेलना जरूरी है। उन्होंने कहा, ''जितना ज्यादा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलेंगे, उतना ही अच्छे खिलाड़ियों से खेलने का अनुभव मिलेगा। इससे बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा भी मिलेगी।

बीबीएल : कोविड के कारण पर्थ और मेलबर्न के बीच आज का मैच स्थगित

मेलबर्न (एजेंसी) । डॉकलैंड्स स्टेडियम में यहां पर्थ स्कॉर्चर्स और मेलबर्न स्टार्स के बीच गुरुवार को होने वाले मुकाबले को क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने स्थगित कर दिया है। सीए ने बताया कि मेलबर्न स्टार्स के स्टाफ में एक सदस्य कोविड से संक्रमित मिला हैं। सीए ने कहा कि सभी स्टार खिलाड़ी और कर्मचारी जो कोविड संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में थे, उनका कोविड टेस्ट कराया गया है। समय से रिपोर्ट प्राप्त नहीं होने के चलते मैच को स्थगित करना पड़ रहा है। वह जल्द से जल्द मैच के लिए नई तारीख की घोषणा करेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग के महाप्रबंधक एलिस्टेयर डॉबसन ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा, अफसोसजनक, आज रात के मैच को स्थगित करने के अलावा समिति के पास और कोई विकल्प नहीं है। लीग में हमारे प्रतिभागियों को सुरक्षित रखने और मैच को आगे बढ़ाने के लिए कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा, प्रत्येक राज्य में कोविड के मामलों में वृद्धि हो रही है। यहां खिलाड़ियों और स्टाफ की सुरक्षा प्राथमिकता में है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि वह मेलबर्न स्टार्स प्रबंधन के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है।

विराट कोहली ने बताया, किन खिलाड़ियों की वजह से पहले टेस्ट में मिली जीत

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत ने दक्षिण अफ्रीका को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट मैच में 113 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए टेस्ट मैच के पांचवें दिन टीम इंडिया के गेंदबाजों ने साउथ अफ्रीका को दूसरी पारी में 191 रनों पर ऑलआउट कर दिया। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट चटकाए। इस जीत के बाद टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान विराट कोहली काफी खुश नजर आए। उन्होंने मैच के बाद कहा कि एकदम परफेक्ट शुरुआत। एक दिन बारिश की वजह से धुल गया। ये दिखाता है कि हम कितना अच्छा खेले। केएल राहुल को पहली पारी में शतक जड़ने के लिए मैन ऑफ द मैच दिया गया। विराट ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में कहा, हमें एक शानदार शुरुआत मिली। ये समझना होगा कि एक दिन धुल गया था, ये दिखाता है कि हमने कितना अच्छा खेला। सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। बल्लेबाजों ने अनुशासन दिखाया। विदेश में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना कठिन चुनौती है। इसका श्रेय मयंक और राहुल को जाता है, जिस तरह से वो सेट हुए। हमें पता था कि हम 300-320 से अधिक रन बनाने पर हम आगे होंगे। मुझे पता था कि गेंदबाज अपना काम करेंगे। विराट ने आगे कहा, बुमराह ने कहा कि चेंज रूम में इसके बारे में बात हुई थी। तथ्य है कि बुमरा ने पहली पारी में ज्यादा गेंदबाजी नहीं की, इससे दक्षिण अफ्रीका को 40 रन ज्यादा मिल गए। जिस तरह से ये एस साथ गेंदबाजी करते हैं वो हमारी टीम के कठिन परिस्थितियों में रिजल्ट प्राप्त करने की एक बानगी है। मेरे लिए वह(बुमराह) इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तीन तेज गेंदबाजों में से एक है। उनके पास मजबूत कलाई, सीम पोजीशन और लेंथ में लगातार गेंदबाजी करने की क्षमता है ।पिछली बार जोहान्सबर्ग से इतना आत्मविश्वास मिला था। यह एक ऐसा मैदान है जहां हम खेलना पसंद करते हैं।

एशेज : मैच रेफरी डेविड बून कोविड से पाए गए संक्रमित, चौथे टेस्ट में हुए बाहर

मेलबर्न (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मैच रेफरी डेविड बून कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। वह अगले सप्ताह सिडनी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाली एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट से बाहर रहेंगे। वह कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार दस दिनों के लिए क्वारंटीन हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को घोषणा की, एशेज सीरीज के लिए आईसीसी मैच के रेफरी डेविड बून पीसीआर टेस्ट के बाद कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने ब्यान में कहा, पांच जनवरी से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के लिए आईसीसी रेफरी के अंतराष्ट्रीय पैनल के सदस्य स्टीव बर्नार्ड मैच रेफरी के रूप में कार्यभार संभालेंगे। बून ने पूरी तरह से कोविड का टीका लगवाया हुआ था, जिसमें बूस्टर डोज भी शामिल है। वे कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार दस दिन के लिए क्वारंटीन रहेंगे। सीए ने बयान में कहा, हालांकि, डेविड बून 14 जनवरी से होबार्ट में शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट के लिए मैच में वापसी कर सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि दोनों टीमों के खिलाड़ी, उनके परिवार, सहयोगी स्टाफ और मैच अधिकारियों का 27 दिसंबर से लगातार कोविड का टेस्ट किया जा रहा है। इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड भी चौथे टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

2022 में प्रियंका चोपड़ा का बिज़ी कैलेंडर

द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस की विश्वव्यापी सफलता के गौरव के आधार पर, अंतर्राष्ट्रीय आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनास ने फिल्म में सती के किरदार से हलचल पैदा कर दी है। आने वाले वर्ष में उनके पास अपने प्रशंसकों के लिए बहुत कुछ है। भारत की पसंदीदा देसी-गर्ल-गोन-ग्लोबल को फिर से पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनके प्रशंसक अगले साल उनके बिजी कैलेंडर से आश्चर्यचकित हैं। द व्हाइट टाइगर की शानदार सफलता के बाद ओटीटी पर धूम मचाते हुए, प्रियंका चोपड़ा जोनास अमेज़न प्राइम वीडियो पर आगामी ड्रामा सीरीज़, सिटाडेल में दिखाई देंगी। पैट्रिक मोरन और रूसो भाइयों द्वारा निर्मित, इस शो को एक सम्मोहक भावनात्मक केंद्र के साथ एक एक्शन से भरपूर जासूसी सीरीज के रूप में देखा जा रहा है। आगामी रोमांटिक ड्रामा टेक्स्ट फॉर यू की हेडलाइनिंग करते हुए, पिसी 2016 की जर्मन फिल्म एसएमएस फॉर डिच के रीमेक में दिखाई देगी। जेम्स सी. स्ट्राउस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सैम ह्यूगन, सेलीन डायोन, रसेल टोवी, स्टीव ओरम, ओमिड जलीली, सोफिया बार्कले, लिडिया वेस्ट, अरिंज केने और सेलिया इमरी भी नजर आएंगे। और निश्चित रूप से, आखिरी के लिए सर्वश्रेष्ठ को बचाते हुए, भारत में प्रशंसक प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट अभिनीत बहुप्रतीक्षित जी ले जरा का और इंतजार नहीं कर सकते। अल्टीमेट रोड ट्रिप फिल्म, फिल्म फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित और फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती द्वारा लिखित है। यह फ़िल्म अगले साल फ्लोर पर जाने की उम्मीद है, और यह फिल्म इंतजार के लायक है। ऐसा लगता है कि पिसी के प्रशंसकों के पास आगे देखने के लिए बहुत कुछ है। **(एजेंसी)**

निक्की मिनाज, कर्दाशियां की कारोबारी प्रबंधक एंजेला कुकाव्स्की की हत्या

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में व्यवसाय प्रबंधक एंजेला कुकाव्स्की की हत्या कर दी गई है और उनके प्रेमी पर हत्या तथा प्रताड़ना का आरोप लगा है। कुकाव्स्की, निक्की मिनाज और कर्दाशियां जैसी हस्तियों के कारोबार से जुड़े काम संभालती थीं। पुलिस ने एक बयान में बताया कि लापता होने की सूचना मिलने के एक दिन बाद, पुलिस को 23 दिसंबर को लॉस एंजिलिस के उत्तर-पश्चिम में सिमी वैली में 55 वर्षीय एंजेला कुकाव्स्की का शव उनकी कार में मिला। अधिकारियों ने बताया कि उनके 49 वर्षीय प्रेमी जेसन बार्कर को मंगलवार को हत्या और प्रताड़ना के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वेंचुरा काउंटी के अनुसार, कुकाव्स्की की मौत सिर और गर्दन पर चोटों और गला घोंटने से हुई। जांच अधिकारियों का मानना है कि बार्कर ने लॉस एंजिलिस के शर्मन ओक्स खंड में उनके घर में कुकाव्स्की की हत्या की और फिर शव कार के अंदर रख दिया। इसके बाद कार को सिमी वैली ले जाकर छोड़ दिया। **(एजेंसी)**

सबसे लोकप्रिय ओटीटी एक्ट्रेस बनी तमन्ना भाटिया

2021 यह निर्विवाद रूप से तमन्ना भाटिया का वर्ष रहा है। लगातार चार बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर देने के बाद, पैन-इंडिया स्टार ने अब भारत में सबसे लोकप्रिय ओटीटी एक्टर्स की सूची में स्थान अर्जित किया है। तमन्ना ने 11थ हावर और नोवेम्बर स्टोरी के साथ डिजिटल क्षेत्र में कदम रखा। जबकि दोनों शो में उन्हें विपरीत रंगों में दिखाया। वह दर्शकों और आलोचकों के बीच एक बड़ी हिट बन गई। ओरमैक्स मीडिया की ताजा सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, बहुमुखी अभिनेत्री शीर्ष दस पसंदीदा ओटीटी सितारों में से एक है। उसी के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने कहा, ÷मैंने एक वेब शो में काम करने की प्रक्रिया का आनंद लिया। यह एक ताज़ा अनुभव था। मैं हमेशा 11थ हावर और नोवेम्बर स्टोरी को अपने दिल के करीब रखूंगी। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि दर्शक ने उनमें मेरे प्रदर्शन का आनंद लिया और मुझे बहुत प्यार दिया।÷ सूची में मनोज वाजपेयी, पंकज कपूर, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, सुष्मिता सेन, सामंथा रूथ प्रभु और अन्य भी शामिल हैं। इस बीच, तमन्ना बॉलीवुड में प्लान ए प्लान बी और यार दोस्त और दक्षिण में एफ3, भोला शंकर और गुरथुंधा सीताकलम के साथ व्यस्त नए साल के लिए तैयार हैं। **(एजेंसी)**

प्रतिबंध के दो साल बाद रिलीज होगी पंजाबी फिल्म शूटर

कुख्यात गैंगस्टर सुक्खा कहलवान के जीवन और अपराधों पर आधारित जय रंधावा अभिनीत पंजाबी क्राइम फिल्म शूटर जल्द ही रिलीज होगी। फिल्म को पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने हिंसक सामग्री का हवाला देते हुए प्रतिबंधित कर दिया था। अब फिल्म को दो साल बाद रिलीज किया जाएगा। फिल्म 4 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस अवसर पर बोलते हुए, निर्माता के.वी. ढिल्लों ने कहा कि सिनेमाघरों में हमारी फिल्म को दिखाने की इजाजत देने के लिए मैं भगवान और न्यायपालिका को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अपनी पूरी टीम के लिए खुश हूं। हम सभी ने इस दिन का इंतजार किया और आखिरकार दो साल बाद यह दिन आ गया। फिल्म में किए गए किसी भी बदलाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने खुलासा किया कि हमने फिल्म में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन कुछ अतिरिक्त आश्चर्य हैं जो आपको तब पता चलेगा जब आप इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखेंगे और हां कुछ कट हैं, जो ध्यान देने योग्य नहीं हैं। हिंसा को बढ़ावा देने वाली फिल्म के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री की राय पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि हम उनकी राय का सम्मान करते हैं। **(एजेंसी)**

वाणी कपूर

शमशेरा का हिस्सा बनना किसी सपने से कम नहीं था

अभिनेत्री वाणी कपूर इस बात से खुश है कि उनकी अगली फिल्म शमशेरा स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। वह कहती हैं कि आने वाली फिल्म का हिस्सा बनना किसी ड्रीम से कम नहीं था। 2021 के बारे में बात करते हुए, वाणी ने कहा कि एक कलाकार के रूप में यह मेरे लिए एक

शानदार वर्ष रहा है। चंडीगढ़ करे आशिकी ने मुझे दर्शकों का प्यार और सराहना दी। वाणी ने कहा, मैं वास्तव में सिनेमा की इस दुनिया में अपनी आगे की यात्रा की प्रतीक्षा कर रही हूं। वाणी वाईआरएफ की शमशेरा में रणबीर कपूर के साथ दिखाई देंगी, जो 18 मार्च, 2022 को रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा कि शमशेरा के रिलीज होने के साथ, मैं दर्शकों के लिए अपने अभिनय का एक और पक्ष लाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। शमशेरा का हिस्सा बनना भी किसी सपने से कम नहीं था। वाणी ने अपने को-स्टार रणबीर कपूर की भी जमकर तारीफ की। वाणी ने कहा कि रणबीर कपूर मेरे सह-कलाकार है, उनकी क्षमता के अभिनेता के साथ काम करना बहुत ही खूबसूरत था। कुछ फिल्मों के बाद वाईआरएफ के साथ काम करना इसे और भी खास बनाता है। वाणी ने कहा कि मैं लोगों द्वारा शमशेरा देखने का इंतजार नहीं कर सकती और उम्मीद है कि एक टीम के रूप में हमने जो काम किया है उसकी सराहना होगी। **(एजेंसी)**

विपुल अमृतलाल शाह की ह्यूमन के ट्रेलर ने छेड़ी बहस

हाल ही में डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर लॉन्च हुई विपुल अमृतलाल शाह की आगामी वेब सीरीज़ ह्यूमन के ट्रेलर को दर्शकों, फर्टेर्निटी और क्रिटिक्स से समान रूप से सराहना मिल रही है, जो हत्या, रहस्य, वासना और हेरफेर की मनोरंजक कहानी के बारे में बात करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं और साथ ही, ह्यूमन मेडिकल ट्रायल्स की दुनिया एक्सप्लोर करने वाले एक अनएक्सप्लोर्ड विषय का प्रयास करने के लिए निर्माताओं के निर्णय भी वाहवाही की जा रही है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री शेफाली शाह, कीर्ति कुल्हारी, विशाल जेठवा, राम कपूर, सीमा बिस्वास, आदित्य श्रीवास्तव और मोहन अगाशे की विशेषता वाला मनोरंजक ट्रेलर चर्चा का विषय बन गया है और आम आदमी के लिए एक तरह से आंख खोल देने वाला अनुभव है जिन्हें मेडिकल प्रोफेशन में अत्यधिक विश्वास है। यह हार्ड-हीटिंग ट्रेलर दवाओं की दुनिया और लोगों पर इसके प्रभाव के अप्रत्याशित रहस्यों को उजागर करता है, जो कई लोगों के लिए सरप्राइज के रूप में सामने आया है। डिजिटल शो का ऐसा प्रभाव रहा है कि गूगल ने भी एडवरटाइजमेंट कैंपेन को यह कहते हुए रोक दिया है कि इसका विषय बहुत संवेदनशील है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि शो ने सोशल मीडिया पर दर्शकों के बीच बातचीत शुरू कर दी है जिन्होंने चिकित्सा जगत के प्रतिनिधित्व पर बहस शुरू कर दी है। काल्पनिक श्रृंखला एक मनोरंजक कहानी में वित्तीय लाभ के लिए तेजी से ट्रैक किए गए ड्रग परीक्षणों के कारण को दर्शाती है जिसमें लालच में खोई निर्दोष जिंदगियां शामिल हैं। मानव जीवन के मूल्य, मेडिकल मालप्रैक्टिस, क्लास डिवाइड और एक तेज-तर्रार चिकित्सा विज्ञान के प्रभाव जैसे सम्मोहक विषयों को छूते हुए, ÷ह्यूमन÷ सत्ता संघर्ष, गुप्त अतीत, ट्रॉमा और हत्याओं की एक सम्मोहक कहानी में पैसा बनाने के लालच को सामने लाता है। विपुल अमृतलाल शाह और मोज़ेज़ सिंह द्वारा निर्देशित, डिज़्नी+ हॉटस्टार स्पेशल सीरीज़ को मोज़ेज़ सिंह और इशानी बनर्जी ने लिखा है। **(एजेंसी)**

सूर्या ने द्विभाषी टाइम ट्रैवल फिल्म कनम का टीजर रिलीज किया

अभिनेता सूर्या ने निर्देशक श्री कार्तिक की तमिल-तेलुगु द्विभाषी फिल्म कनम का टीजर जारी किया है, जिसमें अभिनेता अमला, शारवानंद और रितु वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। ड्रीम वारियर पिक्च र्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का नाम तेलुगु में ओके ओका जीवथम रखा गया है और यह समय यात्रा पर आधारित है। वोदित निर्देशक श्री कार्तिक द्वारा निर्देशित, फिल्म में अमला अक्किनेनी, शारवानंद, नासिर, रितु वर्मा, सतीश, रमेश तिलक और एम.एस. भास्कर आदि शामिल हैं। सुजीत सारंग फिल्म के छायाकार हैं, जिसका संगीत जेक बिजॉय ने दिया है। श्रीजीत सारंग संपादक हैं और सतीश कुमार कला निर्देशक हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक श्री कार्तिक ने कहा, कनम एक माँ के स्नेह पर केंद्रित एक सुंदर फिल्म है। मैंने इसे तमिल और तेलुगु दोनों में निर्देशित किया है। वेनेला किशोर और प्रियदर्शिनी ने तेलुगु संस्करण में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में अभिनय किया है। जबकि सतीश और रमेश थिलक ने तमिल संस्करण में अभिनय किया है। हालांकि हमने इसे एक छोटे बजट की फिल्म के रूप में शुरू किया था, अब यह द्विभाषी फिल्म है जिसमें पर्याप्त बजट शामिल है। **(एजेंसी)**

भीड़ भाड़ के बीच ऑटो रिक्शा चलाते नजर आए सलमान खान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान पनवेल में अपने फार्महाउस के पास भीड़भाड़ के बीच ऑटो-रिक्शा चलाते नजर आए। उनका वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है।

भाईजान ने हाल ही में अपना 56वां जन्मदिन पनवेल स्थित अपने फार्महाउस पर अपने करीबी परिवार और दोस्तों के साथ मनाया। क्लिप, जिसे हाल ही में सलमान खान के कई फैन पेजों पर प्रसारित किया गया है, उसमें अभिनेता को नीली टी-शर्ट और टोपी पहने सड़कों पर गाड़ी चलाते हुए ड्राइवर की सीट पर बैठे हुए दिखाया गया है।वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि सुपरस्टार को देखने के लिए लोग काफी उत्साहित है। बर्थडे से ठीक पहले सलमान को उनके फार्महाउस पर सांप ने काट लिया था। हालांकि, बाद में अभिनेता ने पुष्टि करते हुए कहा था कि वह ठीक हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान के पास रिलीज के लिए कतारबद्ध फिल्मों की एक लंबी सूची है। सलमान टाइगर 3, कभी ईद कभी दीवाली, बजरंगी भाईजान 2 और नो एंट्री की दूसरी किस्त में नजर आएंगे। **(एजेंसी)**

दर्शकों के लिए ड्रामा, बायोपिक, थ्रिलर फिल्में बनाएगी विसिका फ़िल्मस

विसिका फ़िल्मस के बैनर तले प्रमुख फ़िल्मों की आधिकारिक घोषणा पोस्टर लॉंच के साथ की गयी। फ़िल्मों को ओटीटी और सिनेमा गृहों में रिलिज़ किया जाएगा। सी बी कुलकर्णी (एम ड़ी, विसिका फ़िल्मस) और चरन सुवर्णा (डाय रेक्टर, विसिका फ़िल्मस) के द्वारा आयोजित लॉंच पार्टी में भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह, अभिनेत्री निहारिका रायज़ादा, कामेडियन सुनील पाल, हितेन तेजवानी, निर्माता मंसूर अहमद सिद्दीक़ी, हनी चौधरी, मिलिंद कांबले, धनंजय रश्मि मोहापात्रा, राजीव रुईया, धीरज मिश्रा, फ़ैशन प्रोफेशनल आनंद गुप्ता, विनय चंद्रा, शक्ति कुमार, दिव्या राय, एडवोकेट मनोज व्यवहारे अशोक देवनामप्रिय, डाक्टर शैलेश ज़ादव, डायरेक्टर, विसिका फ़िल्मस उपस्थित रहे। फ़िल्म सरोजिनी हिंदी, तेलगू, तमिल और कन्नड़ भाषाओं में बनायी जाएगी। कन्नड़ भाषा में भैरव और रेडरम का निर्माण किया जाएगा। अभिनेता गोविन्दा और करिश्मा कपूर की सुपरहिट फ़िल्म साजन चले ससुराल का सिक्वेल भी विसिका फ़िल्मस के द्वारा किया जाएगा। हिंदी फ़िल्म गीता गोविन्दा का निर्माण भी किया जाएगा जिसे कारु ओटीटी पर रिलिज़ किया जाएगा। सी.बी कुलकर्णी, देश के लिडिंग ओटीटी प्लेटफ़ोर्म कारु ओटीटी के फ़ाउंडर भी हैं विसिका फ़िल्म के द्वारा निर्मित कई फ़िल्मस और शोज़ को कारु ओटीटी पर रिलिज़ किया जाएगा। इस अवसर पर सी बी कुलकर्णी (एमडी, विसिका फ़िल्मस) ने बताया कि विसिका फ़िल्मस दर्शकों के लिए ड्रामा, बायोपिक, थ्रिलर सभी तरह के कंटेंट का निर्माण करेंगा।

हम दर्शकों के लिए हिंदी के साथ ही तेलगु, तमिल, कन्नड़ साहित कई अन्य भाषाओं में कंटेंट प्रोड्यूस करेंगे। चरन सुवर्णा, डायरेक्टर, विसिका फ़िल्मस का कहना हैंकी हम दर्शकों के लिए एंटरटेनमेंट का कंपलिट पैकेज प्रस्तुत करेंगे। फ़िल्मों के साथ ही वेब सीरिज़ और अन्य कंटेंट भी बनाया जाएगा। कारु ओटीटी के साथ ही कारु न्यूज़ के माध्यम से हम एक बड़े दर्शक वर्ग को मनोरंजन और समाचार जगत से सीधे जोड़ेंगे। विसिका फ़िल्मस द्वारा लॉंच फ़िल्मों की शूटिंग जनवरी 2022 से शुरू होगी और फ़िल्में अगले साल मध्य से क्रमश थ्रियेटर और ओटीटी पर प्रदर्शित होंगी। **(एजेंसी)**

एक्टर मोहित मट्टू की 2022 में धमाकेदार एंट्री, फेन्स को मिलेगा न्यू ईयर का तौहफा नहीं देनी होगी उनकी नयी फिल्म को देखने के लिए कोई सब्स्क्रिप्शन फ़ीस

राजू बोहरा

बॉलीवुड में अपनी मेहनत,लगन और अभिनय प्रतिभा के दम पर बतौर फिल्म-टीवी एक्टर सफल पहचान बनाने वाले एक्टर मोहित मट्टू का दर्शको के लिए नाम और चेहरा किसी खास परिचय का मोहताज नहीं है, वह लम्बे वक्त से बॉलीवुड में एक कामयाब अभिनेता के रूप में हिन्दी फिल्मो, धारावाहिको और ऐड फिल्मो में काम कर है और अब तक प्राइवेट चैनल्स से लेकर दूरदर्शन तक के दर्जनों लोकप्रिय धारावाहिकों में और कई अच्छी फिल्मो में शानदार अभिनय कर चुके है।

उनके फेन्स के लिए नयी खबर यह है की एक्टर मोहित मट्टू नए साल 2022 में भी धमाकेदार एंट्री करने जा रहे है और उनके फेन्स को मिलेगा न्यू ईयर का तौहफा नहीं देनी होगी उनकी नयी फिल्म 'गुगली गुम है को देखने के लिए कोई सब्स्क्रिप्शन फ़ीस। दर्शको को हम उनके बारे में बिस्तार से पूरी खबर बताते है। जहा उनके दो पुराने हिट सीरियल ''मिसेज कौशिक की पाँच बहुएँ ''जी अनमोल चैनल पर रोजाना दोपहर दो बजे और ''संस्कार'' दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर साढ़े चार बजे पुनः प्रसारित हो रहे है। जहा एक ओर 'मिसेज कौशिक की पाँच बहुएँ में उनका किरदार बिट्टु जी दर्शको को खूब हँसा रहा है वही ''संस्कार' में राहुल का किरदार दर्शको को खूब रिझा रहा है। मोहित का कहना है की बिट्टू जी और राहुल का किरदार उनके दिल के बहुत करीब है। साथ ही कुछ दिन पहले ही 'ओटीटी प्लेटफार्म 'शेमारू ऐप्प' पर उनकी लीक से हटकर विषय पर बनी फिल्म 'गूगली गुम है रिलीज़ हुई है जो अब नववर्ष 2022 के प्रथम दिन एक जनवरी को यूट्यूब के एनोक्स एंटरटेनमेंट ENOXX ENTERTAINMENT चैनल पर रिलीज़ होने जा रही है जिसको दर्शक बिना किसी तरह के सब्स्क्रिप्शन फ़ीस के देख सकेगे। अपनी इस इस नयी फिल्म 'गूगली गुम है के बारे में अभिनेता मोहित मट्टू ने बताया की इस फिल्म को हिमाचल के चर्चित फिल्म निर्देशक अजय के सकलानी के द्वारा निर्देशित किया गया है और फिल्म की पूरी शूटिंग हिमाचल की खूबसूरत पहाडियों में की गयी है। यह एक दिलचस्प सब्जेक्ट पर बनी फिल्म है जो सिर्फ चार मुख्य किरदारों पर केंदित है जिसमे से रंगा नामक हिमाचली पहाड़ी पर्यटक गाइड युवक का एक दिलचस्प लीड किरदार मैने निभाया है। पूरी फिल्म इन चारों किरदारों के आसपास घूमती है। मोहित मट्टू एक मल्टी टैलेंटेड अभिनेता है। वह एक एक्टर के साथ-साथ एक अच्छे लेखक और निर्देशक भी है जो अक्सर सामाजिक विषयो पर कुछ कुछ-पढते लिखते रहते है। उनके खाते में कई बड़ी ऐड फिल्मे और म्यूजिक एलबम भी शामिल है।